

5085-5237 ✓  
 1467/Amberghat (R.) Road  
 State Roads Commission (C. & J. Road)  
 5233-5237 - d -  
 5233-5244 - (H) C. & J. Road (R. & J. Road)  
 5244-5256 - 1467/37 (S. & J. Road) (R. & J. Road)  
 5256-5258 - 1467/37 (S. & J. Road) (R. & J. Road)  
 5258-5260 - 1467/37 (S. & J. Road) (R. & J. Road)  
 5260-5262 - 1467/37 (S. & J. Road) (R. & J. Road)  
 5262-5264 - 1467/37 (S. & J. Road) (R. & J. Road)  
 5264-5266 - 1467/37 (S. & J. Road) (R. & J. Road)  
 5266-5268 - 1467/37 (S. & J. Road) (R. & J. Road)  
 5268-5270 - 1467/37 (S. & J. Road) (R. & J. Road)  
 5270-5272 - 1467/37 (S. & J. Road) (R. & J. Road)



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

*[Signature]*  
 13/3/95

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित।

शिमला, शनिवार, 17 दिसम्बर, 1994, 26 अक्टूबर, 1994

*[Signature]*

हिमाचल प्रदेश सरकार

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

दिनांक-17/10/94, 16 दिसम्बर, 1994

संख्या पी.सी.एच.एच.ए. (3)-6/94.-हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (1994 का 4) की धारा 183 द्वारा प्रचलन में लाये गये हुए राज्य निर्वाचित निकायों के (ग्राम) में प्रचलन अधिनियम के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित नियम बनाने का प्रस्ताव करते हैं और उक्त नियमों का प्रारूप उक्त अधिनियम की धारा 186 की उप-धारा (3) के अधिनियम के अन्तर्गत, उक्त अधिनियम की अन्तर्गत और इन नियमों में सम्भाव्य प्रभावित व्यक्तियों के बीच प्रसारित करने के लिए प्रकाशित किया जाता है और उक्त प्रभावित नियमों पर उनके राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की शर्त के तहत 30 दिन के पश्चात् विचार किया जाएगा।

यदि इन प्रारूप नियमों में सम्भाव्य प्रभावित कोई व्यक्ति उक्त नियमों के विषय में कोई आपत्ति करना या सुझाव देना चाहते हैं तो उन्हें वि.रा. अधिनियम के अधिनियम, ग्रामीण विकास और पंचायती राज, हिमाचल प्रदेश

नियम बिहार को भेज सकेगा। राज्य सरकार उपर्युक्त नियत अवधि के भीतर प्राप्त हुए आक्षेपों या सूझावों पर उक्त नियमों को अन्तिम रूप देने से पूर्व विचार करेगी :—

### प्रारूप-नियम

#### अध्याय-1

#### प्रारम्भिक

है।

1. संक्षिप्त नाम:—इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 है।
2. परिभाषाएं:—इन नियमों में जब तक कि कोई बात विषय या सन्दर्भ से विरुद्ध न हो,—
  - (क) "अधिनियम" से हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (1994 का 4) अभिप्रेत है;
  - (ख) "निर्वाचन क्षेत्र से" यथा स्थिति, ग्राम सभा, पंचायत समिति या जिला परिषद, प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र अभिप्रेत है जिसके प्रतिनिधित्व के लिए किसी सदस्य को निर्वाचित किया जाता है या निर्वाचित किया गया है और ग्राम पंचायत के प्रधान या उप-प्रधान के विषय में समस्त ग्राम सभा क्षेत्र अभिप्रेत है;
  - (ग) "जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत)" से राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अधिकारी के रूप में के निर्वाचन के संचालन के लिए, नियुक्त जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) अभिप्रेत है;
  - (घ) "मतदाता" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसका नाम राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा बनाई गई निर्वाचक नामावली में पंचायत निर्वाचन के प्रयोजन के लिए दर्ज किया गया है;
  - (ङ) "निर्वाचक नामावली" से पंचायत के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदाता सूची अभिप्रेत है;
  - (च) "प्रारूप" से इन नियमों से संलग्न प्रारूप अभिप्रेत है;
  - (छ) "मतदान कर्मचारी" से निर्वाचन का संचालन करने में या संचालन में सहायता करने वाला या वाले व्यक्ति अभिप्रेत हैं;
  - (ज) "पीठासीन अधिकारी" से अधिनियम के अधीन मतदान केन्द्र पर जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) द्वारा निर्वाचन के संचालन के लिए पीठासीन अधिकारी के रूप में कोई व्यक्ति अभिप्रेत है;
  - (झ) "रिटनिंग अधिकारी" से इन नियमों के अधीन निर्वाचन के संचालन के लिए नियुक्त कोई अधिकारी अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत सहायक रिटनिंग अधिकारी भी है;
  - (ञ) "रजिस्ट्रार अधिकारी" से निर्वाचन रजिस्ट्रार अधिकारी अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रार अधिकारी भी है;
  - (ट) "भाग" से अधिनियम की भाग अभिप्रेत है; और

(ठ) "राज्य निर्वाचन आयोग" में भारत के संविधान के अनुच्छेद 243 (ड) के साथ पठित धारा 160 का अधीन गठित आयोग अधिप्रेत है।

(2) उन सब शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं, किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वे ही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके हैं।

## अध्याय-2

### पंचायतों के निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन और आरक्षण

3. ग्राम सभा क्षेत्र का निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया जाना :—(1) ग्राम पंचायत के सदस्य के निर्वाचन कराने के प्रयोजन के लिए, ग्राम सभा क्षेत्र को निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा।

(2) निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या धारा 8 के उपबन्धों के अनुसार उप-नियम (1) के अधीन अवधारित की जाएगी।

4. निर्वाचन क्षेत्रों की परिसीमाएं :—(1) प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की यथा साध्य समान जनसंख्या होगी और प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र भौगोलिक रूप से संहत और संयुक्त होगा और प्राकृतिक सीमाएं जैसे कि सड़कें, पथ, लेनज गलियां, नदियां, नहरें, नालियां, जंगल, मकान नम्बर, कटक या अन्य ऐसे चिन्ह जिन्हें आसानी से भिन्न किया जा सके, होंगे।

(2) निर्वाचन क्षेत्र का ग्राम सभा के नक्शे से, जो उत्तर से पूर्व की ओर आरम्भ होता है और दक्षिण से पश्चिम दिशा की ओर समाप्त होता है, परिसीमन किया जाएगा।

(3) प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक सदस्य निर्वाचित किया जाएगा।

(4) प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की परिसीमाएं निम्नलिखित प्रकार से सभी चार दिशाओं में परिनिश्चित की जाएंगी :—

1. द्वारा सीमाबद्ध-----उत्तर में
2. द्वारा सीमाबद्ध-----दक्षिण में
3. द्वारा सीमाबद्ध-----पूर्व में
4. पश्चिम में-----द्वारा सीमाबद्ध

5. निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का प्रस्ताव और इसका प्रकाशन :—उपायुक्त, या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी, ग्राम सभा क्षेत्र को निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित करके निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के प्रस्ताव को प्रकाशित करवावेगा और ऐसे प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्रों की प्रादेशिक सीमाएं भी सूचित करेगा और ग्राम पंचायत के कार्यलय तथा पंचायत समिति के कार्यालय, जिनकी प्रादेशिक अधिकारिता में ऐसा सभा क्षेत्र पड़ता है, में निरीक्षण के लिए प्रस्ताव को खुला है।

6. आपत्तियों का निपटारा और अन्तिम आदेश :—उपायुक्त या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी, नियम 5 के अधीन आक्षेपों को प्राप्ति पर, यदि कोई हो, उनकी जांच करेगा और सात दिन की अवधि

के भीतर या सरकार द्वारा यथा-नियत ऐसे कम समय में उन पर विचार करेगा और आक्षेपों को स्वीकार या अस्वीकार किये जाने के विषय में संक्षिप्त कारणों को अभिलिखित किए जाने के पश्चात् ही निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की बाबत अन्तिम आदेश करेगा।

7. निर्वाचन क्षेत्र का नाम और संख्या:—प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र उत्तरी दिशे में क्रमवार संख्या से जाना जाएगा और यदि व्यवहार्य हो तो उसे नाम भी दिया जाएगा।

8. पंचायत समिति के निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन:—(1) उपायुक्त या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी पंचायत समिति क्षेत्र को इतने एक सदस्य क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित करेगा, जितने सदस्यों की संख्या अधिनियम की धारा-78 की उप-धारा (3) के अधीन निर्धारित होनी, अपेक्षित है।

(2) पंचायत समिति के निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करते समय ग्राम पंचायत या निर्वाचन क्षेत्र एक इकाई होगा। निर्वाचन क्षेत्र, पंचायत समिति क्षेत्र के नक्शे से उत्तर से पूर्व की ओर से शुरू करते हुए और दक्षिण से पश्चिम की ओर समाप्त करते हुए दिखा जाएगा और पंचायत समिति के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र को पंचायत समिति के निर्वाचन क्षेत्र को क्रमवार संख्या और नाम दिया जाएगा। पंचायत समिति के निर्वाचन क्षेत्र में अधिकतम जनसंख्या वाली ग्राम सभा के नाम पर रखा जाएगा।

(3) प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की सीमाएँ सभी चारों दिशाओं में निम्नलिखित रूप से सीमांकित की जाएंगी:—

1. उत्तर में ..... द्वारा सीमाबद्ध
2. दक्षिण में ..... द्वारा सीमाबद्ध
3. पूर्व में ..... द्वारा सीमाबद्ध
4. पश्चिम में ..... द्वारा सीमाबद्ध

(4) उपायुक्त या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी समिति क्षेत्र को एक सदस्य निर्वाचन क्षेत्र में विभक्त करके निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के लिए प्रस्ताव प्रकाशित करवायेगा और उसमें प्रत्येक ऐसे निर्वाचन क्षेत्र की क्षेत्रीय सीमा भी दर्शित करेगा और इस प्रस्ताव को पंचायत समिति के कार्यालय में और पंचायत समिति क्षेत्र में आने वाली ग्राम पंचायतों के प्रत्येक कार्यालय में जन साधारण के निरीक्षण के लिए खुला रखेगा और ऐसे प्रस्ताव की एक-एक प्रति प्रत्येक ग्राम सभा क्षेत्र में दो सहृदय स्थानों पर चिपकाकर जन-साधारण के मातृ दिनों के भीतर आक्षेप आमन्त्रित करेगा।

(5) उपायुक्त या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी उप-नियम (3) के अधीन प्राप्त आक्षेप पर, यदि कोई हो, जांच करेगा और उन पर मातृ दिनों की अवधि के भीतर या सरकार द्वारा यथा नियत कम अवधि में विचार करेगा और ऐसे आक्षेपों के स्वीकार या अस्वीकार किए जाने के कारणों को संक्षिप्त रूप में अभिलिखित करने के पश्चात् निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के अन्तिम आदेश जारी करेगा।

(9) जिला परिषद के निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन:—(1) उपायुक्त, जिला परिषद क्षेत्र को उतने एक सदस्य निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित करेगा जितने सदस्यों की संख्या, अधिनियम की धारा 89 (2) के अधीन निर्वाचित होनी अपेक्षित है।

(2) जिला परिषद के निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करते समय, सभा क्षेत्र एक इकाई होगा। निर्वाचन क्षेत्र, जिला परिषद क्षेत्र के नक्शे से उत्तर से पूर्व की ओर शुरू करते हुए और दक्षिण से पश्चिम की ओर समाप्त करते हुए, परिमेयित किए जाएंगे और प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र को क्रमवार संख्या और नाम दिया जाएगा। निर्वाचन क्षेत्र का नाम उस निर्वाचन क्षेत्र में अधिकतम जनसंख्या वाली ग्राम सभा के नाम पर रखा जाएगा।

(3) प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की सीमाएं सभी चारों दिशाओं में निम्नलिखित रूप में परिभाषित की जाएगी:—

1. उत्तर में . . . . . द्वारा सीमाबद्ध
2. दक्षिण में . . . . . द्वारा सीमाबद्ध
3. पूर्व में . . . . . द्वारा सीमाबद्ध
4. पश्चिम में . . . . . द्वारा सीमाबद्ध

(4) उपायुक्त जिला परिषद् क्षेत्र को एक सदस्य निर्वाचन क्षेत्रों में विभक्त करके, निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के लिए प्रस्ताव प्रणित करवाएगा और उनमें प्रत्येक ऐसे निर्वाचन क्षेत्र की क्षेत्रीय सीमा भी दर्शित करेगा और इस प्रस्ताव को जिला परिषद् पंचायत समिति और जिला परिषद् क्षेत्र में आने वाली प्रत्येक ग्राम पंचायत के कार्यालयों में जन-साधारण के निरीक्षण के लिए खुला रखेगा और ऐसे प्रस्ताव की एक प्रति प्रत्येक ग्राम समा क्षेत्र में दो सहज दृश्य स्थानों पर चिपकाकर जन-साधारण से सात दिन के भीतर आक्षेप आमन्त्रित करेगा ।

(5) उपायुक्त उप-नियम (4) के अधीन प्राप्त आक्षेपों की यदि कोई हों, जांच करेगा और उन पर सात दिन की अवधि के भीतर विचार करेगा और ऐसे आक्षेपों के स्वीकार या अस्वीकार किए जाने के कारणों को संक्षिप्त रूप में अमिलिखित करने के पश्चात् निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के अन्तिम आदेश जारी करेगा ।

10. अपील:—उपायुक्त के आदेश से व्यथित कोई मतदाता दस दिन की अवधि के भीतर ऐसे आदेश के विरुद्ध मण्डलायुक्त के पास अपील दायर कर सकेगा और जो अपील कर्ता को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् 15 दिन की अवधि के भीतर इसे विनिश्चित करेगा और अपने आदेश की संसूचना उपायुक्त को देगा । मण्डलायुक्त द्वारा पारित आदेश अन्तिम होगा ।

11. अन्तिम प्रकाशन:—(1) समस्त आक्षेपों की सुनवाई और उनके अन्तिम निपटान पश्चात् या यदि कोई आक्षेप प्राप्त न हुए हों नियम 9 के अधीन किए गए परिसीमन को परिसीमन के प्रस्ताव की एक प्रति उपायुक्त, जिला परिषद्, पंचायत समिति और ग्राम पंचायतों के और ऐसे अन्य स्थानों पर जैसा कि उपायुक्त निश्चित करे चिपकाकर प्रारम्भिक प्रकाशन से तीस दिन की अवधि के भीतर अन्तिम रूप दिया जाएगा और उसी एक प्रति सरकार को भेजी जाएगी ।

(2) सरकार जिला परिषद्, पंचायत समिति और ग्राम पंचायत के प्रत्येक निर्वाचन से पूर्व निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन और निर्वाचन क्षेत्रों के आरक्षण और उनके चक्रानुक्रम को राजपत्र में अधिसूचित करेगी ।

(3) अन्तिम रूप से परिसीमित और आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की प्रतियां सम्बन्धित उपायुक्त और जिला परिषद्, पंचायत समिति और ग्राम पंचायत के कार्यालयों में निरीक्षण के लिए उपलब्ध होगी । कोई भी मतदाता परिसीमन और आरक्षण के आदेश की प्रति उपायुक्त या जिला परिषद्, पंचायत समिति और ग्राम पंचायत को पांच रुपये का संशय करके प्राप्त कर सकेगा और वह उसे तुरन्त प्रदत्त उपलब्ध कराई जाएगी ।

#### अध्याय-3

#### निर्वाचक नामावली

12. प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचक नामावली:—पंचायत के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक निर्वाचक नामावली होगी, जो जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग के अधीक्षण, निर्देशन और नियन्त्रण के अधीन नियम 13 से 24 में निश्चित रीति में तैयार की जाएगी :

परन्तु इस नियम में अन्तर्दिष्ट कोई भी बात इस नियमों के अधीन निर्वाचन 1 के लिए प्राक्कृत निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए विधान द्वारा निर्वाचन क्षेत्र की जानू निर्वाचन नामावली के किसी सम्बन्ध भाग के प्रयोग का निर्धारण नहीं करेगा :

परन्तु यह कि निर्वाचक नामावली का पुनरीक्षण व तैयारी यथा स्थिति तबों की जायेगी जब-जब राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्दिष्ट हो ।

13. निर्वाचक नामावली का तैयार किया जाना—(1) अब नियम 12 के अधीन निर्देश दिया गया है, जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) पंचायत के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए क्षेत्रीयों के अनुसार निर्वाचक नामावली तैयार करवायेगा ।

(2) निर्वाचक नामावली तैयारी लिए से इच्छा भाना में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा यथा निर्दिष्ट प्रकृति में तैयार की जायेगी ।

14. निर्वाचक नामावली में संशुद्धीकरण के लिए निर्देशता—कोई भी व्यक्ति निर्वाचक नामावली में संशुद्धीकरण के लिए निर्दिष्ट होगा यदि वह—

(क) भारत का नागरिक नहीं है, या

(ख) विज्ञप्त है और निर्वाचक नामावली द्वारा ऐसा धारा 12 के अधीन है, या

(ग) अष्ट आचरण सम्बन्धी विधि और पंचायत/महानगरपालिका/विधान सभा/जिला तथा निर्वाचक सम्बन्धी अन्य अधिनियमों के अन्तर्गत तत्काल के लिए निर्दिष्ट किया गया है, या

(घ) निर्वाचक क्षेत्र में आचारण निर्वाही नहीं है, या

(ङ) राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा यथा-स्थिति निर्वाचक नामावली को तैयार करने का पुनरीक्षण के लिए यथा अधिप्रेषित तरीक़ों को 18 वर्ष की आयु में कम है ।

15. निर्वाचक नामावली का प्रकृति प्रकाशक—(1) जैसे ही निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली तैयार हो जाती है, जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) उसको सूचना सज्जित प्रकृति—1 में प्रकाशित करेगा तथा उसकी प्रतिया जन-सामाजिक के निरीक्षण के लिए अपने कार्यालय द्वारा पंचायत, पंचायत समिति के कार्यालय में उपलब्ध करवायेगा ।

(2) जब नियम (1) के अधीन आरंभ करने की प्रकृति सूचना सज्जित तत्काल-प्रकार द्वारा जिसका क्षेत्र में धारा 12 के अधीन है आचारणवाणी तथा निर्वाचन क्षेत्रों में छोड़ी गइया भए तथा सूचना की प्रतियाँ जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) के कार्यालय और तत्काल पंचायत, पंचायत समिति जिला एडिशन के कार्यालयों में तथा एस अन्य उपलब्ध स्थानों पर उपलब्धता पर जहाँ जन आचारण या निर्वाचक आचारण हो, वेसा । सूचना में वह तरीक़, जिस तरीक़ तत्काल आचारण तथा दावे प्रस्तुत किये जा सकें और जिस प्रक्रिया में या प्रक्रिया प्रक्रिया को प्रस्तुत किया जा सके, दर्शाते जाय ।

16. दावे और आचारण दावे पर न के अधीन—निर्वाचक नामावली में नाम संशुद्धित करने के लिए दावा और की गई प्रमाणित की बाधक प्रत्येक आचारण नियम-18 के अधीन प्रकृति निर्वाचक नामावली के प्रकाशित किए जाने की तरीक़ों में दावा सित की अवधि, या सभी अवधि को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा इस निर्वाचन नियम की भाँति, के समान दावा किया जाय ।

17. पुनरीक्षण प्राधिकारी की नियुक्ति.—जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) निवर्चित मत या निर्वाचन मतों की निर्वाचक नामावली सम्बन्धी दावा और आक्षेपों की सुनवाई को प्रयोग करने एक या एक से अधिक पुनरीक्षण प्राधिकारी/प्राधिकारियों की नियुक्ति कर सकेगा ।

18. दावों और आक्षेपों को दायित्व करने की रीति.—(1) कोई दावा या आक्षेप नियम-18 में निर्दिष्ट सूचना में, निर्वाचक पुनरीक्षण अधिकारी को सम्बोधित किया जाएगा और व्यक्तिगत रूप में उसे प्रस्तुत किया जाएगा या राजपत्र द्वारा द्वारा जारी किया जाएगा । नामों को सम्मिलित करने के लिए प्रत्येक दावा, नाम सम्मिलित करने के लिए आक्षेप या किसी प्रविष्टि में निर्दिष्टों की बाबत आक्षेप नियम-2, 3 व 4 में किया जाएगा ।

(2) निर्वाचक नामावली में दूजे करवाने के लिए दावा नाम दूजे करवाने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित तथा उसे व्यक्ति द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाएगा जिसका नाम पहिल ही उस निर्वाचक नामावली में दूजे हो, जिस निर्वाचक नामावली में दावेदार अपने नाम दूजे करवाना चाहता है । यह दावा यदि डाक द्वारा न भेजा गया हो तो निर्वाचक लिखित रूप में उसे द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा ।

(3) कोई भी व्यक्ति निर्वाचक नामावली में किसी नाम का दूजे करवाने के बिना तब तक आक्षेप नहीं करेगा जब तक उसका नाम उस निर्वाचक नामावली में पहले ही दूजे हो ।

(4) पुनरीक्षण प्राधिकारी दावों के लिए प्राप्ति-5 नियम नाम को सम्मिलित करने के विषय में आक्षेप के लिए, प्राप्ति-6 तथा प्राप्ति-7 में किसी प्रविष्टि की बाबत आक्षेप के लिए राजपत्र तैयार करेगा और अपने तब; स्थिति प्राप्त प्रत्येक दावों का समय या दावों या आक्षेपों की निर्दिष्टों दूजे करवायेगा ।

(5) कोई भी दावा या आक्षेप जो विहित अवधि या निर्दिष्ट रीति के अनुसार नहीं किया जाएगा या के अनुसार नहीं किया गया हो सम्बन्धित कर दिया जाएगा तथा भीषण यथास्थिति प्राप्ति-5, 6 या 7 में तैयार किया गए राजपत्र में सम्मिलित किया जाएगा ।

19. दावों और आक्षेपों की सूचना—(1) जहाँ कोई दावा या आक्षेप नियम-18 के उप-नियम (5) के अधीन प्रस्तुत नहीं किया गया हो वहाँ पुनरीक्षण अधिकारी, दावों तथा आक्षेप प्रस्तुत करने की विहित अवधि समाप्त हो जाने पर, यथास्थिति सामंजस्यपूर्ण, पंचायत समिति और जिला परिषद् के कार्यालय के सूचना दफ्तर सभी दावों तथा आक्षेपों की सूचि प्राप्ति-8, 9 और 10 में प्रकाशित करेगा ।

(2) नाम को सम्मिलित करने या किसी प्रविष्टि में विलियम निर्दिष्टों को ठीक करने की बाबत प्रत्येक दावेदार/आक्षेपकर्ता को प्राप्ति-11, 12 और 14 में ऐसे दावों या आक्षेपों की सुनवाई के स्थान, तारीख और समय की सूचना दी जायेगी और यथास्थिति ऐसा आक्षेप प्रस्तुत करने के लिए कहा जायेगा जैसा वह प्रस्तुत करता चाहे ।

(3) उसे व्यक्ति को भी जिसके विरुद्ध निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित करने या दूजे करने के सम्बन्ध में पुनरीक्षण अधिकारी के पास आक्षेप प्राप्त हुआ है आक्षेप की सुनवाई के लिए नियत स्थान, तारीख और समय की सूचना उसके तबतलम उपलब्ध पते पर प्राप्ति-13 में दी जायेगी अपने बचाव में जो भी समय वह प्रस्तुत करना चाहे उसे प्रस्तुत करने को कहा जायेगा ।

20. दावों तथा आक्षेपों का निपटारा—(1) पुनरीक्षण प्राधिकारी नियम-19 के उपबन्धों के अधीन नियत तारीख स्थान और समय पर इन नियमों के उपबन्धों के अधीन दावा तथा आक्षेपों की सुनवाई करेगा और निर्वाचक करेगा और यथास्थिति अपने निर्दिष्टों का 5, 6 और 7 में राजपत्र में सम्मिलित करेगा ।

(2) पुनःरीक्षण प्राधिकारी के आदेश की प्रति आक्षेप वर्ता या दावेदार के मांगे जाने पर नकद दो रुपये का संवत करने पर रसीद के लिए तुरन्त दी जाएगी।

उप-नियम (1) के उपबन्धों के अधीन पारित आदेशों से व्यथित कोई के लिए तुरन्त दी जायेगी।

(3) उप-नियम (1) के उपबन्धों के अधीन पारित आदेश से व्यथित कोई भी व्यक्ति इस आदेश की तारीख से सात दिन के भीतर निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) के पास अपील कर सकेगा जो जहाँ तक व्यवहार्य हो उसकी पुष्टि करके या उसे आपस्त करके या देवा या आक्षेप की बावत अन्य ऐसा आदेश पारित करके जैसा कि वह उचित समझे एक सप्ताह के भीतर विनिश्चय करेगा।

(4) यदि जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) को ऐसा प्रतीत हो कि निर्वाचक नामावली की तैयारी के दौरान भूल अथवा गलती से मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज करने से छुट गए हैं अथवा ऐसे व्यक्तियों के नाम जो या तो मर चुके हैं या जो अब नहीं रहे हैं या निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य निवासी नहीं हैं; निर्वाचक नामावली में सम्मिलित कर दिये गये हैं और यदि इस विषय में इस उप-नियम के अन्तर्गत उपचारी कार्रवाई की जानी चाहिए तो जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत):—

(क) ऐसे मतदाताओं के नाम व अन्य विशिष्टियों की सूची तैयार करेगा।

(ख) अपने कार्यालय के सूचना पट पर और ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद् को कार्यालयों के सूचना पट पर, सूची की एक प्रति सूचना सहित जिसमें निर्वाचक नामावली में सम्मिलित नामों में दर्ज किये जाने व हटाये जाने के प्रश्न पर विचार किये जाने की निर्धारित तारीख व स्थान की सूचना होगी, प्रदर्शित करेगा, और

(ग) प्रत्येक आक्षेप पर जो लिखित अथवा मौखिक रूप में प्रस्तुत किया गया हो, विचार करने के पश्चात् यह विनिश्चय करेगा क्या सभी नामों को उनमें से कुछ नामों को निर्वाचक नामावली में दर्ज किया या हटाया जाये।

21. निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन:—(1) पुनःरीक्षण प्राधिकारी जैसे ही उसको प्रस्तुत किये गये समस्त दावों या आक्षेपों का निपटान कर देता है, तो वह उन्हें रजिस्टर सहित और उन पर पारित आदेशों सहित जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) को अर्पित करेगा, जो ऐसे आदेशों का नियम 20 के उप-नियम (3) के अधीन की गई अपील पर पारित आदेशों के अनुसार जैसे भी स्थिति हो निर्वाचक नामावली को ठीक करवायेगा और ऐसी ठीक की गई निर्वाचक नामावली को प्रकाशित करवायेगा या यदि वह उचित समझे परिवर्धन/भाजित और उक्त आदेश के अनुसार या नियम 20 (4) के अधीन उसके विनिश्चय के अनुसार की गई शुद्धियों की सूची सहित निर्वाचक नामावली को पूरा प्रति तैयार करके उसे निरीक्षण के लिए उपलब्ध करवायेगा और इसकी सूचना प्राख्य-15 में अपने कार्यालय, ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद् के कार्यालय में भी प्रदर्शित करेगा।

(2) ऐसे प्रकाशन पर संशोधनों से सहित या रहित निर्वाचक नामावली निर्वाचन क्षेत्र की नामावली होगी और उप-नियम (1) के अधीन यह प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगी।

22. निर्वाचक नामावली का विशेष पुनःनिरीक्षण :—नियम 21 के उप-नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी राज्य निर्वाचन आयोग, कारणों को अमिलिखित करके किसी भी समय, किसी निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली को ऐसी रीति में विशेष पुनःरीक्षण के निर्देश दे सकेगा जैसा वह उचित समझे।

परन्तु इन नियमों के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए ऐसे जारी किये गये निर्देशों के समय निर्वाचन क्षेत्र में यथा प्रवृत्त निर्वाचन नामावली तब तक प्रवृत्त रहेगी जब तक कि ऐसा निर्दिष्ट विशेष पुनः निरीक्षण पूर्ण न हो जाये।



23. निर्वाचक नामावली में प्रविष्टियों का ठीक करना.—यदि जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) को उक्त प्राप्प-4 या 16 में आवेदन करने पर या स्वप्रणाली में ऐसी जांच पड़ाल करने पर जैसा वह उचित समझे यह समाधान हो जाता है कि निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में कोई प्रविष्टि:—

(क) किसी प्रविष्टि में गलत या त्रुटिपूर्ण है ;

(ख) इस आधार पर कि सम्बन्धित व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है या वह साधारणतया निवासी नहीं है या अन्यथा निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत किये जाने का हकदार नहीं है, लॉप किया जाना चाहिए, प्रविष्टि का संशोधन या लॉप करेगा :

परन्तु खण्ड (क) या खण्ड (ख) के अधीन कोई कार्रवाई करने से पूर्व, कि सम्बन्धित व्यक्ति साधारणतया निवासी नहीं है या अन्यथा वह निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत किये जाने का हकदार नहीं है, जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) सम्बन्धित व्यक्ति को उसके विरुद्ध की जाने वाली प्रस्तावित कार्रवाई के बारे में सुनवाई का मुक्ति युक्त अवसर प्रदान करेगा :

परन्तु यह और कि नियम 30 के अधीन निर्वाचन कार्यक्रम प्रारम्भित हो जाने के पश्चात्, किसी भी समय नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने के लिए निम्नलिखित तारीख से तीन दिन पूर्व तक इन नियम के अन्तर्गत आवेदन जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) को दिया जायेगा ।

24. अन्तिम रूप में प्रारम्भित सूची में नामों को सम्मिलित करना—(1) कोई व्यक्ति जिस का नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित नहीं है नामावली में अपना नाम सम्मिलित करवाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) को प्राप्प 2 में (अप्रतिष्ठा) आवेदन करेगा और ऐसे आवेदन के साथ दो रुपये नगद संदत्त करके रसीद संलग्न की जायेगी ।

(2) जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) उप-नियम (1) के अधीन आवेदन की प्रति के तुरन्त पश्चात् यह निर्देश करेगा कि उसकी एक प्रति सूचना सहित उसके कार्यालय में सहृदय स्थान पर चिपवाई जाये और आक्षेप इनके विचारण करने की तारीख से चार दिन के भीतर भेजे जाये ।

(3) जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) यथा शक्त शीघ्र उप-नियम (2) के अधीन सूचना में निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पश्चात् यथा शक्त शीघ्र आक्षेप पर विचार करेगा, यदि कोई उल्लेख प्राप्त हुए हैं और यदि उसका समाधान हो जाता है कि आवेदन निर्वाचक नामावली में दर्ज करवाने का हकदार है तो वह तदनुसार ऐसे नाम को उस में सम्मिलित करने का निर्देश देगा :

परन्तु आवेदन जिसका नाम सम्मिलित करने का आदेश दिया गया है, पहले ही किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में दर्ज हो तो उसका नाम निर्वाचन नामावली से काट दिया जायेगा ।

(4) जब उप-नियम (1) के अधीन दिया गया आवेदन अस्वीकृत कर दिया जाता है तो आवेदन को अस्वीकृत किये जाने की तारीख से दाखिल की भीतर नाम सम्मिलित करने के लिये अपील, राज्य निर्वाचन आयोग को की जायेगी और अपील में उसका विनिश्चय अन्तिम होगा ।

(5) उप-नियम (4) के अधीन प्रत्येक अपील के साथ 20/- रुपये नगद संदत्त फीस की रसीद संलग्न की जायेगी ।

25. निर्वाचक नामावली और उसके सम्बन्धित मागजात की आम रक्षा और प्रविवरण—(1) निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचक नामावली अन्तिम रूप से प्रारम्भित होने के पश्चात् निम्नलिखित मामलों, जिला

निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) के कार्यालय या राज्य निर्वाचन आयोग के आदेश द्वारा निर्दिष्ट किसी अन्य स्थान पर तब तक रखी जायेगी जब तक उक्त निर्वाचन की नामावली प्रवृत्त रहेगी :—

- (क) निर्वाचक नामावली की पूर्ण अतिरिक्त प्रतियां ;
- (ख) नियम 20 के अधीन दावों तथा आक्षेपों और आदेशों से सम्बन्धित कागजात ;
- (ग) आवेदन और नियम 23 और 24 के अधीन उन पर दिये गये विनिश्चय ।
- (घ) नियम 26 (4) के अन्तर्गत अपील सम्बन्धी कागजात ;
- (ङ) हस्तलिपियों और प्रगणना अभिलेखों द्वारा तैयार किये तथा निर्वाचक नामावली का संकलन करने के लिए प्रयुक्त अन्य कागजात ।

(2) निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन नामावली की एक पूर्ण प्रति जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) द्वारा सम्यक् रूप से अधिप्रमाणित करके इसके अन्तिम प्रकाशन की तारीख से 6 वर्ष की अवधि तक यदि, अन्यथा निर्देशित न हो, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्दिष्ट स्थान पर रखी जायेगी ।

26. निर्वाचक नामावली और सम्बन्धित कागजात का निरीक्षण.—प्रत्येक व्यक्ति को नियम 25 के अधीन निर्दिष्ट निर्वाचक नामावली का निरीक्षण करने और प्रतिपृष्ठ या पृष्ठ के किसी भाग के लिये 5/-रुपये के न.द.सद नकद शुल्क की रसीद पर अनुप्रमाणित प्रति प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त होगा ।

27. निर्वाचक नामावली और उससे सम्बन्धित कागजात का निपटारा:—नियम 25 में निर्दिष्ट कागजात का उक्त निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पश्चात् ऐसी रीति में निपटारा किया जायेगा जैसा कि राज्य निर्वाचन आयोग आदेश दें ।

#### अध्याय-4

#### पंचायतों में स्थानों का आरक्षण

28. पंचायतों में स्थानों का आरक्षण.—(1) पंचायतों के प्रत्येक निर्वाचन से पूर्व आयुक्त या इस निमित्त उनके द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी अधिनियम की धारा 8, 78 और 89 के उपबन्धों के अनुसार पंचायत क्षेत्र में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के लिये निर्वाचन क्षेत्र आरक्षित करेगा और उनका चक्रानुक्रम अवधारित करेगा ।

(2) प्रत्येक पंचायत में जनसंख्या के आधार पर वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या अवधारित की जायेगी और आरक्षण करने के प्रयोजनार्थ कुल जनसंख्या के सम्बन्ध में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की प्रतिशतता तैयार की जायेगी ।

(3) प्रत्येक पंचायत में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिये पंचायत क्षेत्र में उनकी जनसंख्या के अनुपात में निर्वाचन क्षेत्र/निर्वाचन क्षेत्रों को आरक्षित किया जायेगा और वह निर्वाचन क्षेत्र जिसमें अनुसूचित जाति के लोगों की जनसंख्या की प्रतिशतता सबसे अधिक हो, अनुसूचित जाति के सदस्यों के लिये आरक्षित किया जायेगा और निर्वाचन क्षेत्र जिसमें अनुसूचित जन जाति के लोगों की जनसंख्या की प्रतिशतता सबसे अधिक हो, अनुसूचित जन-जाति के लिये आरक्षित किया जाएगा ।

(4) यदि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति के सदस्यों के लिये आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या एक से अधिक हो तो वह अगला निर्वाचन क्षेत्र जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति की प्रतिशतता सबसे अधिक हो यथा स्थिति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति के सदस्यों के लिये इसी प्रकार आरक्षित किया जायेगा :

परन्तु यदि पंचायत क्षेत्रों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति की जनसंख्या का प्रतिशत सम्पूर्ण जनसंख्या के पांच प्रतिशत से कम हो तो निर्वाचन क्षेत्र आरक्षित नहीं होगा।

(5) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति के सदस्यों के लिये आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में से निर्वाचन क्षेत्र का एक तिहाई यथा स्थिति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित महिला सदस्यों के लिये आरक्षित होगा और निर्वाचन क्षेत्र, जिनमें यथा स्थिति, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति से सम्बन्धित महिलाओं की पंचायत क्षेत्र में जनसंख्या अधिक हो ऐसी महिलाओं के लिये आरक्षित होगा।

(6) यदि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति यथा स्थिति से सम्बन्धित महिलाओं के लिये आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या एक से अधिक हो, तो यथा स्थिति अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति से सम्बन्धित महिलाओं की अगली अधिकतम प्रतिशतता वाला चुनाव क्षेत्र ऐसी महिलाओं के लिये आरक्षित होगा और इसी प्रकार क्रम चलता रहेगा।

(7) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जाति जिनमें (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति से सम्बन्धित महिलाएँ भी सम्मिलित हैं) के लिये आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों को छोड़कर सारे निर्वाचन क्षेत्रों में से एक तिहाई निर्वाचन क्षेत्र महिलाओं के लिये आरक्षित होगा और ऐसा निर्वाचन क्षेत्र जिनमें महिलाओं की संख्या अधिकतम है, ऐसी महिलाओं के लिये आरक्षित होगा और यदि महिलाओं के लिये आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या एक से अधिक हो तो ऐसा अगला निर्वाचन क्षेत्र जिसमें महिलाओं की संख्या की प्रतिशतता अधिकतम है, सामान्य महिलाओं के लिये आरक्षित होगा और इसी प्रकार क्रम चलता रहेगा।

(8) जनसंख्या के प्रतिशतता के आधार पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति से सम्बन्धित महिलाओं और सामान्य प्रवर्ग से सम्बन्धित महिलाओं के लिये निर्वाचन क्षेत्रों का आरक्षण पहले निर्वाचन की तारीख से प्रत्येक पांच वर्ष के पश्चात् चक्रानुसार में जारी रहेगा। अगले निर्वाचन क्षेत्र के समय आगामी अधिकतम प्रतिशत की जनसंख्या वाले निर्वाचन क्षेत्र/निर्वाचन क्षेत्रों को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति से सम्बन्धित महिलाएँ और सामान्य प्रवर्ग से सम्बन्धित महिलाएँ भी सम्मिलित हों और पहले वाला आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र सामान्य क्षेत्रों के लिये अनारक्षित रखा जायेगा) आरक्षित होंगे और पश्चात्वर्ती निर्वाचन क्षेत्रों के लिये यही क्रम चलता रहेगा।

परन्तु किसी विशिष्ट प्रवर्ग के लिये आरक्षित किसी निर्वाचन क्षेत्र की तब तक पुनरावृत्ति नहीं होगी, जब तक कि सभी अन्य निर्वाचन क्षेत्र चक्रानुक्रम द्वारा इस परिधि में नहीं आ जाते।

(9) इस निशम के अन्तर्गत किये गये आरक्षण को उपायुक्त द्वारा अन्तिम रूप दिया जायेगा और उसके द्वारा ऐसे आरक्षण के आदेश की प्रति अपने कार्यालय और जिना परिषद्, पंचायत समिति और ग्राम पंचायत के सूचना पटों पर लगाकर विस्तृत रूप से दिया जायेगा और वह ऐसे आदेशों की एक प्रति सरार को राजपत्र में प्रकाशन के लिए भेजेगा और वह अधिसूचना निर्वाचन क्षेत्रों के आरक्षण के लिए निश्चायक सबूत होगी।

29. राज्य निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट:—सरकार राज्य निर्वाचन आयोग को तुरन्त उपायुक्त या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा किये गये अन्तिम परिसीमन और आरक्षण आदेश की एक प्रति परिदत्त करवायेगी।

## प्रध्याय-5

## निर्वाचन या संचालन

30. रिटनिंग आफिसर और सहायक रिटनिंग आफिसर की नियुक्ति:—जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) या इन प्रयोजन के लिए, लिखित रूप में उस द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी, पंचायतों के निर्वाचन के संचालन के लिए एक या अधिक रिटनिंग आफिसर नियुक्त करेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) या उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी एक या अधिक सहायक रिटनिंग आफिसर भी नियुक्त करेगा जो रिटनिंग आफिसर को, निर्वाचन के सम्बन्ध में उसके कर्तव्यों के निर्वहन में, सहायता करेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) या रिटनिंग आफिसर, सहायक रिटनिंग आफिसर को रिटनिंग आफिसर के किन्हीं कृत्यों को सौंप सकेगा और इन कृत्यों के निर्वहन में सहायक रिटनिंग आफिसर, रिटनिंग आफिसर की शक्तियों का प्रयोग करेगा।

परन्तु इस नियम की कोई भी बात भी उसी व्यक्ति को एक से अधिक पंचायतों के लिए रिटनिंग/सहायक रिटनिंग आफिसर के रूप में नियुक्त करने से निवारित नहीं करेगा।

परन्तु यह और भी इस नियम की कोई भी बात रिटनिंग आफिसर/सहायक रिटनिंग आफिसर को मतदान संचालन के लिए पीठासीन अधिकारी के कार्य करने में निवारित नहीं करेगी।

31. पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी और मतदान कर्मचारी (गणों) की नियुक्ति:—(1) रिटनिंग आफिसर, पंचायत के प्रत्येक चुनाव के लिए, प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिए एक पीठासीन अधिकारी और अपेक्षित संख्या में मतदान अधिकारी नियुक्त करेगा।

(2) जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) उतने मतदान कर्मचारी (गणों) की नियुक्ति भी करेगा जो पंचायतों के निर्वाचन चलाने के लिए आवश्यक होंगे।

32. निर्वाचन कार्यक्रम:—(1) राज्य निर्वाचन आयोग पंचायतों के यथास्थिति ग्राम निर्वाचन, उप निर्वाचन के लिए कार्यक्रम तैयार करेगा जिसे उसके पश्चात् “निर्वाचन कार्यक्रम” कहा गया है;

(2) निर्वाचन कार्यक्रम में वे तारीख/तारीखें, विनिर्दिष्ट होंगी जिनके भीतर जिन तक:—

1. नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे,
2. नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी,
3. अभ्यर्थी अपनी अभ्यर्थिता वापिस ले सकेगा।
4. निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची चिपलाई जाएगी।
5. मतदान केन्द्रों की सूची चिपलाई जाएगी,
6. मतदान यदि आवश्यक हो \_\_\_\_\_ बजे पूर्वाह्न से \_\_\_\_\_  
अपराह्न (मतदान का समय 8 घण्टे से कम नहीं होगा)।
7. मतदान की स्थिति में जो समय और स्थान इस प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट किया जाएगा (मतगणना) की जाएगी, और;
8. निर्वाचन की घोषणा की जाएगी।

(3) निर्वाचन कार्यक्रम:—नामांकन पत्र के दायर करने से दस दिन पूर्व जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) और पंचायतों के कार्यालय में और जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) द्वारा यथा अवसरान्वित पंचायत क्षेत्र क सहज दृश्य स्थान पर चिपका कर प्रकाशित किया जाएगा।

(4) नाम निर्देशन पत्र दायर करने की अवधि तीन दिन होगी तथा संवीक्षा की तारीख नाम निर्देशन पत्र दायर करने की अन्तिम तारीख से अगले दिन होगी। संवीक्षा की तारीख से तीसरे दिन तक अभ्यर्थिताएँ वापिस ली जा सकेंगी। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची लगाने की तारीख वही होगी जो अभ्यर्थिता वापिस लेने के लिए नियत की गई है। मतदान केन्द्रों की सूची अभ्यर्थिता वापिस लेने की तारीख ठीक पूर्व प्रकाशित की जाएगी। अभ्यर्थिता वापिस लेने की तारीख और मतदान की तारीख के बीच 10 दिन का अन्तर होगा और मतदान अधिमानतः रविवार या अन्य राजपवित्र अक्वाश के दिन होगा परन्तु नामांकन पत्र या वापिस लेने का आवेदन, लोक अक्वाश के दिन नहीं दिया जाएगा।

(5) राज्य निर्वाचन आयोग या जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) यदि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकृत हो, किसी भी समय आदेश द्वारा कार्यक्रम को संशोधित, परिवर्तित और फेरफारित कर सकेगा:

परन्तु जब तक, राज्य निर्वाचन आयोग अथवा निर्देश नहीं देती, ऐसे किसी आदेश को तारीख से पूर्व की गई कोई कार्यवाही ऐसे आदेश से अविधिमान्य नहीं समझी जाएगी।

33. निर्वाचन की सूचना.—जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत), नियम 32 के अधीन जारी किए गए कार्यक्रम की तारीख को प्ररूप 17 में सूचना अपने कार्यालय या पंचायत के कार्यालय में, और ऐसे अन्य स्थान पर जैसा जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) या उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी, निर्दिष्ट करेगा; :-

- (क) निर्वाचन के लिए अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र अमन्त्रित करने;
- (ख) तारीख समय और स्थान नियत करने जहाँ और जब नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे;
- (ग) प्राधिकारी विनिर्दिष्ट करने जिसको नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे;
- (घ) अभ्यर्थियों के नामांकन पत्रों की संवीक्षा के लिए तारीख, समय और स्थान नियत करने;
- (ङ) अभ्यर्थिता वापिस लेने की सूचना की प्राप्ति के लिए तारीख, समय, स्थान और प्राधिकारी नियत करना;
- (च) निर्वाचन प्रतीक के आवंटन के लिए तारीख, समय और स्थान नियत करना; और
- (छ) मतदान की तारीख और समय नियत करने यदि आवश्यक हों।

स्पष्टीकरण:- खण्ड (ख) (घ) (ङ) और (छ) के अन्तर्गत नियत तारीख वही होगी जो नियम 32 के अधीन विनिर्दिष्ट है।

34. प्रतीकों की अधिसूचना.—राज्य निर्वाचन आयोग निर्वाचन में आवंटन के लिए प्रतीकों को राजपत्र में अधिसूचित करेगा।

35. अभ्यर्थियों का नामांकन.—(1) किसी भी व्यक्ति को किसी स्थान/पद के लिए अभ्यर्थियों के रूप में नामांकित करने के लिए प्रस्तावित किया जा सकेगा यदि वह अधिनियम की धारा 122 के उपबन्धों के अधीन उस स्थान/पद के लिए निर्वाचित होने के लिए निहर्तित नहीं हो।

(2) उप नियम (1) के अधीन प्रस्तुत प्रत्येक नामांकन पत्र प्ररूप 18 में होगा।

(3) नामांकन पत्र रिटनिंग अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, किसी भी मतदाता को मांगने पर दिया जाएगा।

36. नामांकन पत्र का प्रस्तुतीकरण.—प्रत्येक अभ्यर्थी नियम 33 के अधीन नामांकन पत्रों को प्रस्तुत किए जाने के लिए नियत तारीख को उप निमित्त विनिर्दिष्ट समय और स्थान पर या तो व्यक्तिगत रूप

में या अपने प्रस्तावक के माध्यम से, अभ्यर्थी और निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता द्वारा प्रस्तावक के रूप में सम्पन्न रूप से भरे गए और हस्ताक्षरित नामांकन पत्र को रिटनिंग अधिकारी को या उस द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति को परिदत्त करेगा :

परन्तु यह कि एक ही निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी द्वारा या उसकी ओर से चार से अधिक नामांकन पत्र प्रस्तुत नहीं किए जाएंगे या स्वीकार नहीं किए जाएंगे :

परन्तु यह और कि कोई भी व्यक्ति जो अधिनियम के अधीन मतदाता के रूप में किसी निर्द्वैतता के अधीन है किसी नामांकन पत्र को प्रस्थापक के रूप में हस्ताक्षरित करने का पाव नहीं होगा :

परन्तु यह और कि अपना नामांकन पत्र दायर करने वाला प्रत्येक अभ्यर्थी, रिटनिंग अधिकारी या राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी के समक्ष भारत के संविधान के प्रति प्ररूप-19 में प्रतिज्ञान और निष्ठा की शपथ लेगा और इसे अपने नामांकन पत्र के साथ संलग्न करेगा।

स्पष्टीकरण.—इन नियमों के प्रयोजन के लिए किसी व्यक्ति द्वारा जो अपना नाम लिखने में असमर्थ है लिखित या अन्य कोई कागजात पत्र हस्ताक्षरित समझा जाएगा यदि उसने रिटनिंग अधिकारी की उपस्थिति में ऐसी लिखित या कागज पत्र पर अपना निशान अंगुठा लगाया है। ऐसा अधिकारी उसकी पहचान के बारे में अपना समाधान करके, निशान-अंगुठा को अनुप्रमाणित करेगा।

37. प्रतिभूति निक्षेप.—अभ्यर्थी निर्वाचन के लिए तब तक नाम निर्दिष्ट नहीं समझा जाएगा जब तक वह रिटनिंग अधिकारी के पास निम्नलिखित के लिए निक्षेप के रूप में नन्द रसीद के बिरुद्ध जमा नहीं करता या करवाता है :—

- (क) किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से ग्राम पंचायत के सदस्य की दशा में सौ रुपये और जहां अभ्यर्थी महिला है या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति या पिछड़े वर्गों का सदस्य है, पचास रुपये ;
- (ख) ग्राम पंचायत के प्रधान या उपप्रधान की दशा में एक सौ पचास रुपये और जहां अभ्यर्थी महिला है या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या पिछड़े वर्गों का सदस्य है, पचहत्तर रुपये,
- (ग) पंचायत समिति के सदस्य की दशा में एक सौ पचास रुपये जहां अभ्यर्थी महिला है या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या पिछड़े वर्गों का सदस्य है पचहत्तर रुपये ;
- (घ) जिला परिषद की दशा में दो सौ रुपये और जहां अभ्यर्थी महिला है या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति या पिछड़े वर्गों का सदस्य है एक सौ रुपये।

परन्तु जहां अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता किसी एक स्थान/पद के लिए एक से अधिक नाम निर्देशन पत्र द्वारा प्रस्तावित की गई है, तो इस नियम के अधीन एक से अधिक प्रतिभूति निक्षेप की आवश्यकता नहीं होगी।

38. नामांकनों की सूचना.—रिटनिंग अधिकारी नियम 335 के उप नियम (2) के अधीन नामांकन पत्र प्राप्त करने पर नामांकन पत्रों पर इसकी क्रम संख्या लिखेगा और उस पर उस तारीख व समय का कथन करेगा होगा जिसकी उसे नामांकन पत्र परिदत्त किया गया था एक प्रमाण-पत्र हस्ताक्षरित करेगा और प्ररूप 20 में नामांकन पत्र, जिसमें अभ्यर्थी और प्रस्थापक को नामांकन पत्र में अन्तर्विष्ट विवरण के सम्मुख अन्तर्विष्ट हो, अपने और संबंधित पंचायत के कार्यालय में किसी सहज दुष्ट स्थान पर चिप लाया जाएगा।

39. नामांकन पत्रों की संवीक्षा.—(1) नियम 33 के अधीन नामांकन पत्रों की संवीक्षा के लिए नियत तारीख को अभ्यर्थी और प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा लिखित रूप से प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपस्थित रह सकते हैं परन्तु कोई अन्य व्यक्ति नहीं है और रिटनिंग अधिकारी उन्हें सभी अभ्यासों के उन नामांकन पत्रों का परीक्षण करने के लिए युक्ति-युक्त मुविद्याणं उपलब्ध करेगा जो नियम 35 में अधिकृत रीति और समय के भीतर पंक्ति लिये गये हों।

(2) रिटनिंग अधिकारी नामांकन पत्रों का परीक्षण करेगा और किसी नामांकन पर किये गये सभी आरोपों को विनिश्चित करेगा और या तो ऐसे आक्षेप पर या स्प्रेरण से ऐसी जांच के पश्चात् यदि कोई हो, जैसी वह आवश्यक समझे किसी नामांकन पत्र को निम्नलिखित में से किसी एक आधार पर रद्द कर सकेगा, अर्थात्:—

(क) नामांकन पत्रों की संवीक्षा के लिए नियत तारीख को अभ्यर्थी आहित नहीं है या इन नियमों या अधिनियम या तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के उपबन्धों के अधीन न्याय के लिए निर्वाचित किए जाने के लिए निरहित, या

(ख) नियम 35 या नियम 36 के किन्हीं उपबन्धों की अनुपालना न की गई हों, या

(ग) नामांकन पत्र पर अभ्यर्थी या प्रत्याप (क) के हस्ताक्षर अवली नहीं हैं;

(3) उप-नियम (2) के खण्ड (ख) या खण्ड (ग) में अन्तर्विष्ट कोई बात नामांकन पत्र की बाबत किसी अनियमितता के आधार पर किसी अभ्यर्थी के नामांकन पत्र को रद्द करने का प्राधिकार देने वाली नहीं समझी जाएगी, यदि अभ्यर्थी, दूसरे नामांकन पत्र जिसमें कोई त्रुटि नहीं है द्वारा नामांकित हो गया हो।

(4) रिटनिंग अधिकारी किसी नामांकन पत्र को ऐसी त्रुटि के आधार पर रद्द नहीं करेगा जो कि सखान स्वरूप की नहीं है।

(5) रिटनिंग अधिकारी नियम 33 के खण्ड (घ) के अधीन इस निमित्त नियत तारीख और समय पर संवीक्षा करेगा कार्यवाहियों के स्थापन की अनुमति वही देगा सिवाये इसके जब ऐसी कार्यवाहियां दंगी, खुली हिंसा या नियन्त्रण से बाहर कारणों के कारण वन्धित या वांछित हुई हों;

परन्तु यदि रिटनिंग अधिकारी या अभ्यर्थी द्वारा या अभ्यर्थी द्वारा लिखित रूप से समय स्वरूप में प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा किये गये आरोप की दशा में सम्बन्धित अभ्यर्थी को इसका खण्डन करने के लिए समय दिया जाएगा और रिटनिंग अधिकारी उस तारीख को अपना विनिश्चय अभिलिखित करेगा जिसकी कार्यवाहियां स्थगित की गई हो।

(6) रिटनिंग अधिकारी प्रत्येक नामांकन पत्र पर उसकी स्वीकृत और रद्द करने का अपना विनिश्चय अभिलिखित करेगा और यदि नामांकन पत्र रद्द कर दिया जाता हो तो वह ऐसे रद्दकरण के कारणों का संक्षिप्त विवरण लिखित रूप में अभिलिखित करेगा।

(7) इस नियम के प्रयोजन के लिए निर्वाचन क्षेत्र की तत्समय प्रवृत्त निर्वाचक नामावली में परिषिष्ट को ही इस तथ्य के लिए निश्चयक साक्ष्य माना जायेगा कि उस परिषिष्ट में निदिष्ट व्यक्ति उसके निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता है।

(8) रिटनिंग अधिकारी सभी नामांकन पत्रों की संवीक्षा होने और उन्हें स्वीकृत और रद्द करने वाले विनिश्चयों के अभिलिखित होने के तुरन्त पश्चात् प्ररूप 21 में विधिमाम्य रूप से नामांकित अभ्यर्थियों अर्थात् अभ्यर्थी जिनके नामांकन विधिमाम्य पाए गए हैं, की एक सूची तैयार करेगा और रिटनिंग अधिकारी और पंचायतों के कार्यालयों में सूचनापट पर चिपकाएगा।

40. अभ्यर्थिता वापिस लेना.—(1) कोई भी अभ्यर्थी प्ररूप 22 में लिखित सूचना द्वारा, जो उसके द्वारा हस्ताक्षरित हो और रिटनिंग अधिकारी को या नियम 33 के खण्ड (ड) के अधीन इस निमित्त अधिष्ठात प्रधिकारी को पंदिस्त किया गया हो, नियम 31 के खण्ड (ड) के अधीन विनिश्चित तारीख को 3 बजे अपराह्ण से पूर्व अपनी अभ्यर्थिता वापिस कर सकेगा और किसी भी व्यक्ति को जिसने अपनी अभ्यर्थिता वापिस ले ली हो वापसी की सूचना को रद्द करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

(2) सूचना, प्रत्येक पत्र में या उसके प्रत्येक पत्र या अभ्यर्थी द्वारा इन निम्नलिखित रूप में संयोजक रूप से प्राधिकृत निर्वाचन अधिकर्ता द्वारा, दिया जा सकेगा।

(3) रिटनिंग अधिकारी या विनिविष्ट अधिकारी अभ्यर्थिता वापिस लेने के पत्र सूचना की प्राप्ति के पश्चात् इसे सम्बन्ध में प्ररूप 23 में सूचना अपने कार्यालय या सम्बन्धित पंचायत के कार्यालय में सहज दृश्य स्थान पर लगवायेगा।

41. निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची—(1) नामांकन पत्रों की संवीक्षा सम्पूर्ण होने के पश्चात् और उसे अधिका के अवसान के पश्चात् जिसके भीतर अभ्यर्थी नियम 40 के अधीन अभ्यर्थिता वापिस ले सकेगा, रिटनिंग अधिकारी प्ररूप 24 में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची हिन्दी में तैयार करेगा और इसे अपने कार्यालय या सम्बन्धित पंचायत के कार्यालय में किसी सहज दृश्य स्थान पर लगवायेगा।

(2) तयकरित सूची में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों के नाम और पते हिन्दी देव नागरी लिपि में वर्णानुक्रम में होंगे जैसे कि नामांकन पत्रों में दिये गये हैं।

42. प्रतीकों का आवंटन—(1) निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार हो जाने के पश्चात् और यदि अभ्यर्थियों की संख्या एक से अधिक है, रिटनिंग अधिकारी प्रत्येक निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी को, निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची में क्रम संख्या के अनुसार नियम 34 के अधीन अधिसूचना में विनिविष्ट प्रतीकों को क्रम संख्या के अनुसार अनुमोदित प्रतीक आवंटित करेगा :

परन्तु यह कि अभ्यर्थी को प्रतीक लेने का कोई चुनाव नहीं होगा।

(2) जहां उप-नियम (1) के अधीन अभ्यर्थी को प्रतीक आवंटित कर दिया गया हो वहां प्रत्येक अवस्था में अभ्यर्थी को तत्काल इस प्रकार आवंटित प्रतीक के बारे में सूचित किया जायेगा और उसे रिटनिंग अधिकारी द्वारा उसका एक नमूना दिया जायेगा। उस दशा में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची में प्रत्येक अभ्यर्थी को आवंटित प्रतीक भी अन्विष्ट होंगे।

43. निर्वाचन अधिकर्ता की नियुक्ति—यदि कोई अभ्यर्थी किसी निर्वाचन अधिकर्ता को नियुक्त करने की बांछा रखता है तो ऐसी नियुक्ति या तो नामांकन पत्र या निर्वाचन से पूर्व किसी भी समय प्ररूप 25 में की जायेगी।

44. मतदान अधिकर्ता की नियुक्ति—(1) किसी निर्वाचन में जहां मतदान होना है, निर्वाचन लड़ने वाला अभ्यर्थी या उसका निर्वाचन अधिकर्ता किसी व्यक्ति को जो अभ्यर्थी होने या अधिनियम के अधीन पंचायत का सदस्य बनने के लिए निरहित नहीं है, प्रत्येक मतदान केन्द्र पर ऐसे अभ्यर्थी का मतदान अधिकर्ता नियुक्त कर सकेगा ऐसी नियुक्ति प्ररूप 26 में दो प्रतियों में लिखित प्रपत्र द्वारा की जायेगी जो यथास्थिति अभ्यर्थी या उसके निर्वाचन अधिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित हो।

(2) अभ्यर्थी या उसका निर्वाचन अधिकर्ता, यथास्थिति, नियुक्ति-पत्र की दूसरी प्रति को मतदान अधिकारी अधिकर्ता को देगा जो मतदान के लिए नियत तारीख को इसे प्रस्तुत करेगा और उसमें अन्विष्ट घोषणा पुर पीठासीन अधिकारी के सामने हस्ताक्षरित करेगा। पीठासीन अधिकारी उसे प्रस्तुत की गई दूसरी प्रति को अपनी अभिरक्षा में रखेगा। किसी भी मतदान अधिकर्ता को तब तक मतदान केन्द्र में कोई भी कर्तव्य की पालना करने के लिए अनुमति नहीं दी जायेगी जब तक उसने इस उप-नियम के उपबन्धों का अनुपालन न कर लिया हो।

45. मतदान अधिकर्ता की नियुक्ति—निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी या उसका निर्वाचन अधिकर्ता किसी भी व्यक्ति को जो अधिनियम के अधीन अभ्यर्थी या मतदाता निरहित नहीं है, प्ररूप 27 में दो



प्रतियों में लिखित पत्र द्वारा जो उपस्थिति अभ्यर्थी या उसके निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित हो, मतगणना अभिकर्ता के रूप में नियुक्त कर सकेगा।

(2) अभ्यर्थी या उसका निर्वाचन अभिकर्ता भी नियुक्त पत्र की दूसरी प्रति को मतगणना अभिकर्ता को देगा जो मतों की गणना के लिए नियत तारीख को इसे प्रस्तुत करेगा और इसमें अन्तर्लिखित घोषणा पर रिटनिंग अधिकारी को या उसके द्वारा नियम 75 के अधीन प्राविष्ट ऐन अन्य अधिकारी के सामने हस्ताक्षर करेगा और उसे अधिकारी उसको प्रस्तुत की गई दूसरी प्रति को अपनी अभिरक्षा में रखेगा। किसी भी मतगणना अभिकर्ता को मतगणना के लिए नियत स्थान पर किसी भी मतदान का पात्र बनने के लिए तब तक अनुमति नहीं दी जायेगी जब तक उसने इस उप-नियम के उपबन्धों का अनुपालन न कर लिया हो।

46. नियुक्ति का प्रतिसंहरण या निर्वाचन मतदान और मतगणना अभिकर्ताओं की मृत्यु.—यद्यपि, निर्वाचन अभिकर्ता, मतदान अभिकर्ता और मतगणना अभिकर्ता की नियुक्ति अभ्यर्थी द्वारा किसी भी समय मतदान आरम्भ होने से पूर्व या मतदान के दौरान लिखित और हस्ताक्षरित घोषणा द्वारा प्रतिसंहृत की जा सकेगी और अभ्यर्थी द्वारा उसकी एक प्रति सम्बन्धित रिटनिंग अधिकारी को प्रस्तुत की जायेगी। उपर्युक्त अभिकर्ताओं की मृत्यु की दशा में अभ्यर्थी द्वारा नए अभिकर्ता की नियुक्ति रिटनिंग अधिकारी को सूचित करते हुए की जा सकेगी।

47. अभिकर्ता की अनुपस्थिति.—जहाँ इन नियमों के अधीन अभिकर्ता की उपस्थिति में किसी कार्य या बात का होना अपेक्षित या प्राधिकृत है तो उस प्रयोजन के लिए तारीख, समय या स्थान पर किसी अभिकर्ता या अभिकर्ताओं की अनुपस्थिति में निम्न कार्य वात विधिमाल्य नहीं होगी यदि कार्य या बात अन्यथा समयक रूप से की गई हो।

48. मतदान से पूर्व अभ्यर्थी की मृत्यु.—यदि किसी अभ्यर्थी की, जिसका नामांकन सवीका करने पर विधिमाल्य पाया गया है और जिसने अपना नाम वापस नहीं लिया है, मृत्यु हो जाती है और उसकी मृत्यु की रिपोर्ट मतदान आरम्भ होने से पूर्व प्राप्त होती है और शेष निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की संख्या एक से अधिक है तो निर्वाचन प्रत्यादिष्ट नहीं किया जायेगा परन्तु केवल एक अभ्यर्थी के अंदर में रहने की दशा में निर्वाचन, राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नये सिरे से होगा।

परन्तु उस अभ्यर्थी से नया नामांकन लेना आवश्यक नहीं होगा जो निर्वाचन को प्रत्यादिष्ट करते समय निर्वाचन लड़ने वाला अभ्यर्थी था।

49. निर्विरोध निर्वाचन.—(1) यदि किसी स्थान के लिए नामांकन पत्र वापिस लेने के लिए नियत समय और तारीख के पश्चात् केवल एक अभ्यर्थी शेष रह जाता है जिसका नामांकन पत्र विधिमाल्य पाया जाता है, रिटनिंग अधिकारी तत्कालत्त्वं प्रथम 20 में अभ्यर्थी को स्थान की पूर्ति के लिए सम्यक् रूप में निर्वाचन घोषित करेगा और राज्य निर्वाचन आयोग को इन बारे में जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) के माध्यम से सूचित करेगा।

(2) यदि किसी स्थान के लिए कोई नामांकन पत्र नहीं भरा गया है या यदि किसी स्थान के लिए कोई भी अभ्यर्थी समयक रूप से निर्वाचन घोषित नहीं किया गया है, तो रिटनिंग अधिकारी इस तथ्य की सूचना जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) को देगा। जो केन्द्रीय निकायों की संश्लेषित सूची राज्य निर्वाचन आयोग को अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार स्थानों को भरणे के लिए उचित सर्वसाधारण के लिए भेजेगा। यदि निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की संख्या किसी निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक है तो मतदान नियम 33 में विनिर्दिष्ट तारीख को होगा।

## अध्याय-6

## निर्वाचन के लिए मतदान

50. निर्वाचन में मतदान की रीति.—प्रत्येक निर्वाचन में जहाँ मतदान करवाया जाता है, मत, गुप्त मत पत्र द्वारा इसमें इसके पश्चात् उपबन्धित रीति में डाले जाएंगे और कोई मत परीक्षा द्वारा प्राप्त नहीं किया जाएगा।

51. मतपेटी.—प्रत्येक मतपेटी, राज्य निर्वाचन आयोग के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन ऐसे डिजाईन की होगी कि मतपत्रों को उसमें डाला जा सके किन्तु उसमें पेटी के ताना खोल और सीलें तोड़े बिना न निकाला जा सके।

52. मतपत्र.—(1) निर्वाचन में प्रत्येक मत पत्र ऐसे डिजाईन/रंग के होंगे जैसे राज्य निर्वाचन आयोग विनिर्दिष्ट करे।

(2) पीठासीन अधिकारी को मतदान वृक्ष के लिए अपेक्षित संख्या के मतपत्र समुचित रखीयें लेकर प्रदान किए जाएंगे और ऐसे जारी किये गए मतपत्रों का लेखा जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) या उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा रखा जाएगा।

(3) पीठासीन अधिकारी प्रत्येक निर्वाचन के लिए इसे मतदान वृक्ष में प्रयोग के लिए जारी किए गए मतपत्रों का पृथक् रूप में प्ररूप 29 में लेखा रखेगा।

53. मतदान केन्द्रों में सूचना.—(1) प्रत्येक मतदान केन्द्र के भीतर और बाहर निम्नलिखित प्रमुख रूप से प्रदर्शित किया जायेगा :—

(क) मतदान क्षेत्र जिसके मतदाताओं को, मतदान केन्द्र में, मत देने का हक है, को विनिर्दिष्ट करते हुए सूचना ;

(ख) नियम 41 के अधीन प्रकाशित निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची के अनुसार प्रत्येक अभ्यर्थी का दबनागरी लिपि में नाम देते हुए सूचना।

2. जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) प्रत्येक मतदान केन्द्र में, मतदान क्षेत्र की बाबत जिसके मतदाता ऐसे निर्वाचन केन्द्र में मत देने के हकदार हैं, निर्वाचक नामावली की पर्याप्त संख्या में प्रतियाँ और ऐसे अन्य उपसहरी और उपलब्धनों का प्रबन्ध करेगा जो ऐसे मतदान केन्द्र में मतदान करवाने के लिए अपेक्षित हों।

54. मतदान केन्द्रों का इंतजाम.—प्रत्येक मतदान केन्द्र, एक या अधिक मतदान कक्ष इसमें इसके पश्चात् संश्लेषण से पर्याप्त कक्ष के रूप में, जिसमें मतदाता एक के बाद दूसरा, अपने मत डाल सकें और किसी अन्य मतदाता को तब तक ऐसे कक्ष में प्रवेश के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा, जब तक मतदाता कक्ष के भीतर से अपना मत डालने के प्रयोजन से, बाहर नहीं आता।

55. मतदान केन्द्र में मतदाताओं का प्रवेश.—पीठासीन अधिकारी, मतदान केन्द्र के भीतर किसी एक समय में प्रवेश पाने वाले मतदाताओं की संख्या, विनियमित करेगा और निम्नलिखित व्यक्तियों से भिन्न, अन्य सभी व्यक्तियों को वहाँ से हटाएगा :—

(क) मतदान अधिकारी ;

(ख) निर्वाचन सम्बन्धी झूटों पर लॉफ़ मेवरु ;

(ग) यथास्थिति राज्य निर्वाचन आयोग, जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) या रिटनिंग अधिकारी द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति ;

६. (घ) अभ्यर्थी निर्वाचन अभिकर्ता और इन विषयों के उपबन्धों के अध्याधीन प्रत्येक अभ्यर्थी का एक मतदान अभिकर्ता ;

(ङ) मतदाता की गोद में शिशु ;

(च) अन्य या शिक्षात्मक प्रतियोगिता जो महायता के बिना नहीं चल सकता के साथ व्यक्ति ; और

(छ) ऐसा अन्य व्यक्ति जैसा रिटनिंग अधिकारी या पीठासीन अधिकारी मतदाता की पहचान के प्रयोजन में नियोजित करे।

56. मतदान प्रारम्भ होने से पूर्व मत केंद्रों को तालाबन्द और सील करना.—(1) पीठासीन अधिकारी, प्रत्येक मतदान केंद्र में मतदान प्रारम्भ होने से पूर्व, प्रत्येक मत पेंटी, अभ्यर्थियों, उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं तथा उनके मतदान अभिकर्ताओं को ऐसे केंद्र में उपस्थित हों, एवं उन्हें तथा अन्य सभी उपस्थित व्यक्तियों को प्रदर्शित करेगा कि यह खाली है।

(2) पीठासीन अधिकारी, उप-निबन्ध (1) के उपबन्धों का अनुपालन करने के पश्चात् पेंटी को, ऐसी रीति में सुरक्षित और सील करेगा कि पेंटी में मत पत्रों को डालने के लिए दरार खुली रहे और अभ्यर्थियों या उनके निर्वाचन या मतदान अभिकर्ताओं को जो उपस्थित हों, उनके लिए पेंटी में बनी जगह पर यदि वे चाहें, अपनी सीलें लगाने की अनुमति करेगा।

(3) मत पेंटी के लिए प्रयोग की गई सीलें, ऐसी रीति में लगाई जाएंगी कि दोबारा पेंटी ऐसी सील या किसी धागे को, जिस पर सीलें लगाई गई हैं, तोड़े बिना खोलना सम्भव नहीं होगा।

57. मतदाताओं की पहचान.—(1) पीठासीन अधिकारी मतदान केंद्र में ऐसे व्यक्तियों को, जिन्हें वह उचित समझे मतदाताओं की पहचान करने में महायता या उसे अन्यथा मतदान करवाने के लिए महायता करने के लिए नियोजित कर सकेगा :

परन्तु पहचान पत्र, जो भारत के निर्वाचन आयोग या राज्य निर्वाचन आयोग या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा मतदाताओं को जारी किए जाएं तो पंचायत निर्वाचनों के मतदान के दौरान पहचान का विधिमान्य सबूत होंगे।

(2) ज्यों ही प्रत्येक मतदाता, मतदान केंद्र में प्रवेश करता है, पीठासीन अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत मतदान अधिकारी, मतदाता का नाम और निर्वाचक नामावली में प्रविष्टि में सुसंगत अन्य विशिष्टियों की जांच करेगा और तब क्रम संख्या, नाम और मतदाता की अन्य विशिष्टियां पुकारेगा।

(3) मतपत्र प्राप्त करने के व्यक्ति के अधिकार का विनिश्चय करने में, यथास्थिति, मतदान केंद्र का पीठासीन अधिकारी, निर्वाचन नामावली में किसी प्रविष्टि में लिपिकीय या मुद्रण की त्रुटि त्रुटि पर ध्यान नहीं देगा, यदि उतना समाधान हो जाता है कि ऐसा व्यक्ति वही है जिससे ऐसी प्रविष्टि सम्बन्धित है।

58. पहचान को चुनौती.—(1) कोई अभ्यर्थी या निर्वाचन अधिकारी या मतदान अधिकारी किसी व्यक्ति को पहचान को, पीठासीन अधिकारी को तथा प्रत्येक चुनौती के लिए पहले दो सौ रुपये नगद जमा करके चुनौती दे सकेगा।

(2) पीठासीन अधिकारी, ऐसे जमा करने पर निम्नलिखित करेगा:—

(क) चुनौती दिये गए व्यक्ति को प्रतिरूपण के लिए नेतावनी देगा ;

(ख) निर्वाचन आगामी में संगत प्रविष्टि को पढ़ेगा और उसे पूछेगा कि क्या वह उस प्रविष्टि में भ्रष्ट व्यक्ति है ;

(ग) प्रत्येक 30 में चुनौती दिए गए वोटों की सूची में उसका नाम और पता प्रविष्टि करेगा ;

(घ) जमाने उक्त सूची पर उसके हस्ताक्षर करने की अपेक्षा करेगा।

(3) पीठासीन अधिकारी, उसके पश्चात् चुनौती की संक्षिप्त जांच करेगा और उस प्रयोजन के लिए निम्नलिखित कर सकेगा:—

(क) चुनौती देने वाले से चुनौती के सबूत में साक्ष्य देने की और चुनौती दिये गए व्यक्ति से उसकी पहचान के सबूत में साक्ष्य देने की अपेक्षा करेगा ; या

(ख) चुनौती दिए गए व्यक्ति से उसकी पहचान का सिद्ध करने के प्रयोजन में आवश्यक कोई प्रश्न पूछेगा और, उससे यथायत्न उत्तर की अपेक्षा करेगा ; और

(ग) चुनौती दिए गए व्यक्ति को और, साक्ष्य देने के लिए पेश होने वाले अन्य व्यक्ति को पणश्रद्धिलाएगा।

(4) यदि पीठासीन अधिकारी जांच के पश्चात् समझता है कि चुनौती सिद्ध नहीं हुई है तो वह चुनौती दिये गए व्यक्ति को मत देने के लिए अनुमति करेगा, और यदि वह समझता है कि चुनौती सिद्ध हो चुकी है तो वह चुनौती दिए गए व्यक्ति को मत देने से वंचित करेगा।

(5) यदि पीठासीन अधिकारी को यह राय है कि चुनौती तुच्छ है या सद्भावपूर्वक नहीं की गई है तो वह निर्देश देगा कि उप-नियम (1) के अधीन जमा की राशि सरकार को समर्पण दिया जाए और किसी अन्य दशा में वह जांच की समाप्ति पर चुनौती देने वाले को वापस कर देगा।

59. मतपत्र जारी किया जाना.—(1) मतदान के प्रारम्भ होने के नियत समय से पूर्व किसी मतदाता को कोई मतपत्र जारी नहीं किया जाएगा।

(2) मतदान समाप्त होने के नियत समय के पश्चात् उन मतदाताओं के सिवाय जो मतदान केन्द्र में मतदान के समय उपस्थित हों, किसी मतदाता को, कोई मतपत्र जारी नहीं किया जाएगा।

(3) प्रत्येक मत पत्र को मतदाता को जारी करने से पूर्व ऐसे सुवेदक किन्हीं से चिन्हित किया जाएगा, जैसे जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) निर्देश दें।

(4) मतदान केन्द्र में जहाँ एक से अधिक पक्षधरियों के लिए मतदान होता है, प्रत्येक मतदाता को, ऐसे विभिन्न पक्षों के लिए एक से अधिक मतपत्रों को एक साथ उपलब्ध कराया जाएगा।

(5) मतदान अधिकारी, मतदाता को मतपत्र जारी करने के समय निर्वाचक नामावली की प्रति में मतदाता को सम्बन्धित प्रविष्टि को स्थापित, यह दिखाने के प्रयोजन से कि उसे मतपत्र जारी कर दिया गया है निर्वाचक नामावली को पुराने करेगा और अज्ञात मतदाता की स्थिति में वह, उसके नाम के बाईं ओर निशान लगाएगा। वह निर्वाचक नामावली पर उसी क्रम संख्या अभिलेखित नहीं करेगा।

(6) मतदान केंद्र में, कोई व्यक्ति, प्रविष्टि मतदाता को जारी मतपत्र को क्रम संख्या को नोट नहीं करेगा।

60. मतदान प्रक्रिया—(1) प्रत्येक मतदान केंद्र में एक समय में दो मतपेटियों का उपयोग किया जाएगा, एक मत पंचायत के सदस्यों, प्रधान या उप-प्रधान के निर्वाचन के लिए तथा दूसरी पंचायत समिति और जिला परिषद के सदस्यों के निर्वाचन के लिए।

(2) मतदान अधिकारी प्रथम ग्राम पंचायत के सदस्यों, प्रधान और उप-प्रधान के निर्वाचन के लिए पृथक मतपत्र जारी करेगा और मतपट्टी संख्या 1 में मतों को डालने के पश्चात् वह पंचायत समिति और जिला परिषद के सदस्यों के निर्वाचन के लिए मतपत्र जारी करेगा जिसके लिए मतपट्टी संख्या 2 का उपयोग किया जाएगा।

(3) मतदाता मतपत्रों को प्राप्त करने पर, तुरन्त वक्ष की ओर जाएगा और मतदाता जित्त अध्यर्थी को मत डालना चाहता है मतपत्र पर मुद्रित उसके चिन्ह पर या नाम के सामने इस प्रयोजन के लिए उपलब्ध स्थान पर मोहर लगाएगा। वह इसे, मतदान अधिकारी के सामने, गुमंगन सील बन्द मत पेट्टी में डालेगा।

(4) प्रत्येक मतदाता, अपना मत डालने के यथालीप्त मतदान केंद्र को बिना अभ्यर्थी विलम्ब छोड़ेगा।

61. अन्धे या शारीरिक रूप से असक्षम मतदाताओं द्वारा मतदान—(1) यदि पीठासीन अधिकारी बारासाधान हो जाता है कि मतदाता अन्धधन या अक्षमता के कारण मतपत्र पर चिन्ह पहचानने या उस पर निशान, बिना सहायता से लगाने में असमर्थ है तो पीठासीन अधिकारी, मतदाता को, अपने साथ एक साथी, जिसकी उम्र अठारह वर्ष से कम न हो, मतदान वक्ष में, उसकी ओर से और उसकी दृष्टि अनुसार मतपत्र पर मत चिह्न करने और यदि आवश्यक हो तो मतपत्र को इस प्रकार मोड़ें ताकि मत को गुप्त रखा जा सके और उसे मत पेट्टी में डाला जा सके।

परन्तु किसी व्यक्ति को, उसी दिन, किसी मतदान केंद्र में, एक मतदाता से अधिक के साथी के रूप में कार्य करने की अनुमति नहीं होगी।

परन्तु यह और कि इस नियम के अधीन, मतदान वाले दिन मतदाता के साथी के रूप में कार्य करने वाले व्यक्ति को, निश्चित घोषणा करना अपेक्षित है कि वह, उस द्वारा मतदाता की ओर से रिपोर्ट किए गए मत को गुप्त रखेगा और अपने उन दिन किसी मतदान केंद्र में किसी मतदाता के साथी के रूप में कार्य नहीं किया है।

2. पीठासीन अधिकारी ऐसे सभी मामलों का संक्षिप्त अभिलेख रखेगा।

62. खराब और वापस किए गए मतपत्र—(1) मतदाता जिसने अपने मतपत्र के साथ इस प्रकार से अनजान में व्यवहार किया कि इसका मतपत्र के रूप में सुविधा से उपयोग नहीं किया जा सकता, इसका रिटर्निंग अधिकारी को पता करने पर और अनजानपन या अपना नामांकन करने पर पीठासीन अधिकारी द्वारा दूसरा मतपत्र दिया जाएगा और वापस किए गए मत पत्र और ऐसे मतपत्र के प्रतिपण पर "खराब-रद्द" चिह्नित किया जाएगा।

(2) यदि मतदाता पत्र प्राप्त करने के पश्चात् इसको उपयोग न करने का विनिश्चय करता है तो वह इसे पीठासीन अधिकारी को वापस कर देगा और इस प्रकार वापस किए गए मत पत्र और ऐसे मत पत्र के प्रतिपत्र को पीठासीन अधिकारी द्वारा "वापस-रद्द" चिन्हित किया जाएगा।

(3) उप-नियम (1) या उप-नियम (2) के अधीन रद्द सभी मत पत्रों को पृथक पैकट में रखे जाएंगे।

63. निविदत्त मत.—(1) यदि व्यक्ति, स्वयं को निर्वाचक नामावली में नामित निश्चित मतदाता का प्रतिनिधित्व करत हुए, दूसरे व्यक्ति के पश्चात् जो ऐसे मतदाता के रूप में पहले ही मतदान कर चुका हो, मत पत्र के लिए आवेदन करता है तो आवेदन ऐसे, प्रश्नों के सम्पूर्ण रूप से उत्तर देने के पश्चात् जैसे पीठासीन अधिकारी द्वारा पूछे जाएं मत पत्र को इसमें इसके पश्चात् निविदत्त मत पत्र, उसी रीति में जैसे कोई अन्य मतदाना, मत पत्र प्राप्त करता, प्राप्त करने का हकदार होगा।

(2) निविदत्त मत पत्र, मत पेटी में डालने की बजाए ऐसे व्यक्ति द्वारा पीठासीन अधिकारी को दिए जाएंगे। पीठासीन अधिकारी, तब मत पत्र को पृथक करने के प्रयोजन को पृथक पैकट में रखेगा। मतदान के अन्त में ऐसे सभी निविदत्त मत पत्रों वाला पैकट सील बन्द किया जाएगा। ऐसे मतों की गणना मतगणना के समय नहीं की जाएगी।

(3) ग्राम का नाम, निर्वाचन क्षेत्र की संख्या, मतदाता का नाम, निर्वाचक नामावली में उसकी क्रम संख्या और मतदान केन्द्र को, जिससे निर्वाचन नामावली सम्बन्धित है, प्ररूप-31 में सूची दर्ज किया जाएगा जिसका शीर्षक "निविदत्त मत की सूची" होगा। ऐसे मत पत्र देने वाला व्यक्ति उसे सूची में उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के सामने अपने हस्ताक्षर करेगा या अपना अंगूठा निशान लगाएगा।

(4) पंचायत समिति के सदस्य प्रधान, उप-प्रधान और जिला परिषद के सदस्यों के निर्वाचन से सम्बन्धित प्ररूप-31 से तैयार किया जाएगा।

64. मतदाना का समापन.—(1) पीठासीन अधिकारी, नियम 32 के अधीन इस निश्चित नियम समय में मतदान केन्द्र बन्द करेगा और उसके पश्चात् किसी मतदाता को मतदान केन्द्र में प्रवेश नहीं होने देगा।

परन्तु मतदान केन्द्र में इसके बन्द होने से पूर्व उपस्थित सभी मतदाताओं को अपने मत डालने की अनुमति होगी।

(2) यदि कोई प्रश्न उठता है कि क्या मतदाना, मतदान केन्द्र में इसके बन्द होने से पूर्व उपस्थित था तो इसको पीठासीन अधिकारी द्वारा विनिश्चित किया जाएगा और उसका विनिश्चय अन्तिम होगा।

65. मतदान के पश्चात् मत पट्टियों का सील बन्द करना.—(1) पीठासीन अधिकारी यथा सध्याशीघ्र मतदाना के बन्द होने के पश्चात् अभ्यर्थियों या उनके निर्वाचन या मतदान अभिन्तियों की उपस्थिति में मत पेटी के छिद्र (दरार) को बन्द करेगा और जहाँ मत पेटी में छिद्र (दरार) बन्द करने के लिए यांत्रिक युक्ति न हो तो वह छिद्र (दरार) को सील बन्द करेगा और उपस्थित किसी अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिन्ती या मतदान अभिन्ती को यदि वह ऐसा चाहें अपने सील लगाने की अनुमति देगा।

(2) मतपेटी को उसके पश्चात् सील बन्द और सुरक्षित किया जाएगा।

(3) जहाँ पहली पेटी के पूरे भर जाने के कारण दूसरी मत पेटी की आवश्यकता हो तो उप नियम (1) और (2) के अधीन यथा उपबन्धित दूसरी मत पेटी का उपयोग करने से पूर्व पहली पेटी को बन्द, सील और सुरक्षित किया जाएगा।

66. मतपत्रों का लेखा.—(1) पीठासीन अधिकारी, मतदान के बन्द होने पर मत पत्र लेख के ब्रूप-29 में तैयार करेगा और इसे पृथक लिफाफे से संलग्न करेगा जिस पर "मत पत्र लेखा" लिखा जाएगा।

(2) यथास्थिति पंचायत समिति के सदस्य, प्रधान, उप-प्रधान, और जिला परिषद के सदस्य के निर्वाचन के लिए मत पत्रों को लेखा पृथक रूप से तैयार किया जाएगा।

67. अन्ध पैकटों का सील बन्द करना.—(1) पीठासीन अधिकारी तब निम्नलिखित पैकटों को तैयार और सील बन्द करेगा :—

- (क) निर्वाचन नामावली की चिन्हित प्रति ;
- (ख) निर्वाचन नामावली की अन्य प्रति ;
- (ग) उपयोग किए गए और अप्रयुक्त मत पत्र के प्रतिपूरण ;
- (घ) रद्द किए गए मत पत्र ;
- (ङ) निविदत्त मत पत्रों का लिफाफा और निविदत्त मत पत्रों की सूची ;
- (च) आपाति जनक मत पत्र ;
- (छ) रिटनिंग अधिकारी द्वारा निर्देशित अन्य पत्रों का सील बन्द पैकट में रखना।

संश्लेषण.—सदस्य, प्रधान, उप-प्रधान और पंचायत समिति के सदस्य और जिला परिषद के सद के निर्वाचन के सम्बन्ध में पृथक पैकट तैयार किए जाएंगे।

(2) उप-नियम (1) के अधीन निर्दिष्ट प्रत्येक पैकट पीठासीन अधिकारी की सीलों से और उपस्थित अधिकारियों, निर्वाचन अधिकारी या मतदान अधिकारियों की सीलों से जो उस पर अपनी सीलें लगाना चाहें सील बन्द किया जाएगा।

68. रिटनिंग अधिकारी को मत पेटियों पैकटों आदि का परीक्षण.—(1) पीठासीन अधिकारी निम्नलिखित ऐसे स्थान पर जैसे रिटनिंग अधिकारी या उसके द्वारा इन निमित्त प्राधिकृत ऐसा अन्य अधिकारी निर्देश देगा या दिलवाएगा :—

- (क) मत पेटियां
- (ख) मत पत्र लेखा ;
- (ग) नियम-67 में निर्दिष्ट मोहर बन्द पैकट ; और
- (घ) सभी अन्य पत्र/मतदान पर प्रयोग होने वाली सामग्री ;

(2) रिटनिंग अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) के सम्पूर्ण निर्देशाधीन प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी निर्वाचन प्रोग्राम के अनुसार ग्राम पंचायत से सम्बन्धित मत पेटियों का ग्राम पंचायत मुख्यालय को, और पंचायत समिति तथा जिला परिषद से सम्बन्धित मत पेटियों का पंचायत समिति मुख्यालय को, सुरक्षित बहन करन के लिए पर्याप्त इस्तजाम करगा। भवन जिसमें मत पेटियां रखी जाती हैं, सशस्त्र-पुलिस/होम गार्ड बल द्वारा पर्याप्त रूप से पहरों में रखी जाएगी।

69. आपातकाल में मतदान का स्थान :—(1) यदि निर्वाचन में मतदान के लिए किसी मतदान केन्द्र की कार्यवाहियां किसी दंगे या खुली हिंसा द्वारा अवरोधित या बाधित की जाती हैं, या किसी निर्वाचन

में किसी प्राकृतिक क्षति, या किसी अन्य पशुपत हेतु को कारण। भी मनवान केन्द्र पर मनवान करना संभव नहीं होता है तो ऐसे मनवान केन्द्र के रिटनिंग अधिकारी या पीठासीन अधिकारी मनवान के स्थान की घोषणा ऐसी तरीका तक के लिए करेगा जैसी बात में नियम की शर्त और वहाँ मनवान पीठासीन अधिकारी द्वारा स्थिति किया जाता है वहाँ सम्बन्ध रिटनिंग अधिकारी को इनकी सुझाव देना।

(2) जब किसी मनवान उप-नियम (1) के अधीन स्थिति किया जाता है रिटनिंग अधिकारी, राज्य निर्वाचन अधिकारी को, जिनका निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से सभी परिस्थितियों की तुलना रिपोर्ट देता, जो सम्बन्ध शर्त कोई दिन नियमन होगा जिसको मनवान किया जाएगा, और मनवान केन्द्र और समय नियम करेगा जहाँ पर जिनके दौरान मनवान किया जाएगा।

(3) यथा पूर्वोक्त प्रत्येक ऐसे मामले में, जिनका निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) नियम 32 में अधिकृत रीति में उप-नियम (2) के अधीन नियम मनवान की तरीका, स्थान और समय पराजित करेगा और मन मनवान को निवारित कर रहे नियमों के उपबन्ध, इन नियम के अधीन कि जाने जाने पुनः मनवान को सम्बन्ध परिवर्तन महिना लागू होगे।

70. मनवान के स्थान की प्रक्रिया.—(1) यदि किसी मनवान केन्द्र पर मनवान नियम 69 के अधीन स्थिति किया जाता है तो नियम 64 से 67 (दोनों सम्मिलित हैं) के उपबन्ध जहाँ तक सम्बन्धों हों, लागू होंगे, मानों कि मनवान नियम 64 के अधीन इन निर्वाचन नियम समय पर बन्द कर दिया गया था।

(2) रिटनिंग अधिकारी मनवान केन्द्र जहाँ ऐसा मनवान स्थिति किया गया है के पीठासीन अधिकारी को मन पर निर्वाचित नामाङ्कितों की प्रतियाँ और इन प्रयोजन के लिए अतिरिक्त सभी अन्य निर्वाचन सामग्री का उपबन्ध करेगा।

(3) नियम 60 से 69 (दोनों सम्मिलित हैं) के उपबन्ध स्थिति मनवान के मंचालन के सम्बन्ध में लागू होंगे जैसे वे ऐसे स्थान के पहले मनवान के सम्बन्ध में लागू होते थे।

71. मतपेटियों को नष्ट, (हत्यादि) कि जाने के मामले में पुनः मनवान.—(क) मनवान केन्द्र पर प्रयोग की गई मत पेट्टी, पीठासीन अधिकारी या रिटनिंग अधिकारी की अतिरिक्त से अतिरिक्त रूप से बाहर निकाल ली जाती है या घटनास्थल या साक्ष्य नष्ट कर दी जाती है या गुप्त हो जाती है या उस विचार तक अतिरिक्त अथवा विवाद दी जाती है कि उन निर्वाचन केन्द्र पर मनवान का परिणाम असिद्धित नहीं किया जा सकता; या

(ख) किसी मनवान केन्द्र पर प्रक्रिया में कोई ऐसी त्रुटि या अनियमितता की जाती है जिससे मनवान संभावना निष्फल हो जाता है तो रिटनिंग अधिकारी मामले की रिपोर्ट तुलना जिनका निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) के माध्यम से राज्य निर्वाचन आयोग को करेगा।

(2) उप-नियम (1) के अधीन रिटनिंग की प्राप्ति पर, राज्य निर्वाचन आयोग सभी सम्बन्ध परिस्थितियों को लेने के पक्ष, या तो:—

(क) मनवान केन्द्र पर मनवान को नष्ट घोषित करेगा और उन मनवान केन्द्र पर पुनः मनवान करने के लिए दिन और समय नियम करेगा और ऐसे नियम दिन और समय को के ऐसी रीति में अधिसूचित करेगा जैसी वह उचित समझे, या

(ख) यदि यह सम्भावना हो जाती है कि उन मनवान केन्द्र पर पुनः मनवान का परिणाम, किसी भी रूप में निर्वाचन के परिणाम को प्रभावित नहीं करेगा या प्रक्रिया में त्रुटि या



अभिगमनता, माग्नन नहीं है तो रिटनिंग अधिारी को ऐसे रिटनिंग धारी रंगा जैसे वह निचिन माग्नन ।

(3) अधिनियम को उपनयन और महाधीन बनाए गए नियम या । ए. ग. अधिनियम ऐसे प्रत्येक पुनः मनवान को जैसे हो लागू होंगे जैसे वे मूल मनवान को लागू होने हैं ।

42)

## अध्याय—7

### मतों की गणना

72. मतों की गणना का पर्यवेक्षण:— प्रत्येक निर्वाचन में जहाँ मनवान । या आता है, मतों की गणना या तो रिटनिंग अधिारी या इस निर्मित उपके द्वारा या प्राधिकृत ऐसे अन्य अधिारी को पर्यवेक्षण और निवेशाधीन की जाएगी । निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी उसके निर्वाचन अधिारी की गणन अधिारी का ऐसी गणना के समय उपस्थित होने का अधिारी होगा ।

73. गणना के लिए नियम स्थान में प्रवेश:—(1) रिटनिंग अधिारी या उसके द्वारा प्राधिकृत ऐसा अन्य अधिारी मतों की गणना के लिए नियम स्थान में निम्नलिखित क सिवाए अन्य सभी व्यक्तियों को अपवर्जित करेगा:—

- (क) ऐसे व्यक्ति जिन्हें वह गणना में अपनी सहायता करने को नियुक्त कर सके ;
- (ख) राज्य निर्वाचन आयोग या जिला निर्वाचन अधिारी (पंचायत) द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति ;
- (ग) निर्वाचन से सम्बन्धित लोक सेवाओं जो ड्यूटी पर तैनात हैं ; और
- (घ) अभ्यर्थी उनको निर्वाचन अधिारी और गणना अधिारी ।

(2) उप-नियम (1) के खण्ड (क) के अधीन ऐसे । सी व्यक्ति की नियुक्ति नहीं की जाएगी जो निर्वाचन में या उसके बारे में अभ्यर्थी द्वारा या उसको ओर से नियोजित । या गता है या अन्यथा । या करता रहा है ।

(3) रिटनिंग अधिारी या उसके द्वारा इस निर्मित प्राधिकृत जैसे अन्य अधिारी यह निर्दिष्ट करेगा कि कौन सा गणन अधिारी या अधिारी । सा । निर्वाचन गणन देखन या गणन अनेकों । या गणना का निगमानी रहेगा ।

(4) कोई व्यक्ति जो मतों की गणना के दौरान स्वयं अवसर रना है या रिटनिंग अधिारी या उसके द्वारा इस निर्मित प्राधिकृत ऐसे अन्य अधिारियों को निषेध पूर्ण निषेधों की पाबन । से में अ । का रहना है तो मतों की गणना के स्थान में रिटनिंग अधिारी द्वारा या रिटनिंग अधिारी । सा । निगमानी द्वारा या रिटनिंग अधिारी द्वारा इस निर्मित प्राधिकृत । सा । व्यक्ति द्वारा हटाया जा सकेगा ।

74. मत गेटियों की संतोषा करना और खोलना:—(1) रिटनिंग अधिारी या उसके द्वारा उ । निर्मित प्राधिकृत जैसे अन्य अधिारी, उसा पर को निर्वाचन के लिए ए । अधिारी मनवान क्षेत्र में प्रयोग हुई मत गेटियों को खोलेंगे और मत सामयिक रूप में उसमें मनवान । ए. ग. मतों का स्टेज रेंगे ।

(2) गणना देखन पर किसी मत गेटी को खोलने में पूर्ण देखन पर उपस्थित गणन अधिारियों को कागज पत्र की या ऐसी अन्य मोहुरें जो उन पर लगाई गई हों, का । निगमानी से ही जाएंगे । सा । उप । यमाश्रम हो सके कि ये अक्षत हैं ।

(3) रिटनिंग अधिारी या इसके द्वारा प्राधिकृत ऐसी अन्य अधिारी अपना सम्पादन रंगा । किसी भी मत गेटी से वास्तव में हस्तक्षेप नहीं हुआ है ।

(4) यदि रिटनिंग अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत ऐसे अन्य अधिकारी का समाधान हो जाता है कि इस मत पेटा में हस्तक्षेप हुआ है, तो वह उस पेटा में अन्तर्वर्ति मतों की गणना नहीं करेगा और उस मतदान केन्द्र में नियम 71 में अधिस्थित प्रक्रिया का पालन करेगा।

**75. मतगणना की प्रक्रिया.**—रिटनिंग अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी, नियम 32 के अधीन नियत तारोख, समय और स्थान पर, निम्नलिखित रीति में मत की गणना आरम्भ करेगा, अर्थात्—

- (1) ग्राम पंचायत के पदों/स्थानों के लिए मतों की गणना ग्राम पंचायत मुख्यालय में और जिला समिति और जिला परिषद के सदस्यों के लिए खण्ड मुख्यालय में निर्वाचन प्रोग्राम के अनुसार होगी।
- (2) रिटनिंग अधिकारी या उसके द्वारा निम्नित यथा इस प्राधिकृत ऐसा अन्य अधिकारी कर्मांक संख्या के अनुसार हरेक निर्वाचन क्षेत्र की मतपट्टी को बाहर निकालेगा और अभ्यर्थियों या उनके निर्वाचन अभ्यर्ताओं को मत पेटा (पेटियों) और उस पर लगी मोहर का निरीक्षण करने का अवसर प्रदान करेगा ताकि उनका समाधान हो जाए कि वे अक्षत हैं।
- (3) प्रत्येक मत पेटा को खोले जानों के पश्चात् अभ्यर्थियों या निर्वाचन अभिकर्ताओं जो उपस्थित हों को मत पेटा का निरीक्षण करने और उनका समाधान करने दिया जाएगा कि मत पेटा के भीतर सही लेबल लगे हुए हैं।
- (4) सभी मत पत्र प्रत्येक पेटा से बाहर निकाले जाएंगे और खाली पेटा अभ्यर्थियों या निर्वाचन अभिकर्ताओं को उनके समाधान के लिए दिखाई जाएगी कि पेटा के भीतर कोई भी मत पत्र बाकी नहीं रह गया है।
- (5) प्रत्येक पेटा से निकाले गए मत पत्रों को उसी पद से सम्बन्ध अन्य मत पेटियों से निकाले गए मत पत्रों के साथ मिलाया जाएगा और उसके पश्चात् हर सीट/पद के लिए पृथक्: उनकी छटाई की जाएगी। ग्राम पंचायत के सदस्य (सदस्यों) के मत पत्र उसी टेबल पर रहने दिए जाएंगे और प्रधान और उप-प्रधान के पद के मतपत्र गणना के बिना ही रिटनिंग अधिकारी को बाद में गणना के लिए दे दिए जाएंगे। गणना के पश्चात् ग्राम पंचायत के सदस्यों का परिणाम प्ररूप-32 पर रिजल्टशीट पर तैयार करके प्ररूप-33 पर घोषित किया जाएगा। ग्राम पंचायत के सभी सदस्यों के परिणाम घोषित किए जाने के उपरान्त उप-प्रधान/प्रधान के पदों के लिए परिणाम की घोषणा गणना के पश्चात् प्ररूप-34 पर रिजल्ट शीट तैयार करके प्ररूप-35 पर की जाएगी।
- (6) खण्ड स्तर पर पंचायत समिति और जिला परिषद के सदस्यों के निर्वाचन के लिए हरेक निर्वाचन से सम्बन्ध मत पेटियों से निकाले गए मत पत्रों को अन्य मत पेटियों से निकाले गए मत पत्रों के साथ मिलाकर पृथक्: छटाई की जाएगी। पंचायत समिति सदस्यों के स्थान के मत पत्रों को उसी टेबल पर रखा रहने दिया जाएगा और जिला परिषद् सदस्यों के स्थान के मत पत्रों को मत पत्र लेखा के साथ मिलान करके, बिना गणना के ही अन्य टेबल पर कर दिया जाएगा।

पंचायत समिति सदस्यों के स्थानों के लिए गणना पहले की जाएगी और पंचायत समिति के सदस्यों का परिणाम प्ररूप-36 पर रिजल्ट-शीट तैयार करके प्ररूप-37 पर घोषित किया जाएगा। इस के पश्चात् जिला परिषद के सदस्य के लिए गणना की जाएगी और गणना के पश्चात् प्ररूप-38 भाग-1 पर रिजल्ट शीट तैयार की जाएगी। मत पत्र लेखा प्ररूप-38 भाग-1 सहित और मोहर बन्द लिफाफे में मत पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) को भेजा जाएगा जो प्राप्त किए गए प्ररूप-38-1 को संकलन करने के पश्चात् प्ररूप-37 भाग-II में रिजल्ट शीट तैयार करेगा और प्ररूप-39 पर परिणाम घोषित करेगा।

76. मतपत्रों की संवीक्षा और अस्वीकृति.—मत पेट्री में अन्तर्विष्ट मत पत्र अस्वीकार किए जाएंगे यदि :—

- (क) इस पर कोई चिन्ह या लिखित हो जिसमें मतदाता की पहचान हो सकती हो ;
- (ख) यह जाली मत पत्र हो ;
- (ग) यह इस तरह से अतिश्रुत या विभिन्न रूप का हो गया हो जिससे उसकी पहचान कि यही वास्तविक मत पत्र है, नहीं की जा सकती हो ;
- (घ) इस पर ऐसी क्रमांक संख्या हो या इसकी ऐसी शकल हो जो किसी विशिष्ट मतदान केन्द्र पर प्रयोग के लिए प्राधिकृत मत पत्र का क्रमांक संख्या या शकल से यथास्थिति भिन्न हो ;
- (ङ) इस पर ऐसा कोई चिन्ह नहीं है जो नियम 57 के उप-नियम (3) के उपबन्धों के अधीन उस पर लगा होना चाहिए था ;
- (च) यह पीठासीन अधिकारी द्वारा चिन्हित नहीं किया गया हो ;
- (छ) यह एक से अधिक स्तम्भों के स्तम्भों पर चिन्हित किया गया हो ;
- (ज) यह ऐसा उपस्कर द्वारा और ऐसी रीति में चिन्हित किया गया हो जो इस प्रयोजन के लिए विहित उपस्कर और रीति से भिन्न हो ;

परन्तु जहां रिटनिंग अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत ऐसा अन्य अधिकारी ने अपने समाधान करने पर निर्देश दिया है कि खण्ड (घ) या खण्ड (ङ) में उल्लिखित कोई ऐसी त्रुटि, मतदान केन्द्र पर प्रयोग में लाए गए किन्हीं मत पत्रों या सभी के बारे में, पीठासीन अधिकारी या सम्बंधित मतदान अधिकारी की ओर से की गई गलती या असफलता के कारण हुई है तो जिसको अन्वेष्टा कर दिया जाए तो मत पत्र खण्ड (घ) या खण्ड (ङ) के अधीन ऐसी त्रुटि के मातृ आधार पर अस्वीकार नहीं किया जाएगा परन्तु यह और कि यदि मतदाता द्वारा लगाया गया चिन्ह मत पत्र के दो स्तम्भों में फैल जाता है तब मत उस अभ्यर्थी के हक में गिना जाएगा जिसके स्तम्भ में चिन्ह का ज्यादा भाग आता हो।

(2) उप-नियम (1) के अधीन किसी मत पत्र को अस्वीकार करने से पूर्व रिटनिंग अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत ऐसा अन्य अधिकारी प्रत्येक उपस्थित गणन अभिर्ता को मत पत्र पर निरीक्षण करने का युक्तियुक्त अवसर देगा और उसे या किसी अन्य मत पत्र को छूने की अनुज्ञा नहीं देगा।

(3) रिटनिंग अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत ऐसे अन्य अधिकारी अस्वीकृत मत पत्र पर अक्षर (अस्वीकृत) और संक्षिप्त रूप में अस्वीकार के आधारों को अपन हाथ से या रबड़ की मोहर द्वारा अभिलिखित करेगा।

(4) इस नियम के अधीन सभी अस्वीकृत पत्रों को एक साथ बांधा जाएगा।

77. गणना की निरन्तरता—रिटनिंग अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत ऐसा अन्य अधिकारी जहां तक व्यह्वार्य हो, मतों की गणना की निरन्तरता बनाए रखेगा और किसी अन्तराल के दौरान जब गणना लम्बित की जाती हो तो निर्वाचन से सम्बन्धित मत पत्रों, पैकेटों और अन्य बागज पत्रों को अपनी मोहर और ऐसे अभ्यर्थियों या निर्वाचन अभिर्ताओं या गणना अभिर्ताओं जो अपनी मोहरें लगाने के लिए इच्छुक हो, की मोहरों से मोहर बन्द करेगा और ऐसे अन्तरालों के दौरान उनकी सुरक्षित अभिरक्षा के लिए पत्रों तथा सावधानियां रखने का प्रबन्ध करवाएगा।

78. मतदान के पश्चात् गणना की सकारित करण.—(1) यदि नियम 71 के अधीन पुनः मतदान होता है, तो रिटनिंग अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी मतदान के समापन पर मतों की गणना उसके द्वारा इस निमित्त नियत तारीख, समय और स्थान पर प्रारम्भ करेगा और जिसकी सुचना अभ्यर्थियों या निर्वाचन अभिर्ताओं को पहले ही दी जा चुकी हो।

(2) नियम 76 और 77 के उपबन्ध जहाँ तक हो अगली गणना के लिए लागू होंगे।

79. मतों की पुनःगणना—(1) गणना के समापन के पश्चात् रिटर्निंग अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी रिजल्ट-शीट तैयार करेगा और नियम 73 में यथा विहित रीति में परिणाम घोषित करेगा।

(2) परिणाम घोषित किए जाने के पश्चात् अभ्यर्थी या उसकी अनुपस्थिति में उसका निर्वाचन अधिकारी या गणना अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को पहले मतों की पुनः गणना करने के लिए, उन आधरों का पथन करते हुए जिन पर वह ऐसा पुनः गणना की मांग करता है, लिखित रूप में आवेदन करेगा।

(3) पुनः गणना के आवेदन पर रिटर्निंग अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी विषय में विनिश्चय करेगा और पूर्णतः या भागतः आवेदन को स्वीकार या अस्वीकार कर सकेगा यदि उसे यह निश्चय और अतिरिक्त प्रतीत होता है।

(4) उप-नियम (3) के अधीन रिटर्निंग अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी के प्रत्येक विनिश्चय लिखित रूप में होगा और उसमें उसके कारणों अन्तर्विष्ट होंगे।

(5) यदि रिटर्निंग अधिकारी या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी, उप-नियम (3) के अधीन किसी आवेदन पर पूर्णतः या भागतः स्वीकार करने का विनिश्चय करता है तो वह:—

(क) अपने विनिश्चय के अनुरार मत पत्रों की पुनः गणना करेगा;

(ख) ऐसी पुनः गणना के पश्चात् आवश्यक विस्तार तक रिजल्ट-शीट का संशोधन करेगा; और

(ग) उसके द्वारा इस प्रकार किए गए संशोधन की घोषणा करेगा।

(6) उप-नियम (1) या उप-नियम (5) के अधीन प्रति अभ्यर्थी को मतदान लिए गए पूर्ण मतों की संख्या घोषित करने के पश्चात् रिटर्निंग अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत ऐसा अन्य अधिकारी, रिजल्ट शीट तैयार करेगा और हस्ताक्षरित करेगा और उसके पश्चात् पुनः गणना के लिए किसी आवेदन पर विचार नहीं करेगा।

परन्तु गणना के समापन पर इस नियम के अधीन तब तक कोई दम नहीं उठाया जाएगा जब तक कि उसके समापन पर उपस्थित अभ्यर्थियों और निर्वाचन अधिकारियों को उप-नियम (2) द्वारा प्रदत्त अधिकार के प्रयोग का युक्तियुक्त प्रचार नहीं दे दिया जाता।

80. मतों की समानता—यदि मतों की गणना के पूरा होने के पश्चात् किसी अभ्यर्थियों के बीच मतों में समानता पाई जाती है और एक मत की बहुतायत उनमें से किसी अभ्यर्थी को निर्वाचित घोषित किए जाने का हवाला बताता है तो रिटर्निंग अधिकारी तुरन्त उन अभ्यर्थियों के बीच लॉट द्वारा विनिश्चय करेगा और निर्वाचन के लिए अग्रार होगा जिस अभ्यर्थी को ओर लॉट जाता है उसने एक अतिरिक्त मत प्राप्त कर लिया है।

#### अध्याय-8

#### निर्वाचन के कागज पत्र

81. अभ्यर्थियों की जमा राशियों का सभ्यहरण या वापसी—(1) नियम 37 के अधीन जमा या तो जमा करने वाले व्यक्तियों को या उनके विधिद्वारा प्रतिनिधि को वापस किया जाएगा या इस नियम के उपबन्धों के अनुसार राज्य सरकार को समर्पित किया जाएगा।

(2) इस नियम में इसमें इसके पश्चात् वर्णित मामलों के सिवाए, निर्वाचन के परिणाम घोषित करने के पश्चात् जमा यथाशक्य शीघ्रता से वापस किया जाएगा।

(3) यदि अभ्यर्थी को निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची में दर्जित नहीं किया गया हो या यदि मतदान के प्रारम्भ से पहले ही उसकी मृत्यु हो जाती है तो जमा यथाशक्य शीघ्र सूचि के प्रकाशन के पश्चात् या उसकी मृत्यु के पश्चात् वापस किया जाएगा।

(4) उप-नियम (3) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए जमा सम्पन्न हो जाएगा, यदि निर्वाचन पर मतदान किया गया हो और अभ्यर्थी निर्वाचित नहीं हुआ हो तथा उसको डाले गए वैध मतों की संख्या सभी अभ्यर्थियों को डाले गए वैध मतों की पूर्ण संख्या के छठवें भाग से अधिक न हो।

82. निर्वाचन सम्बन्धित कागज पत्रों की अभिरक्षा.—ग्राम पंचायत के सदस्यों, प्रधान, उप-प्रधान, और पंचायत समिति के सदस्य के निर्वाचन से सम्बन्धी कागज-पत्र खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी के कार्यालय में सुरक्षित अभिरक्षा में रखे जाएंगे और जिला परिषद् के सदस्यों के निर्वाचन से सम्बन्ध कागज पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) के कार्यालय में सुरक्षित अभिरक्षा में रखे जाएंगे।

83. निर्वाचन कागज पत्रों का प्रस्तुतीकरण और निरीक्षण.—जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) की अभिरक्षा क दौरान:—

(क) अप्रयुक्त मतपत्रों के पाकेट;

(ख) प्रयुक्त मतपत्रों के पाकेट चाहे वैध, निविदत्त या अस्वीकृत; और

(ग) मतदाता की चिन्हित प्रतिलिपियों के पाकेट सूचियां नहीं खोले जाएंगे और उनकी विषय वस्तु सक्षम न्यायालय के आदेश के सिवाए किसी व्यक्ति या प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित नहीं की जाएगी या उनके समक्ष प्रस्तुत नहीं की जाएगी।

84. निर्वाचन कागज पत्रों का निपटारा.—नियम 83 में निर्दिष्ट पाकेट एक वर्ष की अवधि के लिए रखे जाएंगे और उसके पश्चात् राज्य सरकार या राज्य निर्वाचन आयोग या सक्षम न्यायालय द्वारा या लम्बित विधिक कायवाहियों में दिए गए प्रतिकूल किसी निर्देश के अधधीन नष्ट किए जाएंगे।

## अध्याय 9

### पंचायत समिति के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन

85. निर्वाचन की बैठक.—(1) पंचायत समिति के निर्वाचित सदस्यों के परिणामों की घोषणा के पश्चात् सम्बन्ध उपायुक्त द्वारा या इन निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत खण्ड विकास और पंचायत अधिकारी के सिवाए कोई अन्य अधिकारी (इसमें इसके पश्चात् पीठासीन अधिकारी के रूप में निर्दिष्ट) अपनी अध्यक्षता के अधीन अधिनियम की धारा 127 के अधीन शपथ या राज्य निष्ठा के प्रतिज्ञान के प्रयोजन लिए और अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए यथाशक्य शीघ्र तारीख नियत करेगा, जो अधिनियम की धारा 79 के अनुसार परिणामों की घोषणा से एक सप्ताह के पश्चात् की नहीं होगी।

(2) पीठासीन अधिकारी सभी हकदार सदस्यों को प्ररूप-40 में कार्य वाहियों में भाग लेने के लिए सूचना जारी करेगा।

- (3) ऐसी सूचना की एक प्रतिलिपि पंचायत समिति कार्यालय के सूचना पट पर प्रदर्शित की जाएगी।
- (4) बैठक की तारीख से कम से कम पांच दिन पूर्व उनके स्थायी पते पर सूचना भेजी जाएगी और जिसमें बैठक की तारीख, समय, स्थान और प्रयोजन अन्तर्विष्ट होंगे।
- (5) ऐसी बैठक के लिए गणपूर्ति कुल निर्वाचित सदस्यों का दो तिहाई होगी या
- (6) अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी यथा स्थिति लिखित रूप में नामनिर्दिष्ट किया जाएगा। और प्रूप-41 में नामांकन पत्र दो या सदस्यों जिनमें एक प्रस्थापक और दूसरा समर्थक होगा। किसी भी सदस्य को एक पद के लिए एक अभ्यर्थी से अधिक का प्रस्थापित या समर्थित करने की अनुमति नहीं होगी। अधिनियम की धारा 127 के अधीन शपथ देने या राज्यनिष्ठता का प्रतिज्ञान करने के पश्चात् एक घण्टे के भीतर नामांकन पत्र पीठासीन अधिकारी को परिदत्त किया जाएगा। इन नियमों के उल्लंघन में हस्ताक्षरित और परिदत्त कोई नामांकन पत्र अविधिमान्य होगा और पीठासीन अधिकारी द्वारा ऐसा घोषित किया जाएगा।
- (7) पीठासीन अधिकारी द्वारा सदस्यों की उपस्थिति में नामांकन पत्रों के परिदत्त के लिए आवंटित एक घण्टे के समापन के पश्चात् उनकी संवीक्षा की जाएगी। किसी नामांकन पत्र के प्रति आक्षेप पीठासीन अधिकारी द्वारा अभिलिखित किया जाएगा जो प्रत्येक नामांकन पत्र पर उचित विचार करने के पश्चात् स्वीकार या अस्वीकार करेगा। किसी आक्षेप को अस्वीकार किए जाने की दशा में वह इसके कारणों को अभिलिखित करेगा।
- (8) बैठक या पीठासीन अधिकारी बैठक में पढ़ेगा :—
- (क) अभ्यर्थी का नाम जिसका नामांकन पत्र अविधिमान्य घोषित किया गया है और उसके वारण; और
- (ख) समयक रूप से नाम निर्दिष्ट अभ्यर्थियों के नाम।
- (9) (1) यदि निर्वाचन के लिए मात्र एक ही अभ्यर्थी हो तो वह समयक रूप से निर्वाचित घोषित किया जाएगा।
- (2) यदि किसी पद के लिए कोई नामांकन पत्र दायर न किया गया हो या यदि किसी पद के लिए कोई अभ्यर्थी समयक रूप से नामनिर्दिष्ट नहीं किया गया हो या यदि सभी अभ्यर्थियों जिन्होंने नामांकन पत्र दायर किए हैं अपने नामांकन पत्रों को वापिस ले लेते हैं, तो इस तथ्य की रिपोर्ट राज्य निर्वाचन आयोग को अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार पद भरने की आगामी कार्यवाही करने के लिए भेजी जाएगी।
- (10) यदि अभ्यर्थियों की संख्या एक से अधिक हो तो निर्वाचन गुप्त मतदान द्वारा किया जाएगा।
- (11) पीठासीन अधिकारी प्रत्येक अभ्यर्थी को हिन्दी की देवनागरी लिपि में वर्णक्रम से लिखे गए उनके नामों के सन्दर्भ में क्रम संख्या देगा और प्रत्येक अभ्यर्थी को समनुदेशित क्रम संख्या, को सदस्यों के सामने घोषित करेगा।
- (12) पीठासीन अधिकारी निर्भालिखित प्ररूप में मत पत्र को तैयार करवाएगा।

#### मतपत्र

पंचायत समिति

निर्वाचन के अभ्यर्थियों के नाम

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)

इत्यादि

तारीख. ....

हस्ताक्षर,  
बैठक के पीठासीन अधिकारी।  
(नामपत्र मोहर सहित)

(13) मतपत्र बैठक के पीठासीन अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किए जाएंगे और एक पत्र प्रत्येक सदस्य को हरेक निर्वाचन के लिए दिया जाएगा जो उस अभ्यर्थी के नाम के सामने क्रम (X) या चिन्ह लगाया जाये मत देना चाहता है यदि सदस्य निरक्षरता, अन्धापन या अन्य शारीरिक अक्षमता के कारण मत अंकित करने के लिए अयोग्य हो जाता है तो बैठक का पीठासीन अधिकारी ऐसे सदस्य की इच्छा के अनुसार मत पत्र पर मत अंकित करेगा। मतपत्र सदस्य द्वारा न तो हस्ताक्षरित किया जाएगा न ही किसी अन्य दंग से चिन्हित किया जाएगा जिससे उसकी पहचान का पता लग सके। यदि चिन्हित पत्र इस तरह से हस्ताक्षरित, या विकृत हो जाता तो मत शून्य हो जाएगा।

(14) मतपत्र प्रयोजन के लिए उचितपेटी में डाला जाएगा।

(15) (1) पीठासीन अधिकारी मतदान समाप्त होने के तुरन्त पश्चात् उपस्थित सदस्यों की उपस्थिति में मतपत्रों की पेटी को खोलेगा, मतपत्रों को गिनेगा और उनकी संख्या कथन में अभिलिखित करेगा :—

(2) मतपत्र अधिमान्य होगा:—

(क) यदि इस पर सदस्य के हस्ताक्षर हो या कोई शब्द हो या कोई 10 पृष्ठ रूपण हो जिससे उनकी पहचान हो सके; या

(ख) यदि उस पर एक से अधिक अभ्यर्थियों के सामने चिन्ह लगे हों; या

(ग) यदि उस पर चिन्ह ऐसे लगाया है जिससे यह संदेह हो जाये किस्मन एक या दो या अधिक अभ्यर्थियों को दिया गया है, या

(घ) यदि उस पर कोई चिन्ह नहीं लगाया गया हो, या

(ङ) यदि उस पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं हुए हों।

(16) मतदान के अन्त में पीठासीन अधिकारी, मतों की सर्वाधिक संख्या प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी को, सम्यक रूप से निर्वाचित घोषित करेगा।

(17) मतों की समानता की दशा में, निर्वाचन का निष्पक्ष पीठासीन अधिकारी द्वारा लाठ द्वारा किया जाएगा।

(18) पीठासीन अधिकारी बैठक में व्यवस्था बनाए रखेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि निर्वाचन निष्पक्ष संचालित किया गया है।

19. बैठक की समाप्ति के तुरन्त पश्चात् पीठासीन अधिकारी :—

(क) बैठक की कार्यवाहियों का अभिलेख तैयार करेगा और उन्हें हस्ताक्षरित करेगा। बैठक में कोई सदस्य यदि चाहता है तो ऐसे अभिलेख पर उसे हस्ताक्षर चिपकान की अनुमति होगी; और

(ख) अधिनियम की धारा 126 के उपबन्धों के अनुसार विहित प्राधिकारी की हैसियत से स्वयं हस्ताक्षरित करके प्रारूप-42 में सूचना, उसमें निर्वाचित व्यक्तियों को दर्शाते हुए, पंचायत समिति के सूचना पट पर प्रकाशित करेगा और ऐसे नोटिस की एक प्रतिलिपि जिला निर्वाचन अधिकारी को भेजेगा।

(20) (क) पीठासीन अधिकारी प्रत्येक निर्वाचन के सम्बन्ध में गिने गए और अस्वीकार किए गए मतपत्रों को पृथक-2 पेटियों में डालेगा, प्रत्येक पेटि को मोहर बन्द करेगा और उस पर उसकी विषय वस्तु, निर्वाचन जिससे

यह सम्भव है, और उसकी तारीख का वर्णन करेगा। ऐसी मोहर बन्द पेटियों को सक्षम न्यायालय के आदेशाधीन के सिवाए खोला, नहीं जाएगा, इसकी विषय वस्तु का निरीक्षण या प्रस्तुतिकरण नहीं किया जाएगा।

(ख) मत पत्र, जिला निर्वाचन अधिकारी की सुरक्षित अधिरक्षा में एक वर्ष तक रहेगा, और उसके पश्चात् तब तक नष्ट किया जाएगा जब तक कि सक्षम न्यायालय द्वारा अन्यथा निर्देशित न हो, या लिपिक कार्य लम्बित हो।

#### अध्याय--10

#### जिला परिषद के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन

86. निर्वाचन के लिए बैठक.--(1) जिला परिषद के निर्वाचित सदस्य के परिणाम की घोषणा के पश्चात्, सम्बन्धित उपायुक्त, अधिनियम की धारा 127 के अधीन राज्यनिष्ठा के प्रति ज्ञान या शपथ के प्रयोजन के लिए, और यथा शक्य शीघ्र किन्तु अधिनियम की धारा 90 के अनुसार घोषणा से एक सप्ताह से अधिक नहीं, जिला परिषद का अध्यक्ष अपनी अध्यक्षता में (इसमें इसके पश्चात् पीठासीन अधिकारी के रूप में निर्देशित) जिला परिषद के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए बैठक की तारीख नियत करेगा।

(2) उपायुक्त सभी निर्वाचित सदस्यों को प्ररूप-40 में सूचना जारी करेगा।

(3) ऐसी सूचना की एक प्रति जिला परिषद कार्यालय और उपायुक्त के कार्यालय पर प्रदर्शित की जाएगी।

(4) ऐसी बैठक की गणपूर्ति कुल निर्वाचित सदस्यों का 2/3 होगी।

(5) सूचना ऐसी बैठक 5 दिन पूर्व उनके स्थाई पतों पर प्रेषित की जाएगी और इसमें बैठक की तारीख, समय और प्रयोजन अन्तर्विष्ट होगा।

(6) यथास्थिति, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी प्ररूप-41 में नामांकन पत्र भरेगा जो दो निर्वाचित सदस्यों द्वारा, एक द्वारा प्रस्थापक के रूप में और दूसरे द्वारा समर्थक के रूप में हस्ताक्षरित किया जाएगा। किसी भी सदस्य को एक से अधिक अभ्यर्थियों को प्रस्ताव और समर्थन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अधिनियम की धारा 127 के अधीन शब्द दिलाए जाने या राज्य निष्ठा के प्रति ज्ञान कराने के पश्चात् घण्टे के भीतर नामांकन पत्र पीठासीन अधिकारी को दिए जाएंगे। इन नियमों के उल्लंघन में हस्ताक्षर किए गए या दिए गए, किसी नामांकन पत्र अवैधमान्य होगा और पीठासीन अधिकारी द्वारा ऐसा घोषित किया जाएगा।

(7) पीठासीन अधिकारी नामांकन पत्र की सवीक्षा नामांकन पत्रों को देने के लिए आवंटित एक घण्टे के अवसान के पश्चात् सदस्यों की उपस्थिति में करेगा। पीठासीन अधिकारी द्वारा, किसी नामांकन के प्रति आक्षेप अभिलिखित की जाएगी जो ठीक विचार करने के पश्चात् प्रत्येक नामांकन को अस्वीकार या स्वीकार करेगा। किसी आक्षेप की अस्वीकृति की स्थिति में प्रत्येक अस्वीकृति के लिए कारणों को संक्षिप्त में अभिलिखित करेगा।

(8) बैठक का पीठासीन अधिकारी बैठक में निम्नलिखित पढ़ेगा :--

(क) उन अभ्यर्थियों के नाम जिनके नामांकन पत्रों के अवैधमान्य घोषित किया गया हो और उसके कारण; और

(ख) सम्यक रूप से नामनिर्दिष्ट अभ्यर्थियों के नाम।

(9) (1) यदि निर्वाचन के लिए केवल एक ही अभ्यर्थी हो तो वह सम्यक रूप से निर्वाचित घोषित किया जाएगा।



(2) यदि किसी स्थान के लिए नामांकन दाखल किए जाते हैं या यदि किसी स्थान के लिए सम्पर्क रूप में किसी भी अभ्यर्थी को नाम निर्दिष्ट नहीं किया जाता या यदि सभी नाम निर्दिष्ट अभ्यर्थी अपने नामांकन पत्रों को वापस लेते हैं तो इस तथ्य की रिपोर्ट राज्य निर्वाचन आयोग को अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार स्थान भरने की आगामी कार्यवाही करने के लिए भेजी जाएगी।

(10) यदि अभ्यर्थियों की संख्या एक से अधिक हो तो निर्वाचन गुप्त मतदान द्वारा किया जाएगा।

(11) पीठासीन अधिकारी प्रत्येक अभ्यर्थी को उनके वर्ण क्रमानुसार हिन्दी देवनागरी लिपि में लिखे नामों के प्रति निर्देश देगा और तब प्रत्येक अभ्यर्थी को दी गई क्रम संख्या, सदस्यों को घोषित करेगा।

(12) पीठासीन अधिकारी मतपत्र को निम्नलिखित प्रश्न में तैयार करेगा:—

मतपत्र

..... विज्ञापन पत्र .....

निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी का नाम

1.

2.

3.

आदि.

बैठक के पीठासीन अधिकारी  
के मोहर सहित हस्ताक्षर।

(13) पीठासीन अधिकारी द्वारा मत पत्रों को हस्ताक्षरित किया जाएगा और एक-एक पत्र प्रत्येक निर्वाचित सदस्य को प्रत्येक निर्वाचन के लिए दिया जाएगा जो अभ्यर्थी, जिसे वह मत देना चाहता हो, को सामने क्रॉस (X) करेगा। यदि सदस्य निरक्षरता, अन्धपन या अन्य शारीरिक अक्षमता के कारण अपना मत देने में असमर्थ हो तो बैठक का पीठासीन अधिकारी, ऐसे सदस्य की इच्छा के अनुसार मतपत्र पर मत रिकार्ड करेगा। सदस्य द्वारा मत पत्र हस्ताक्षरित नहीं किया जाएगा न ही किसी अन्य प्रकार से चिह्नित किया जाएगा जिससे उसकी पहचान का पता चले। यदि पत्र, इस प्रकार हस्ताक्षरित या चिह्नित या विकृत किया जाता है तो मत शून्य होगा।

(14) मतपत्र, प्रयोजन के लिए उपबन्धित पेटी में डाला जाएगा।

15. (1) मतदान के समापन के तुरन्त पश्चात् पीठासीन अधिकारी उपस्थित सदस्यों की उपस्थिति में मतपत्रों वाली पेटी को खोलेगा, उनकी गणना करेगा और कथन में उनकी संख्या का अभिलेख करेगा।

(2) मतपत्र अविधिमाम्य होगा:—

(क) यदि उन पर सदस्य के हस्ताक्षर या शब्द या दिखाई देने वाला कोई संकेत हो जिससे उसकी पहचान की जा सकती हो; या

(ख) यदि उस पर एक या अधिक सदस्यों के सामने चिह्न लगाया गया हो या

(ग) यदि उस पर चिह्न इतने प्रकार अंकित किया गया हो जिससे यह संदेह हो कि एक या दो या अधिक अभ्यर्थियों को आशयित मत दिया गया हो; या

(घ) उस पर कोई चिह्न न लगाया गया हो; या

(ङ) उस पर पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर न हुए हों।

(16) मतदान के क्षत्त में पीठासीन अधिकारी सबसे अधिक मत प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी को सम्पर्क रूप से निर्वाचित घोषित करेगा।

(17) मतों की समानता की वशा में, पीठासीन अधिकारी द्वारा, लाठ द्वारा निर्वाचन का ध्वनिचिह्न किया जाएगा।

(18) बैठक का पीठासीन अधिकारी, बैठक में व्यवस्था बनाए रखेगा और ध्यान रखेगा कि निर्वाचन निष्पक्ष रूप से संचालित हुआ है।

(19) बैठक के समापन के तुरन्त पश्चात् पीठासीन अधिकारी निम्नलिखित करेगा :—

(क) बैठक की कार्यवाहियों या अभिलेख तैयार करेगा और इसे हस्ताक्षरित करेगा। बैठक में कोई सदस्य ऐसे अभिलेख पर अपने हस्ताक्षर बिचकाने के लिए अनुज्ञात होगा यदि वह ऐसा चाहता हो; और

(ख) निर्वाचित सदस्यों के नाम कथित करता हुआ अधिनियम की धारा 126 के उपबन्धों के अनुसार विहित प्राधिकारी की हैसियत से प्रसंग 42 में सूचना को स्वयं हस्ताक्षरित करके पंचायत के सूचना पट्ट पर प्रकाशित करेगा।

(20) पीठासीन अधिकारी प्रत्येक निर्वाचन में सम्मिलित होने गए और अस्वीकार किए गए मतपत्रों को पृथक्-पृथक् पैकेटों में रखेगा। ऐसी पैकेटों को मोहर बन्द करेगा और उन पर उनकी विषयवस्तु निर्वाचन जिससे वे सम्बन्धित हैं, और उनकी तारीख के वर्णन की छिपनी करेगा। इस प्रकार मोहर बन्द किए गए पैकेटों को खोला नहीं जाएगा और मध्यम न्यायालय में आदेशाधीन के सिवाय उनकी विषयवस्तु का निरीक्षण या उनका प्रस्तुतीकरण नहीं किया जाएगा।

(ख) पैकेट जिला निर्वाचन अधिकारी की सुरक्षित अभिरक्षा में एक वर्ष तक रहेगी और उसके पश्चात् नष्ट की जाएगी जब कि मध्यम न्यायालय या लिखित विधिक कार्यवाहियों द्वारा अन्वेषण निविष्ट न किया जाए।

अध्याय—11

### अध्यायों के लिए आरक्षण

87. ग्राम पंचायतों के प्रधानों के पदों का आरक्षण.—(1) ग्राम पंचायत के प्रत्येक निर्वाचन में पूर्व राज्य सरकार या इस द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी इस अधिनियम की धारा 126 के उपबन्धों के अनुसार खण्ड में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के लिए ग्राम पंचायत के प्रधानों के आरक्षित किए जाने वाले पदों की संख्या अधिधारित करेगा।

(2) प्रधानों के पदों के आरक्षण के प्रयोजन के लिए सामान्य प्रवर्ग, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं की जनसंख्या की गणना ग्राम सभा के अमानुसार की जाएगी।

(3) प्रत्येक खण्ड में ग्राम पंचायत के प्रधानों के पद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए, राज्य में उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित किए जाएंगे और अनुसूचित जाति की अधिकतम जनसंख्या वाली ग्राम सभा, अनुसूचित जाति के सदस्यों के लिए आरक्षित की जाएगी और अनुसूचित जनजाति की अधिकतम जनसंख्या वाली ग्राम सभा, अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए आरक्षित की जाएगी।

(4) यदि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए आरक्षित किए जाने वाले पदों की संख्या एक से अधिक है तो अल्पतम अधिकतम जनसंख्या वाली अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की ग्राम सभा, यथास्थिति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए आरक्षित रखी जाएगी और बागे में ही क्रम जारी रहेगा।

परन्तु यदि खण्ड में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की कुल जनसंख्या, कुल जनसंख्या के 8 प्रतिशत से कम हो, तो कोई भी पद आरक्षित नहीं रह जायेगा।

(5) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए आरक्षित पदों में से एक तिहाई पद यथास्थिति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिला सदस्यों के लिए आरक्षित होंगे, और खण्ड में जिस ग्राम सभा में, यथास्थिति अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की जनसंख्या अधिकतम होगी ऐसी महिलाओं के लिए आरक्षित पदें जायेंगी।

(6) यदि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के सम्बन्धित महिलाओं के लिए यथास्थिति आरक्षित किए जाने वाले पदों की संख्या एक से अधिक हो तो यथास्थिति अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित महिलाओं की अधिकतम जनसंख्या रखने वाली ग्राम सभा ऐसी महिलाओं के लिए आरक्षित होगी। अधिकतम जनसंख्या की महिलाओं के लिए इसी प्रकार कम जारी रहेगा।

(7) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को सम्बन्धित करते हुए) के पदों की छोड़कर समस्त पदों में एक तिहाई पद महिलाओं और जिस ग्राम सभा में महिलाओं की जनसंख्या अधिकतम होगी सामान्य प्रवर्ग महिलाओं के लिए आरक्षित होगी और बागे भी ऐसा ही कम जारी रहेगा।

(8) जनसंख्या के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और सामान्य प्रवर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षित पद, प्रथम निर्वाचन की तारीख से प्रत्येक पांच वर्ष बाद चक्रानुक्रम से होंगे। ग्रामी निश्चित के समस्त अगली जनसंख्या के अधिकतम प्रतिशतता वाली ग्राम सभा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए आरक्षित होगी। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और सामान्य प्रवर्ग की महिलाओं को सम्बन्धित करते हुए (और पहले आरक्षित पद सामान्य प्रवर्ग के सदस्यों के लिए आरक्षित होंगे) और ऐसा ही कम पञ्चायतों निर्वाचन के लिए होगा।

परन्तु किसी निश्चित प्रवर्ग के लिए किसी पद के आरक्षण की तब तक पुनरावृत्ति नहीं की जायेगी जब तक कि खण्ड में अन्य समस्त पद चक्रानुक्रम के अन्तर्गत नहीं आ जाते।

(9) इस निष्पत्ति के अधीन किया गया आरक्षण राज्य सरकार या इस निर्मित प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अन्तिम रूप दिया जायेगा और ऐसे आरक्षण के आवेग की प्रति उसके तथा ग्राम पंचायत और पंचायत समिति के कार्यालय में लिपिकरूप व्यापक प्रसार दिया जायेगा और आदेश को राजपत्र में प्रकाशन हेतु प्रेषित राज्य सरकार को भेजी जायेगी। और यह अधिसूचना खण्ड में, प्रधान के पदों के आरक्षण का निश्चयक सबूत होगी।

३४ पंचायत समिति में अध्यक्ष के पदों का आरक्षण — (1) पंचायत समिति के प्रत्येक निर्वाचन के पूर्व राज्य सरकार या इसके द्वारा इस निर्मित प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी, अधिनियम की धारा 125 के उपबन्धों के अनुसार, जिले में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के लिए आरक्षित की आने वाली पंचायत समिति के अध्यक्ष के पदों की संख्या को अधिारित करेगा।

(2) पंचायत समितियों के अध्यक्ष के पदों के आरक्षण के प्रयोजन के लिए, सामान्य प्रवर्ग, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं की जनसंख्या पंचायत समिति द्वारा निर्धारित जायेगी।

(3) प्रत्येक जिले में पंचायत समिति के अध्यक्ष का पद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए राज्य में उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित रह जायेगा। अनुसूचित जाति की अधिकतम जनसंख्या वाली पंचायत समिति अनुसूचित जाति के सदस्यों के लिए आरक्षित होगी और अनुसूचित जनजाति की अधिकतम जनसंख्या वाली पंचायत समिति, अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए आरक्षित रखी जायेगी।

(4) यदि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए आरक्षित किए जाने वाले पदों की संख्या एक से अधिक हो तो अगली अधिकतम जनसंख्या वाली अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की पंचायत समिति यथास्थिति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए आरक्षित होगी और आगे भी ऐसा ही क्रम जारी रहेगा।

(5) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए आरक्षित पदों में से यथास्थिति एक तिहाई पद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित महिला सदस्यों के लिए आरक्षित होंगे और यथास्थिति जिले में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित महिलाओं की अधिकतम जनसंख्या वाली पंचायत समिति, ऐसी महिलाओं के लिए आरक्षित रखी जायेगी।

(6) यदि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाने वाले पदों की संख्या, यथास्थिति एक से अधिक है तो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति, की महिलाओं की अगली अधिकतम जनसंख्या वाली पंचायत समिति, ऐसी महिलाओं के लिए आरक्षित रखी जायेगी, और आगे भी ऐसा ही क्रम जारी रहेगा।

(7) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को सम्मिलित करते हुए) के लिए आरक्षित पदों को छोड़कर, समस्त पदों में से एक तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे और महिलाओं की अधिकतम जनसंख्या वाली पंचायत समिति सामान्य प्रवर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षित होगी और आगे भी ऐसा ही क्रम जारी रहेगा।

(8) जनसंख्या के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और सामान्य प्रवर्ग को महिलाओं के लिए आरक्षित पद, प्रथम निर्वाचन की तारीख से प्रत्येक पांच वर्ष बाद चक्रानुक्रम से होंगे। आगामी निर्वाचन के समय अगली अधिकतम जनसंख्या वाली पंचायत समिति अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और सामान्य प्रवर्ग से सम्बन्धित महिलाओं को सम्मिलित करते हुए और पहले आरक्षित पद सामान्य प्रवर्ग के सदस्यों के लिए आरक्षित होंगे और ऐसा ही क्रम पञ्चातवर्ती निर्वाचनों के लिए होगा परन्तु किसी विशिष्ट प्रवर्ग के लिए किसी पद का आरक्षण तब तक दोहराया नहीं जायेगा जब तक कि जिले में अन्य समस्त पद चक्रानुक्रम के अन्तर्गत नहीं जा सकते।

(9) इस नियम के अधीन किया गया आरक्षण को राज्य सरकार या इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा अन्तिम रूप दिया जायेगा और उसके आगे पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद के कार्यालय में सूचना पट पर ऐसे आरक्षण की आदेश की प्रति चिपकाकर व्यापक प्रचार किया जायेगा और उसकी प्रति राजपत्र में आदेश के प्रकाशन हेतु सरकार को भी भेजी जायेगी और यह अधिसूचना, जिलों में अध्यक्ष के पद के आरक्षण का निश्चयक स्वरूप होगा।

89. जिला परिषद में अध्यक्ष के पदों का आरक्षण.—(1) जिला परिषद के प्रत्येक निर्वाचन से पूर्व राज्य सरकार या इसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी, अधिनियम की धारा 125 के उपबन्धों के अनुसार राज्य में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाने वाले जिला परिषद के अध्यक्ष के पदों की संख्या अवधारित करेगा।

(2) जिला परिषद के अध्यक्ष के पदों के आरक्षण के प्रयोजन के लिए सामान्य प्रवर्ग, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं की जनसंख्या जिला परिषद-वार निकाली जायेगी।

(3) राज्य में जिला परिषद के अध्यक्ष के पद, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए राज्य में उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित रखे जायेंगे। अनुसूचित जाति की अधिकतम जनसंख्या वाली जिला परिषद अनुसूचित जाति के सदस्यों के लिए आरक्षित होगी और अनुसूचित जनजाति की अधिकतम जनसंख्या वाली जिला परिषद, अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए आरक्षित रखी जायेगी।

(4) यदि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए आरक्षित किए जाने वाले पदों की संख्या एक से अधिक हो, तो अधिकतम जनसंख्या वाली अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की जिला परिषद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए, यथास्थिति आरक्षित होंगी और आगे भी ऐसा ही क्रम जारी रहेगा।

(5) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए आरक्षित पदों में से यथास्थिति एक तिहाई पद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित महिला सदस्यों के लिए आरक्षित होंगे और, यथास्थिति राज्य में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित महिलाओं की अधिकतम जनसंख्या वाली जिला परिषद, ऐसी महिला के लिए आरक्षित रखी जायेगी।

(6) यदि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित महिलाओं के लिए आरक्षित किये जाने वाले पदों की संख्या, यथास्थिति एक से अधिक है तो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की अगली अधिकतम जनसंख्या वाली जिला परिषद, यथास्थिति ऐसी महिलाओं के लिए आरक्षित रखी जायेगी और आगे भी ऐसा ही क्रम जारी रहेगा।

(7) समस्त स्थानों में से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित स्थानों (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित महिलाओं को सम्मिलित करके) को अपवर्जित करते हुए एक तिहाई स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे और अगली अधिकतम जनसंख्या वाली जिला परिषद सामान्य महिला के लिए आरक्षित होगी और आगे भी इसी प्रकार क्रम जारी रहेगा।

(8) जनसंख्या की प्रतिशतता के आधार पर अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा सामान्य प्रवर्ग से सम्बन्धित महिलाओं के लिए आरक्षित पद, प्रथम निर्वाचन की तारीख से प्रत्येक पांच वर्ष के बाद चक्रानुक्रम से आरक्षित होंगे। अगले निर्वाचन के समय अगली अधिकतम प्रतिशत की जनसंख्या वाली जिला परिषद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और सामान्य प्रवर्ग की महिलाओं को सम्मिलित करते हुए (और पहले वाला आरक्षित स्थान सामान्य प्रवर्ग के सदस्य के लिए अन्तर्रक्षित रखा जायेगा) और पश्चातवर्ती निर्वाचन के लिए यही क्रम चलना रहेगा।

परन्तु किसी विशिष्ट प्रवर्ग के लिए आरक्षित किसी पद की तब तक पुनरावृत्ति नहीं होगी, जब तक की राज्य के अन्य सभी स्थान चक्रानुक्रम द्वारा इस परिधी में नहीं आ जाते।

9. इस नियम के अधीन किए गए आरक्षण को राज्य सरकार या उसकी ओर से प्राधिकृत अन्य अधिकारी द्वारा अन्तिम रूप दिया जायेगा और उनके द्वारा ऐसे आरक्षण के आदेश की एक प्रति अपने कार्यालय और ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद के कार्यालय के सुचना पटों पर चिपका करके व्यापक रूप से प्रचार दिया जायेगा। और वह ऐसे आदेश की प्रति सरकार की राजपत्र में आदेश के प्रकाशन के लिए भेजेगा और यह अधिसूचना जिले में अधक्ष के पद के आरक्षण के लिए निश्चय्य सन्नत होगी।

90. राज्य निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट.—सरकार इन नियमों के अधीन किए गए अन्तिम परिसंमन और आरक्षण और आरक्षण आदेश जारी किए जाने के पश्चात् शीघ्र इसकी एक प्रति राज्य निर्वाचन आयोग को भेजेगी।

91. अन्य विभागों से सहायता.—राज्य निर्वाचन आयोग किसी भी विभाग के किसी सरकारी अधिकारी/पब्लिकरी की, निर्वाचन के सुचारु और शान्तिपूर्वक संचालन के लिए सहायता प्राप्त कर सकेगा।

92. खर्चों की सीमा.—राज्य निर्वाचन आयोग, पंचायत के निर्वाचन के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा अवगत खर्चों की सीमा नियत करेगा और अभ्यर्थी से निर्वाचन में हुए खर्चों के बारे में ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करने को कह सकेगा जो राज्य निर्वाचन आयोग विहित करें।

## अध्याय-12

## निर्वाचन सम्बन्धी विवाद और अपीलें

93. निर्वाचन सम्बन्धी विवाद.—पंचायतों के निर्वाचन से सम्बन्धी विवाद अधिनियम के अध्याय-11 के उपबन्धों के अनुसार निपटारें जायेंगे।

94. अर्जियों का प्रस्तुत किया जाना.—(1) अधिनियम की धारा 163 के अधीन निर्वाचन याचिका प्रार्थित अधिकारी को प्रस्तुत की जायेगी जिसकी क्षेत्रीय अधिकारिता के अधीन, यथास्थिति, ग्राम पंचायत, पंचायत समिति या जिला परिषद स्थित है।

(2) यदि निर्वाचन याचिका के साथ प्रत्यार्षी की संख्या के बराबर याचिका और इसमें अनुसूचकों की प्रतियाँ संलग्न करेंगी।

(3) अधिनियम की धारा 164 की उप-धारा (1) के परन्तुक में निर्दिष्ट अवधि-पत्र प्रारम्भ 43 में होगा और जो मैजिस्ट्रेट को दिखाना जायेगा।

95. याचिका के साथ प्रतिभूति निक्षेप का दिया जाना.—याचिका निर्वाचन याचिका को प्रस्तुत करने समय प्रतिभूति राशि के रूप में 300 रु० भराने खाते या उप-खजाने में पश्चित शीर्ष लेख के अधीन उक्त प्रार्थित अधिकारी के नाम जमा करवाया जायेगा जिसे याचिका प्रस्तुत की गई या की जानी है।

96. याचिका कापिब लेना.—(1) निर्वाचन याचिका याचिका द्वारा उक्त प्रार्थित अधिकारी की अनुज्ञा के बिना कापिब लेना नहीं जायेगा जिसे यथा स्थिति याचिका प्रस्तुत की गई है या अन्तरित की गई हो।

(2) जब याचिका कापिब लेने का आवेदन किया गया हो तो इसकी सूचना याचिका के द्वारा सभी पक्षकारों को दी जायेगी, जिसमें आवेदन की मुनवाई की तारीख मियत होगी।

(3) याचिका कापिब लेने का कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा, यदि प्रार्थित अधिकारी जिसे याचिका यथास्थिति प्रस्तुत या अन्तरित की गई है, की राय में ऐसा आवेदन किसी मोदीवाजी या प्रतिकूल के अधीन प्रेषित होकर किया गया हो, जिसकी अनुमति नहीं दी जा सकती है।

(4) यदि आवेदन स्वीकार कर लिया जाता है तो प्रार्थित अधिकारी, जिसे यथास्थिति याचिका प्रस्तुत है या अन्तरित की गई है, प्रतिभूति निक्षेप के सम्बन्ध में अधिनियम की धारा 177 में अधिवर्धित उपबन्धों के अनुसार आदेश पारित करेगा।

परन्तु उक्त याचिका कापिब लेने का आवेदन प्रार्थित अधिकारी द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है तो आदेश की एक प्रति निर्देशक को भेजी जायेगी।

97. जांच का स्थान और प्रक्रिया.—(1) जांच का स्थान सम्बन्धित प्रार्थित अधिकारी या मुख्यालय होगा जिसे याचिका प्रस्तुत या अन्तरित की गई है।

परन्तु प्रार्थित अधिकारी जिसे यथास्थिति याचिका प्रस्तुत या अन्तरित की गई है का सम्मान होने पर की विशेष परिस्थितियों विद्यमान हैं जिसमें यह कोष्ठनियत हो जाता है कि जांच किसी अन्य स्थान पर होनी चाहिए, तो वह एक प्रयोजन के लिए कोई अन्य सुविधाजनक स्थान नियत कर सकेगा।

(2) सर्वसाधारण जनता को उस स्थान पर जाने के लिए स्वतन्त्रता होगी जहाँ निर्वाचन याचिका पर जांच की जायेगी।

(3) जांच के लिए मजबूत तथा स्थान की सुचना, पत्रकारों को सुनवाई की प्रथम तारीख में पूर्ण सेवा प्रदाता को भीतर की जायेगी जो सात दिन में काम न हो।

98. याचिका के आदेशों की सूचना :—प्राधिकृत अधिकारी, जिसे यथास्थिति, निर्वाचन याचिका प्रस्तुत या अन्तर्गत की गई है निर्वाचन याचिका की सुनवाई की समाप्ति पर, आदेश की एक प्रति शीघ्र प्राधिकारी और निदेशक को भेजेगा।

### अपील

99. अपील प्रस्तुत करने में प्रक्रिया :—(1) अधिनियम 174 और 178 के अधीन प्राधिकृत अधिकारी द्वारा किए गए आदेश से अपील कोई व्यक्ति तीन दिन की अवधि के भीतर अधिनियम की धारा 181 में निर्दिष्ट प्राधिकारियों को अपील कर सकता है।

परन्तु अपील प्राधिकारी उक्त तीन दिन की अवधि के अवधान के पश्चात् अपील ग्रहण कर सकेगा यदि उसका मतभ्रम हो जाता है कि अपीलार्थी अपील को समय पर पर्याप्त हेतुओं से विचारित आधार करने में दुर्गम था।

(2) इस अधिनियम के अधीन अपील करने के लिए परिसीमा की अवधि की संगणना करते समय, आदेश की प्रति प्राप्त करने में व्यतीत अवधि अपवादित की जायेगी।

(3) अपीलार्थी या उसके सहायक रूप से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा उप-नियम (1) के अधीन की गई प्रक्रिया अपील ज्ञापन के रूप में होगी और जिसके साथ खजाना चालान संलग्न होगा जिसके द्वारा 200 रुपये की कीमत के रूप में सरकारी खजाने या उस खजाने में समुचित शीर्ष लेखों के अधीन इस अपील प्राधिकारी के नाम जमा किए जायेंगे, जिसे अपील प्रस्तुत की गई हो या की जानी हो। ज्ञापन में, जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, के प्रति आक्षेप वर्णित होंगे, और उस आदेश की प्रति भी ज्ञापन के साथ संलग्न की जायेगी।

(4) उप-नियम (1) के अधीन अपील की प्राप्ति पर अपील अधिकारी प्राधिकृत अधिकारी, जिसके आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, से अभिलेख संग्रहण और पक्षकारों को सुनवाई के अवसर प्रदान करने और ऐसी और जांच यदि कोई हो, जो आवश्यक हो, करने के पश्चात् ऐसे आदेश पारित करेगा जो वह उचित समझता हो और अपील प्राधिकारी का आदेश अन्तिम होगा।

(5) अपील में पारित किए गए आदेश की प्रति निदेशक को भेजी जायेगी।

100. अपील का उपशमन :—यदि अपील पर विनिश्चय से पूर्व अपीलार्थी या प्रतिवादी की मृत्यु हो जाती है तो अपील का उपशमन हो जायेगा, अपील प्राधिकारी इस दबाए गए नोटिस अन्तर्गत और निदेशक पंचायती राज हिमाचल प्रदेश को भिजवायेगा।

101. निरसन आदि व्याख्यातियाँ :—(1) हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत और पंचायत समिति (निर्वाचन) नियम, 1991, हिमाचल प्रदेश जिला परिषद् (सदस्यों का सहयोग) नियम, 1973 और हिमाचल प्रदेश पंचायत समिति (सदस्यों का सहयोग) नियम, 1973 का एतद्भाग निरसन किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, इस प्रकार निरसित नियमों (जिनके अन्तर्गत जारी किए गए आदेश और दिए गए निर्देश भी हैं) के अधीन की गई कोई बात या सुनवाई इन नियमों के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन संशोधन की गई समझी जायेगी।

प्रकरण-1

(नियम 15 देखें)

निर्वाचक नामावली के प्रकाशन की सूचना

प्रेषित :

ग्राम सभा/पंचायत समिति/जिला परिषद

..... जिला, हिमाचल प्रदेश ।  
 के ..... निर्वाचन क्षेत्र संख्या  
 ..... के मतदाता ।

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि निर्वाचक नामावली, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1984 के अनुसार तैयार की गई है और उसकी प्रति मेरे कार्यालय और ग्राम पंचायतों/पंचायत समितियों/जिला परिषदों ..... के कार्यालय में निरीक्षण के लिए कार्यालय समय में उपलब्ध है ।

यदि निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित किए जाने के लिए कोई दावा हो, या किसी नाम के सम्मिलित किए जाने सम्बन्धों कोई आक्षेप हो या किसी प्रविष्टि में किन्हीं, विविधियों के सम्बन्ध में कोई आक्षेप हो तो उसे जहाँ तक समुचित हो प्राप्ति 2, 3 और 4 में तारीख ..... 199..... को या उससे पूर्व प्रस्तुत किया जा सकेगा ।

प्रत्येक ऐसा दावा या आक्षेप पुनरीक्षण प्राधिकारी (पूरा पता ..... को सम्बोधित किया जाना चाहिए और यह या तो व्यक्तिगत रूप में या अभिप्रेत के माध्यम से प्रस्तुत किया जाना चाहिए या रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाना चाहिए ताकि उक्त तारीख के भीतर उसके पास पहुँच जाये ।

स्थान ..... जिला निर्वाचन  
 तारीख ..... अधिकारी (पंचायत) ।

प्रकरण-2

[नियम 18 (1) और 24 देखें]

(नाम सम्मिलित करने के लिए आक्षेप)

प्रेषित :

पुनरीक्षण प्राधिकारी पंचायत निर्वाचन  
 हिमाचल प्रदेश ।

महोदय,

मेरे निवेदन कथन है कि मेरा नाम ..... ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला  
 परिषद ..... के लिए ..... निर्वाचन क्षेत्र की  
 निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किया जाए ।

मेरा पूरा नाम .....  
 मेरे पिता/माता/पति का नाम .....



मेरे निवास स्थान का विवरण .....  
 मकान संख्या .....  
 गली/मुहल्ला/ग्राम .....  
 डाक घर .....  
 तहसील और जिला .....

मैं एतद्वारा अपनी पूर्ण ज्ञान तथा विश्वास से घोषणा करता हूँ:--

- (1) मैं भारत का नागरिक हूँ ;
- (2) मेरी आयु राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निम्न 14 के अधीन खण्ड (ड) द्वारा अधि-  
 सूचित तारीख को ..... वर्ष ..... मास थी ;
- (3) मैं प्रायः उपर्युक्त पता पर निवास करता हूँ ;
- (4) मैंने किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र को निर्वाचक नामावली में अपने नाम को सम्मिलित करने  
 के लिए आवेदन नहीं किया है ।
- (5) मेरा नाम उन उपर्युक्त ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद् के किसी निर्वाचन  
 क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में सम्मिलित नहीं किया गया है या हो सकता है कि मेरा  
 नाम ..... निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में निम्न-  
 लिखित पते पर सम्मिलित किया गया हो। यदि ऐसा है तो मैं निवेदन करता हूँ  
 कि उसे निर्वाचक नामावली से निकाल दिया जाये ।

स्थान .....  
 तारीख .....

दावेदार के हस्ताक्षर/  
 निम्नान् अंगुठा  
 (पूरा डाक पता) ।

मैं निर्वाचक नामावली के उसी भाग में सम्मिलित हूँ जिसमें दावेदार में सम्मिलित किए जाने  
 के लिए आवेदन किया है, अर्थात् ..... से सम्बन्धित भाग में .....  
 मेरा उसमें क्रमांक ..... है। मैं इस दावे का समर्थन करता हूँ और इसे प्रति हस्ताक्षरित  
 करता हूँ ।

सहायता के हस्ताक्षर  
 पूरा नाम और पता .....

\*जो अनावश्यक हो उसे काट दें।

टिप्पण.—यदि कोई व्यक्ति मिथ्या कथन या घोषणा करता है तो उसे प्रवृत्ति विधि के अनुसार दण्डित किया  
 जाएगा ।

## प्रारूप-3

(निम्न 18 देखें)

नाम सम्मिलित किए जाने पर आक्षेप

प्रेषित:

पुनरीक्षण प्राधिकारी,

निर्वाचन क्षेत्र .....

महोदय,

मैं ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद् ..... के निर्वाचन के ..... की निर्वाचक नामावली में क्रम संख्या ..... पर श्री ..... के नाम को सम्मिलित किए जाने के सम्बन्ध में निम्नलिखित कारणों से आक्षेप करता हूँ :-

मैं एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि उक्त तथ्य मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही हैं मेरा नाम इस निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में निम्न प्रकार से सम्मिलित किया गया है ।

पूरा नाम .....

पिता/पति/माता का नाम .....

क्रम संख्या .....

ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद् से सम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्र का नाम तथा संख्या .....

आक्षेपकर्ता के हस्ताक्षर/

अंगूठा दिशात

(पूरा डाक पता) ।

मैं उसी निर्वाचक नामावली में दर्ज निर्वाचक हूँ जिसमें आक्षेपित व्यक्ति का नाम है अर्थात् ..... ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद् के निर्वाचन क्षेत्र का नाम ..... और संख्या .....

मेरी उसके क्रम संख्या ..... है मैं इस आक्षेप का समर्थन करता हूँ तथा इसको प्रतिहस्ताक्षरित करता हूँ ।

निर्वाचक के हस्ताक्षर/

निशान अंगूठा

(पूरा डाक पता) ।

टिप्पणी.—कोई भी ऐसा व्यक्ति जो कोई ऐसा कथन या घोषणा करता है जो मिथ्या है और जिसकी वायें वह जानता है या विश्वास करता है कि मिथ्या है या उसका सत्य होने में विश्वास नहीं करता है प्रवृत्त बिधि के अनुसार दण्डनीय होगा ।

प्रकरण-4

(नियम 18 और नियम 23 देखें)

किसी भी प्रविष्टि में विविधियों सम्बन्धी आक्षेप

प्रार्थन:

पंचायत निर्वाचन के लिए

पुनरीक्षण अधिकारी,

निर्वाचन क्षेत्र।

निवेदन है कि ..... के निर्वाचन क्षेत्र ..... की निर्वाचक नामावली में  
क्रम संख्या ..... पर मेरे ने सम्बन्धित प्रविष्टि अशुद्ध है। इसे निम्नलिखित रूप में शुद्ध  
किया जाये :—

स्थान  
तारीख

निर्वाचक के हस्ताक्षर/  
अंगूठा निशान  
(पूरा डार पता)

प्रकरण-5

[नियम 18(4) और 20(1) देखें]

नाम सम्मिलित करने के लिए दावों का रजिस्टर ..... ग्राम पंचायत/पंचायत  
समिति/जिला परिषद् ..... निर्वाचन क्षेत्र

क्रम संख्या	नाम पिता का नाम व पता	दावा प्रस्तुत करने की तारीख	पक्षकारों की उपस्थिति में टिप्पणी सहित विनिश्चय की तारीख	विनिश्चय स्वीकृति
1	2	3	4	5

पुनरीक्षण प्राधिकारी  
के हस्ताक्षर

पुनरीक्षण अधिकारी के विनिश्चय की कार्यान्वयन करने  
वाले पदधारी के हस्ताक्षर और तारीख

6

7

8

प्ररूप-6

[नियम 18(4) और 20(1) देखें]

नाम सम्मिलित किए जाने सम्बन्धी

..... ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद् .....

निर्वाचन क्षेत्र ।

क्रम संख्या	वह व्यक्ति जिसके सम्बन्ध में आक्षेप किया गया है	निर्वाचक नामावली में क्रम संख्या	नाम, पिता/पति का नाम और पता तथा आक्षेपकर्ता का पता	आक्षेपकर्ता की निर्वाचन नामावली में क्रम संख्या	आक्षेप प्रस्तुत करने की तारीख
1	2	3	4	5	6

पक्षकारों की उपस्थिति की वास्तु टिप्पणी सहित विनिश्चय की तारीख	विनिश्चय	स्वीकृत/अस्वीकृत	पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर	पुनरीक्षण प्राधिकारी के विनिश्चय की कार्यान्वयन करने वाले पदधारी के हस्ताक्षर और तारीख
7	8	9	10	11

प्ररूप-7

[नियम 18(4) और 20(1) देखें]

प्रतिष्ठ की विनिष्ठियों सम्बन्धी आक्षेप का रजिस्टर

.....ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद.....

निर्वाचन क्षेत्र

आक्षेपकर्ता का नाम सं०	आक्षेप प्रस्तुत करने की तारीख	निर्वाचक नामावली में यथाविद्यमान विनिष्ठियां	आक्षेपकर्ता द्वारा यथा आवेदित शुद्ध विनिष्ठियां	स्वीकृत—अस्वीकृत	विनिष्ठय
---------------------------	----------------------------------	--	---	------------------	----------

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

पुनरीक्षण अधिकारी के हस्ताक्षर	पुनरीक्षण प्राधिकारी के विनिष्ठय को कार्यान्वित करने वाले पदधारी के हस्ताक्षर तथा तारीख
--------------------------------	--

8

9

प्ररूप-8

[नियम 19(1) देखें]

दायों की सूची

.....ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद.....निर्वाचन क्षेत्र ।

प्राप्ति की तिथि	क्रम संख्या	दावेदार का नाम	पिता/पति/माता का नाम	पता	सुनवाई की तारीख, समय और स्थान
------------------	-------------	-------------------	-------------------------	-----	----------------------------------

1

2

3

4

5

6

पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर

## प्रारूप-9

[निबन्ध 19(1) देखें]

नाम सम्मिलित किए जाने सम्बन्धी आक्षेपों की सूची

.....ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद.....निर्वाचन क्षेत्र।

प्राप्ति की तारीख	क्रम संख्या	आक्षेपकर्ता का पूरा नाम	जिसके लिए आक्षेप किया गया है उसका नाम व विनिश्चिष्टता	प्रतिष्ठा की क्रम सं० निर्वाचक नामावली में	संक्षिप्त आक्षेप	सुनवाई की तारीख और समय
1	2	3	4	5	6	7

पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर

## प्रारूप-10

[निबन्ध 19(1) देखें]

प्रतिष्ठानों में विनिश्चिष्टों सम्बन्धी आक्षेप सूची

प्राप्ति की तारीख	क्रम संख्या	आक्षेप करने वाले निर्वाचक का नाम	निर्वाचक नामावली की प्रतिष्ठा की क्रम सं० और भाग संख्या	आक्षेप का स्वरूप	सुनवाई की तारीख समय और स्थान
1	2	3	4	5	6

पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर

प्रत्य-11

[नियम 19(2) 14]

बाबू की सुनवाई सुचना

(बाबू का पूरा नाम और पता)

सन्दर्भ,--आक्षेप संख्या

निम्नलिखित नामावली में नाम सम्मिलित किए जाने के लिए आपको बाबू की सुनवाई (स्थान) 199 के दिन दिन को की जाएगी। आपकी स्वयं या प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा ऐसे साक्ष्यों द्वारा ऐसे साक्ष्यों सहित जो आप प्रस्तुत करना चाहें, सुनवाई के समय उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।

स्थान  
तारीख

पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर  
निर्वाचन क्षेत्र

प्रत्य-12

[नियम 19(2) की देखें]

आक्षेप की सुनवाई के लिए सुचना

प्रति:

(आक्षेपकर्ता का पूरा नाम व पता)

सन्दर्भ,--आक्षेप संख्या

..... नाम सम्मिलित किए जाने के सम्बन्ध में आपको आक्षेप पर सुनवाई (स्थान) में ..... के नाम के ..... दिन को की जाएगी। आपको निर्देश दिया जाता है कि ..... (मास का नाम) आप स्वयं या अपने प्राधिकृत, अभिकर्ता द्वारा ऐसे साक्ष्यों सहित जो आप प्रस्तुत करना चाहें सुनवाई के समय उपस्थिति हों।

स्थान  
तारीख

पुनरीक्षण प्राधिकारी

प्रकरण-13

[नियम 19(2) देखें]

निर्वाचक नामावली में (किस) प्रविष्टि में विविष्टियाँ सम्बन्धी आक्षेप के सुनवाई की सूचना

प्रेषित:

(आक्षेपकर्ता का पूरा नाम तथा पता) .....

सन्दर्भ:—आक्षेप संख्या: .....

आपके सम्बन्धित प्रविष्टियों के विषय में आपके आक्षेप की सुनवाई ..... स्थान में .....  
 वर्ष ..... 199 ..... के दिन को होगी। आपको निर्देश दिया जाता है कि आप स्वयं या  
 अपने प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा ऐसे साक्ष्य सहित जो आप प्रस्तुत करना चाहें सुनवाई के समय उपस्थित हों।

स्थान: .....

तारीख: .....

पुनरीक्षण प्राधिकारी,

निर्वाचन क्षेत्र ।

प्रकरण-14

[नियम 19(3) देखें]

आक्षेप की सुनवाई की सूचना

प्रेषित:

उक्त व्यक्ति का नाम व पूरा पता जिसके सम्बन्ध में आक्षेप किया गया है .....

सन्दर्भ:—आक्षेप संख्या: .....

आपके नाम को ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद ..... की निर्वाचक नामावली में .....  
 संख्या ..... पर सम्मिलित किए जाने/हटाए जाने सम्बन्धी ..... (आक्षेपकर्ता)  
 का पूरा नाम व पता के आक्षेप की सुनवाई ..... स्थान में ..... वर्ष  
 ..... 199 ..... (तारीख) को की जाएगी।

आपको निर्देश दिया जाता है कि आप स्वयं से या अपने प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा ऐसे साक्ष्यों सहित जो  
 आप प्रस्तुत करना चाहें सुनवाई के समय उपस्थित हों।

आक्षेप के आधार संक्षिप्त रूप से इस प्रकार है:—

(क) .....

(ख) .....

(ग) .....

स्थान: .....

तारीख: .....

पुनरीक्षण प्राधिकारी,

निर्वाचन क्षेत्र ।



प्रारूप-15

[नियम 21 (1) देखें]

निर्वाचक नामावली के अन्तिम प्रकाशन की सूचना

सावजनिक जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद के निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक नामावली के प्रारूप की संशोधन सूची, हिमाचल प्रदेश निर्वाचन नियम, 1992 के अनुसार तैयार हो गई है और उक्त निर्वाचक नामावली की एक प्रति संशोधनों की सूची सहित अन्तिम रूप में प्रार्थित कर दी गई है।

स्थान .....

तारीख .....

उभायुक्त।

प्रारूप-16

(नियम 23 देखें)

निर्वाचक नामावली में प्रविष्टि हटाए जाने के लिए आवेदन

सेवा में,

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत),  
जिला ..... (हि० प्र०)।

महोदय,

मैं यह निवेदन करता हूँ कि ..... निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली की क्रम संख्या ..... पर की गई प्रविष्टि जो श्री/श्रीमती ..... पुत्र/पुत्रियों/पुत्री ..... से सम्बन्धित है, को हटा दिया जाये, क्योंकि वह व्यक्ति निम्नलिखित कारणों से निर्वाचक नामावली में पंजीकृत किये जाने का हकदार नहीं है :—

.....  
.....

मैं एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि मैं इस निर्वाचक क्षेत्र का मतदाता हूँ तथा मेरा नाम क्रम सं० ..... पर दर्ज है।

स्थान .....  
तारीख .....

आवेदक के हस्ताक्षर/संगूठा  
या निशान  
पूरा पता .....

अनुचित शब्द गट दें।

टिप्पण.—कोई व्यक्ति, जो ऐसा कथन या घोषणा करता है जो मिथ्या है जिसको वह जानता है या विश्वास करता है कि मिथ्या या उसके सत्य होने का विश्वास नहीं करता है प्रवृत्त विधि के अनुसार दण्डनीय होगा।

(नियम 33 देखें)

## निर्वाचन कार्यक्रम का नोटिस

एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि.....

(1) ग्राम सभा के प्रधान/उप-प्रधान/ग्राम सभा के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक सदस्य, पंचायत समिति के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक सदस्य, जिला परिषद के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक सदस्य निर्वाचित करने के लिए, जैसे नीचे दी गई सारणी में दर्शाया गया है, निर्वाचन किया जाता है।

(2) अभ्यर्थी या उसके प्रस्थापक द्वारा नामांकन पत्र रिटर्निंग आफिसर के रूप में नियुक्त अधिकारी को नीचे दी गई सारणी में वर्णित स्थान, तारीख और समय पर परिदत्त किए जा सकेंगे :—

## सारणी

..... जिला की ..... (तहसील) में ..... (खण्ड)

जिला परिषद का नाम	जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम	पंचायत समिति का नाम	पंचायत समिति निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम	ग्राम सभा का नाम	ग्राम सभा के निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम
1	2	3	4	5	6

अधिकारी जिसके समक्ष नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे।

जिला परिषद के सदस्यों के लिए	पंचायत समितियों के सदस्यों के लिए	ग्राम पंचायत के प्रधान और उप-प्रधान के लिए	स्थान	तारीख और समय
7	8	9	10	11

(3) नामांकन पत्र के प्रारूप, यथा स्थिति, क्रमशः ग्राम पंचायत कार्यालय या स्तम्भ 7, 8, 9 में विनिर्दिष्ट, अधिकारी से और उक्त सारणी के स्तम्भ 10 और 11 में विनिर्दिष्ट स्थान और तारीख पर अभिप्राप्त किए जा सकेंगे।

(4) यथास्थिति, स्तम्भ 7, 8, 9 में विनिर्दिष्ट अधिकारी द्वारा और उक्त सारणी के स्तम्भ 10 में विनिर्दिष्ट स्थान पर ..... (समय) ..... (तारीख) को नामांकित पक्षों की संवीक्षा की जाएगी।

(5) अभ्यर्थिता वापिस लेने के नोटिस को, यथास्थिति, अभ्यर्थी या इस प्रयोजन के लिए अभ्यर्थी द्वारा लिखित रूप में सम्यक रूप से प्राधिकृत प्रस्थापक द्वारा स्तम्भ 7 या स्तम्भ 8 या स्तम्भ 9 में विनिर्दिष्ट स्थान पर ..... (तारीख) को ..... तक (समय) परित्यक्त किए जा सकेंगे।

(6) अभ्यर्थिता वापिस लेने के लिए नियत समय के अवधान के तुरन्त पश्चात्, यथास्थिति उक्त सारणी के स्तम्भ 7 या स्तम्भ 8, स्तम्भ 9 में विनिर्दिष्ट अधिकारी द्वारा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को प्रविष्टि आवंटित किए जायेंगे और निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची अपने कार्यालय के बाहर चिपवायेगा।

(7) निर्वाचन करवाए जाने की दशा में मतदान ..... नीचे दी गई सारणी में दी गई तारीख और स्थान पर ..... और ..... (समय) के बीच होगा।

(8) मतदान के सम्पूर्ण होने पर मतगणना निम्न सारणी में दिए गए स्थान, तारीख और समय पर कार्यक्रम की जायेगी और गणना के पश्चात् परिणाम घोषित किया जाएगा।

#### सारणी

जिला परिषद का नाम	जिला परिषद के निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम	ग्राम समिति का नाम	ग्राम समिति निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम	ग्राम सभा का नाम	ग्राम सभा के निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम
1	2	3	4	5	6

मतदान की तारीख	मतगणना का स्थान	मतगणना की तारीख और समय	ग्राम पंचायत के प्रधान, उप-प्रधान और सदस्य के परिणाम की घोषणा का स्थान, तारीख और प्राधिकृत अधिकारी का नाम	पंचायत समिति के सदस्य के परिणाम की घोषणा के लिए के स्थान और तारीख और प्राधिकृत अधिकारी का नाम
7	8	9	10	11

स्थान .....  
तारीख .....

उपायुक्त।

\*जो लागू न हो उसे काट दें।

टिप्पणी—एक ही निर्वाचन या उप-निर्वाचन की स्थिति में उक्त सारणियों के स्तम्भ/स्तम्भों को जो लागू नहीं होते हैं, भरने की आवश्यकता नहीं है।

## प्ररूप-18

(नियम 35 देखें)

## नामांकन पत्र

ग्राम सभा ..... की ..... (निर्वाचन क्षेत्र) से सदस्यों का निर्वाचन

ग्राम सभा ..... से प्रधान या निर्वाचन ..... पंचायत समिति .....  
के ..... निर्वाचन क्षेत्र से सदस्यों का निर्वाचन .....

जिला परिषद से ..... के ..... निर्वाचन क्षेत्र से सदस्यों का निर्वाचन .....

में उक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी का नामांकन करता हूँ:—

अभ्यर्थी का नाम .....  
पिता या पति का नाम .....  
डा ..... पता .....  
उ ..... नाम ग्राम सभा/पंचायत समिति/जिला परिषद ..... की ..... निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचन  
नामावली में क्रम संख्या ..... पर दर्ज है।मेरा नाम ..... ग्राम सभा/पंचायत समिति/जिला परिषद के निर्वाचन क्षेत्र .....  
के लिए निर्वाचन नामावली में क्रम संख्या पर दर्ज है।

तारीख .....

प्रस्थापक के हस्ताक्षर।

मैं, ..... उपर्युक्त, अभ्यर्थी, इस नामांकन से अनुमत हूँ और एतद्वारा घोषित करता हूँ कि:—

- (क) मैंने ..... वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है;
- (ख) मैं घोषणा करता हूँ कि मैंने राज्य सरकार, नगरपालिका, ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद या सहकारी सोसाइटी से सम्बन्धित या उस द्वारा या उनकी ओर से पट्टे पर ली गई अथवा अधिगृहीत की गई किसी भी भूमि का अधिग्रहण नहीं किया है और विधि के अधीन किन्हीं अन्य निरर्हताओं से भी ग्रस्त नहीं हूँ,
- (ग) मैं प्रागे घोषित करता हूँ कि मैं ..... जाति/जनजाति का सदस्य हूँ जो अनुसूचित जाति/जनजाति है।

तारीख .....

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर।

(स्टिपिंग आफिसर द्वारा भरा जाएगा)

नामांकन पत्र क्रम संख्या ..... यह नामांकन पत्र मुझे ..... अभ्यर्थी/प्रस्थापक द्वारा .....

(स्थान) पर ..... (समय) पर (तारीख) को परिष्कृत किया था।

तारीख .....

रिटनिंग अधिकारी,

(नामांकन पत्र को मजूर या न मजूर करने का रिटनिंग आफिसर का विनिश्चय) मैंने विधि के अनुसार नामांकन पत्र की परीक्षा कर ली है और मेरा विनिश्चय निम्नलिखित है

तारीख

रिटनिंग अधिकारी

उपर्युक्त अभ्यर्थी के नामांकन पत्र को न तो अस्वीकृत किया गया है, और न ही उसने अपनी अभ्यर्थिता वापिस ली है और इस लिए ..... (प्रतीक का नाम) एतद्वारा आवंटित किया जाता है।

तारीख .....

रिटनिंग अधिकारी

### नामांकन के लिए रसीद और संवीक्षा तथा नाम वापस लेने की सूचना

इस नामांकन पत्र प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति को साँपी जाएगी।

नामांकन पत्र की क्रम संख्या ..... पंचायत समिति ..... की .....  
ग्राम सभा के ..... निर्वाचन क्षेत्र/ग्राम ..... की पंचायत के निर्वाचन क्षेत्र  
से सदस्य/ग्राम पंचायत के प्रधान/उप-प्रधान, पंचायत समिति के सदस्य, जिला परिषद के सदस्य निर्वाचन  
के लिए ..... के निर्वाचन क्षेत्र।

पंचायत समिति के निर्वाचन क्षेत्र, जिला परिषद ..... के निर्वाचन क्षेत्र के लिए .....  
..... अभ्यर्थी के नामांकन पत्र अभ्यर्थी प्रस्थापक द्वारा मुझे को .....  
..... (तारीख) ..... (समय) पर मेरे कार्यालय में परिदत्त किए गए थे। सभी  
नामांकन पत्र की ..... (स्थान) ..... (तारीख) ..... (समय)  
पर संवीक्षा की जाएगी।

अभ्यर्थिता ..... (तारीख) ..... (समय) तक वापिस ली जा'सकेगी अभ्यर्थिता  
वापस लेने के लिए नियत समय के अवसान के तुरन्त पश्चात प्रतीक आवंटित किया जा सकगा।

तारीख .....

रिटनिंग अधिकारी।

## आरूप-19

(नियम 38 के तहत)

राज्य की ग्राम पंचायत संभाग समिति और जिला परिषद के निर्वाचन के लिए अग्रणी द्वारा की जाने वाली नामांकन या प्रतिज्ञा का पत्र

मैं ..... ग्राम पंचायत ..... / पंचायत समिति ..... जिला परिषद ..... में चले जाने वाले स्थानों के लिए नामांकित किया गया अग्रणी परमाणु के नाम का पत्र लेता हूँ/मैं यह निष्ठा प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं राज्य के सर्वोच्च न्यायाधीश द्वारा बनाया गया स्थापित मन्त्री सचिव और निष्ठा रखता हूँ और मैं राज्य की प्रगति और अर्थव्यवस्था को बनाए रखूंगा।

## आरूप-20

(नियम 38 के तहत)

## नामांकन की सूचना

..... निर्वाचन क्षेत्र में ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद के लिए निर्वाचन पत्र द्वारा सूचना दी जाती है उपरोक्त निर्वाचन के लिए कि निम्नलिखित नामांकन प्राप्त ..... 3 बजे दोपहर तक प्राप्त कर लिए हैं।

नामांकन पत्र की क्रम संख्या	अग्रणी का नाम	निर्वाचन क्षेत्र का नाम	अग्रणी की आयु	पता	स्थान/पद जिसके लिए अग्रणी नामांकित है
-----------------------------	---------------	-------------------------	---------------	-----	---------------------------------------

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

अग्रणी का नाम/अग्रणी के अग्रणी का नाम/अग्रणी का विवरण	निर्वाचन क्षेत्र नामांकन में अग्रणी का नाम	अग्रणी का नाम	निर्वाचन क्षेत्र नामांकन में अग्रणी का नाम
---	--	---------------	--

7	8	9	10
---	---	---	----

स्थान .....  
 तारीख .....

विधानसभा सचिव

यह पत्र निर्वाचन क्षेत्र के लिए है।

प्राप्त-21

[नियम 39 (8) देखें]

विभाजन प्राधिकार समिति की सूची

..... ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद् ..... नितीन क्षेत्र में नितीन ।

क्रम संख्या	समिति का नाम	पिता/पति का नाम	समिति का पता	स्थान/पद
1	2	3	4	5

स्थान .....

तारीख .....

.....

निदेशिका

\*जी लागू न हो पाए हैं ।

.....

प्राप्त-22

(नियम 40 देखें)

समिति की सूची की प्रतिलिपि

..... नितीन ।

जिला परिषद् ..... के ..... नितीन क्षेत्र में ..... पंचायत समिति  
 ..... के ..... नितीन क्षेत्र में ..... ग्राम पंचायत  
 ..... के ..... नितीन क्षेत्र में .....  
 पंचायत/पंचायत समिति नितीन ।

सेवा में,

रिटनिंग अधिकारी

.....

..... उक्त निर्वाचन के लिए नामांकित अभ्यर्थी एतद्द्वारा सूचना देता हूँ कि मैं अभ्यर्थिता वापिस लेता हूँ।

स्थान .....

तारीख .....

.....  
विधिमान्य नामांकित अभ्यर्थी के हस्ताक्षर।

यह सूचना मुझे अभ्यर्थी/श्री ..... अभ्यर्थी/अभ्यर्थी के प्रस्तावक/अभ्यर्थी के निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा ..... (तारीख) ..... (समय) मेरे कार्यालय में परित्त किया था :

तारीख .....

.....

रिटनिंग अधिकारी

\*जो लागू न हो काट दें।

नाम के वापिस लेने के लिए रसीद

(नोटिस परित्त करने वाले व्यक्ति को सौंपी जानी है )

वापिस लेने का नोटिस-----

..... निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी ..... (नाम) द्वारा अभ्यर्थिता वापिस लेने का नोटिस/अभ्यर्थी के प्रस्तावक/अभ्यर्थी के निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा मुझे ..... (तारीख) को ..... (समय) पर मेरे कार्यालय पर परित्त किया गया था।

तारीख .....

.....

रिटनिंग अधिकारी।

जो लागू न हो काट दें।



प्ररूप-23

[नियम 40 (3) देखें]

अभ्यथिता के वापसी की सूचना ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद ..... के लिए ..... निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन।

एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित अभ्यर्थी/अभ्यथियों ने उक्त निर्वाचन से अपनी अभ्यथिता/अभ्यथिताएं आज वापस ली हैं:—

अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी का पता	स्थान/पद जिसके लिए अभ्यथिता वापस ली गई है	आभ्युक्तिता
1	2	3	4
1.			
2.			
3.			
इत्यादि			

तारीख .....

स्थान .....

रिटनिंग अधिकारी।

प्ररूप-24

[नियम 41 (1) देखें]

ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद ..... के लिए ..... निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन।

क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी का नाम	आबंटत प्रतीक
1	2	3	4

तारीख .....

स्थान .....

रिटनिंग अधिकारी के हस्ताक्षर।

## प्ररूप-25

(नियम 43 में देखें)

पंचायत निर्वाचन

मैं ..... ग्राम पंचायत ..... (खण्ड) ..... से सदस्य  
 के निर्वाचन के लिए ग्राम पंचायत ..... (खण्ड) के प्रधान/उप-प्रधान के निर्वाचन के  
 लिए पंचायत समिति ..... के निर्वाचन क्षेत्र ..... से पंचायत समिति के  
 सदस्य के लिए/ज़िला परिषद ..... के निर्वाचन क्षेत्र सं० ..... में  
 होने वाले उक्त निर्वाचन के लिए एतद्वारा श्री ..... को निर्वाचन क्षेत्र  
 सं० ..... पर ..... जो निर्वाचन के लिए स्थान नियत  
 है निर्वाचन अभिर्ता नियुक्त करता हूँ ।

स्थान .....

तारीख .....

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर ।

मैं निर्वाचन अभिर्ता के रूप में कार्य करने के लिए सहमत हूँ ।

स्थान .....

तारीख .....

निर्वाचन अभिर्ता के हस्ताक्षर ।

अनुमोदित

स्थान .....

तारीख .....

स्टिटिंग अधिकारी के हस्ताक्षर ।

\*जो लागू न हो उसे काट दें ।

## प्ररूप-26

(नियम 44 देखें)

मतदान अधिकर्ता की नियुक्ति

..... ग्राम पंचायत ..... निर्वाचन क्षेत्र के लिए सदस्य एक  
 निर्वाचन/ग्राम पंचायत के प्रधान/उप-प्रधान/पंचायत/समिति ..... के निर्वाचन क्षेत्र  
 सं० ..... के लिए सदस्य का निर्वाचन ।

मैं श्री ..... को उक्त निर्वाचन के लिए एतद्वारा श्री .....  
को मतदान केन्द्र सं० ..... पर जो मतदान के लिए स्थान नियत है, मतदान अभिर्ता  
नियुक्त करता हूँ।

स्थान .....

तारीख .....

अभ्यर्थी/निर्वाचन  
अभिर्ता के हस्ताक्षर।

मैं मतदान अभिर्ता के रूप में कार्य करने के लिए सहमत हूँ।

स्थान .....

मतदान अभिर्ता के हस्ताक्षर।

तारीख .....

मतदान अभिर्ता की घोषणा जो पीठासीन अधिकारी के समक्ष हस्ताक्षरित की जाती है।

मैं एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि उक्त निर्वाचन में, मैं ऐसा कुछ नहीं करूंगा जो हिमाचल प्रदेश  
पंचायती राज अधिनियम, 1994 के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा निषिद्ध है।

मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए।

मतदान अभिर्ता के हस्ताक्षर।

स्थान .....

तारीख .....

\*जो लागू न हो काट दें।

प्रारूप-27

(नियम 45 देखें)

मतगणना अभिर्ता की नियुक्ति ग्राम पंचायत ..... के लिए .....

निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन .....

प्रधान ग्राम पंचायत .....

उप-प्रधान ग्राम पंचायत .....

सदस्य पंचायत समिति से ..... के लिए ..... निर्वाचन क्षेत्र

से ..... निर्वाचन .....

जिला परिषद् के लिए निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन।

निर्वाचन क्षेत्रों में निर्वाचित हुए हैं।

शिक्षात्मक कार्य में आचार्यजी की सेवा (निर्वाचन) नियम, 1004 का नियम 1/ में आचार्यजी की सेवा में, दी जाती है। कक्षा में

..... को सेवा में ..... (नाम)  
 नाम से निर्वाचित हुआ है।

.....

(हस्ताक्षर)

.....

विद्यार्थी आचार्यजी।

श्री श्री आचार्यजी की सेवा में।

अभी निर्वाचित हुए हैं।

(1) आचार्यजी ..... को ..... निर्वाचित होने से  
 सेवा में।

(2) आचार्यजी ..... से ममान का।

(3) आचार्यजी ..... से ममान का।

(4) आचार्यजी ..... को ..... निर्वाचित होने से सेवा में।

(5) आचार्यजी ..... को ..... निर्वाचित होने से सेवा में।

प्रमाणः (1)

(निर्वाचन (1) और (2) के)

आचार्यजी निर्वाचित।

सर्व प्रमाण

आचार्यजी ..... निर्वाचित होने से सेवा में निर्वाचित।

आचार्यजी ..... से ममान/ममान का निर्वाचित।

आचार्यजी ..... को ..... निर्वाचित होने से सेवा में निर्वाचित।

आचार्यजी ..... को ..... निर्वाचित होने से सेवा में निर्वाचित।

आचार्यजी ..... से

काम सेवा

काम सेवा

1. आचार्यजी की सेवा में आचार्यजी की सेवा में  
 आचार्यजी की सेवा में

2. आचार्यजी की सेवा में आचार्यजी की सेवा में

3. आचार्यजी की सेवा में (1/2-3)

4. प्रयुक्त मत पत्रों की संख्या परन्तु मत पेट्टी में  
अन्तःस्थापित नहीं

- (क) रद्द किए मत पत्रों की संख्या .....
- (ख) निविदत्त मतों के लिए प्रयुक्त मत पत्र .....
- (ग) मुद्रण/लिखित गलती के लिए रद्द किए मत  
पत्रों की संख्या .....

क+ख+ग .....

5. मत पेट्टी में मत पत्रों की संख्या .....

(3—4—5)

स्थान .....

पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर।

तारीख .....

प्ररूप-30  
(नियम 58 देखें)

उन मतों की सूची जिसमें आक्षेप किया गया ..... के निर्वाचन के लिए आक्षेप  
लिए गए मतों का विवरण।

ग्राम पंचायत ..... के ..... (निर्वाचन क्षेत्र) के लिए सदस्यों  
का निर्वाचन।

ग्राम पंचायत के प्रधान/उप-प्रधान के लिए निर्वाचन।

पंचायत समिति ..... के ..... निर्वाचन क्षेत्र के सदस्य का निर्वाचन।

जिला परिषद् ..... के ..... निर्वाचन क्षेत्र से सदस्यों का निर्वाचन।

मतदान केन्द्र संख्या ..... स्थान .....

क में 0	आक्षेपकर्ता का नाम	मतदाता का नाम	मतदाता सूची में क्रम संख्या	ग्राम का नाम जिससे मतदाता सूची संबद्ध है	आक्षेप लिए गए व्यक्ति का वर्तमान पता
1	2	3	4	5	6

आक्षेप किए गए व्यक्ति के पहचान वती का नाम यदि पीठासीन अधिकारी के आक्षेपवती के जमा के प्रतिपाद  
हस्ताक्षर/अंगूठा निशान कोई है आदेश प्राप्त करने पर हस्ताक्षर

7

8

9

10

स्थान .....

तारीख .....

पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर ।

\*जो असंगत है काट दें ।

टिप्पण :-पंच के मामले में निविदत्त मतों का विवरण सभी शब्दों के साथ इसी प्रपत्र पर अभिलिखित करें। मतदाता सूची में निर्वाचन क्षेत्र संख्या स्तम्भ 3 में क्रम संख्या के पश्चात् दर्शित करें।

### प्ररूप-31

(नियम 63 देखें)  
निविदत्त मतों की सूची

ग्राम पंचायत ..... के ..... निर्वाचन ..... क्षेत्र से सदस्य का निर्वाचन ।  
ग्राम पंचायत ..... से प्रधान/उप-प्रधान का निर्वाचन ।  
पंचायत समिति ..... के ..... निर्वाचन क्षेत्र से सदस्य का निर्वाचन ।  
जिला परिषद् ..... के ..... निर्वाचन क्षेत्र से सदस्य का निर्वाचन ।  
मतदान कन्द्र संख्या .....

क्र 0 सं 0 मतदाता का नाम निविदत्त मत पत्रों उस व्यक्ति मत निविदत्त करने  
मतदाता सूची में जिससे मतदाता की क्रम संख्या को जारी किए वाले व्यक्ति के  
सूची संबद्ध है गए मत पत्र की हस्ताक्षर व  
क्र सं 0 जिसमें अंगूठा निशान  
पहले ही मतदान  
कर दिया हो

1

2

3

4

5

6

7

स्थान .....

तारीख .....

पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर ।

## प्ररूप-32

(नियम 75 देखें)

निर्वाचन के लिए गणना का परिणाम पत्रक ग्राम पंचायत .....के .....निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन।

मतदान केन्द्र संख्या .....स्थान .....

क्र 0 सं 0 अभ्यर्थी/अभ्यर्थियों के नाम

अभ्यर्थी के पक्ष में डाले गए विधिमान्य मतों का जोड़

1.

2.

3.

4.

5.

6.

7.

8.

(क) विधिमान्य मतों की कुल संख्या .....

(ख) अस्वीकृत मतों की कुल संख्या .....

(ग) डाले गए मतों की कुल संख्या .....

(घ) निविदत्त मतों की कुल संख्या .....

(ङ) अभियुक्तियों .....

गणना का स्थान .....

तारीख .....

रिटर्निंग आफिसर (ग्राम पंचायत)

रिटर्निंग आफिसर द्वारा प्राधिकृत अधिकारी  
(ग्राम पंचायत)



प्ररूप-33

(नियम 75 देखें)

.....ग्राम पंचायत के निर्वाचन के विवरण का प्ररूप ।

.....निर्वाचन क्षेत्र के सदस्य का निर्वाचन ।

क्र० सं०	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी के पक्ष में डाले गए विधिमान्य मतों की संख्या
----------	-----------------	---

1	2	3
---	---	---

विधिमान्य मतों की कुल संख्या.....

अविधिमान्य मतों की संख्या.....

डाले गए कुल मतों की संख्या.....

मैं घोषणा करता हूँ कि ..... (नाम) ..... पता..... को सदस्य सम्पक निर्वाचित किया गया है ।

.....  
रिटनिंग अधिकारी (के हस्ताक्षर) ।

तारीख . . . . . 199...

रिटनिंग अधिकारी द्वारा प्राधिकृत  
अधिकारी के हस्ताक्षर ।

प्ररूप-34

(नियम 75 देखें)

प्रधान/उप-प्रधान के मतों की गणना का परिणाम पत्रक ।

ग्राम पंचायत ..... संख्या के मतदान केन्द्र में सम्मिलित .....

क्र० सं०	अभ्यर्थियों के नाम	अभ्यर्थियों के पक्ष में डाले गए विधिमान्य मत
1	2	3

- (अ) विधिमाम्य मतों की कुल संख्या.....
- (आ) अस्वीकृत मतों की कुल संख्या.....
- (इ) डाले गए कुल मतों की संख्या.....
- (ई) निविदस्त मतों की कुल संख्या.....

गणना का स्थान.....

तारीख.....

रिटनिंग अधिकारी  
को हस्ताक्षर/रिटनिंग अधिकारी  
द्वारा प्राधिकृत अधिकारी को हस्ताक्षर

प्ररूप-35

(नियम 75 देखें)

प्रधान/उप-प्रधान के निर्वाचन के लिए विवरण का प्ररूप

ग्राम पंचायत.....

प्रधान/उप-प्रधान के लिए निर्वाचन.....

क्रम सं०	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थियों के पक्ष में डाले गए विधिमाम्य मतों की संख्या
----------	-----------------	--

1

2

3

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.
- 6.
- 7.
- 8.

- (क) अविधिमाम्य मतों का कुल योग
- (ख) अविधिमाम्य मतों का कुल योग
- (ग) डाले गए वोटों का कुल योग (क+ख)
- (घ) निविदस्त मतों का कुल योग

में घोषणा करता हूँ कि :—

नाम  
पता

सम्पर्क रूप से निर्वाचित हुआ है

तारीख.....199.....

रिटनिंग अधिकारी/  
रिटनिंग अधिकारी द्वारा प्राधिकृत  
अधिकारी के हस्ताक्षर।

प्रसंग-36

पंचायत निर्वाचन

(नियम 75 देखें)

पंचायत समिति के निर्वाचन में मतों की गणना का परिणाम पत्र

क्रम सं०	अभ्यर्थियों का नाम	अभ्यर्थियों के पक्ष में डाले गए विद्यमान मतों की संख्या
1	2	3

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.
- 6.
- 7.
- 8.

(अ) विद्यमान मतों की कुल संख्या.....

(आ) अस्वीकृत मतों की कुल संख्या.....

(इ) डाले गए मतों की कुल संख्या (अ+आ).....

(ई) निव्विधत मतों की कुल संख्या.....

स्थान.....

तारीख.....

रिटनिंग अधिकारी/रिटनिंग अधिकारी द्वारा  
प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

## प्ररूप-37

(नियम 75 देखें)

## पंचायत समिति के सदस्यों के निर्वाचन का विवरण प्ररूप

पंचायत समिति ..... की ..... निर्वाचन क्षेत्र संख्या ..... से पंचायत समिति के सदस्य का निर्वाचन।

क्रम सं०	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी के पक्ष में डाले गए विधिमाम्य मतों की संख्या
1	2	3

विधिमाम्य मतों की कुल संख्या.....

डाले गए मतों की कुल संख्या.....

मैं घोषणा करता हूँ कि :—

नाम .....

पता .....

सम्यक् रूप से निर्वाचित हुआ है।

तारीख ..... 199....

रिटर्निंग अधिकारी।

प्रारूप-38 (भाग-1)

पंचायत निर्वाचन

(नियम 75 देखें)

..... जिला परिषद् के सदस्यों के मतों की गणना का परिणाम यह।

निर्वाचन क्षेत्र सं०.....

खण्ड स्तर की मतगणना

..... खण्ड में स्थित ..... निर्वाचन क्षेत्र सं०..... में जिला

परिषद् के सहायक केन्द्रों की संख्या.....

क्रम सं०	अभ्यर्थियों की संख्या	अभ्यर्थियों के पक्ष में डाले गए विधिमाम्य मतों की संख्या
1	2	3

- (क) विधिमानी मतों की कुल संख्या.....
- (ख) अस्वीकृत मतों की कुल संख्या.....
- (ग) डाले गए मतों की कुल संख्या.....
- (घ) निविदल मतों की कुल संख्या.....

मतगणना का स्थान.....

तारीख.....

रिटनिंग अधिकारी/रिटनिंग अधिकारी  
द्वारा प्राधिकृत अधिकारी ।

प्ररूप-38 (भाग-2)

(नियम 73 में देखें)

पंचायत निर्वाचन

जिला स्तर की मतगणना

..... जिला परिषद के सदस्यों की मतों की गणना का परिणाम पत्र ।

निर्वाचन क्षेत्र सं०.....

क्रम सं०	अम्पधियों का नाम	निभिन्न खण्डों में स्थित मतदान केन्द्रों में अम्पधियों द्वारा प्ररूपत किए गए मतों की संख्या			संख्या
1	2	खण्ड	खण्ड	खण्ड	

(क) विधि मान्य मतों की कुल संख्या.....

(ख) अस्वीकृत मतों की कुल संख्या.....

(ग) डाले गए कुल मतों की संख्या (ग+ख).....

(घ) निविदल मतों की कुल संख्या.....

मतगणना का स्थान.....

तारीख.....

रिटनिंग अधिकारी,  
रिटनिंग अधिकारी द्वारा  
प्राधिकृत (अधिकारी, जिला परिषद) ।

प्रारूप-39  
(नियम 75 देखें)

जिला परिषद सदस्यों के निर्वाचन के विवरण का प्रारूप

जिला परिषद ..... की ..... निर्वाचन क्षेत्र संख्या ..... में  
जिला परिषद सदस्य का निर्वाचन ।

क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी के पक्ष में डाले गए विधिमान्य मतों की संख्या
1	2	3

विधिमान्य मतों की संख्या .....

अविधिमान्य मतों की कुल संख्या .....

डाले गए मतों की कुल संख्या .....

मैं यह घोषणा करता हूँ कि

(नाम) .....

पता .....

सम्पर्क कर से निर्वाचित हुआ है।

रिटनिंग अधिकारी ।

प्रारूप-40

(नियम 85 और 86 देखें)

जिला परिषद/पंचायत समिति के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष का निर्वाचन

मैं,

प्राधिकारी,

जिला परिषद/पंचायत समिति

हिमाचल प्रदेश पंचायती राज निर्वाचन नियम, 1994 के नियम 85/86 के अनुसरण में मैं.....

(निम्नलिखित प्राधिकारी) एतद् द्वारा सूचित करता हूँ कि जिला परिषद/पंचायत

समिति की बैठक ..... तारीख को ..... बजे .....

(स्थान) पर, अधिनियम की धारा 79/90 के अन्वीन जिला परिषद/पंचायत समिति के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के निर्वाचन

और अप्रत्यक्ष निर्वाचन पर किए गए प्रतिज्ञान का अंतिम करने के लिए बुलाई जायेगी।

स्थान .....

तारीख .....

जो लागू न हो उसे काट दें।

निम्नलिखित प्राधिकारी

प्रारूप-41

(नियम 85 और 86 देखें)

जिला परिषद ..... और पंचायत समिति ..... के

अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के पद के निर्वाचन के लिए नामांकन पत्र का प्रारूप।

जिला परिषद/पंचायत समिति का नाम .....

अभ्यर्थी का पूरा नाम .....

विवरण सहित मतगणना सूची की क्रम संख्या .....

पिता/पति का नाम .....

पूर पता .....

प्रस्तावक का पूरा नाम .....

समर्थक का पूरा नाम .....

प्रस्तावक के हस्ताक्षर

स्थान .....

तारीख .....

## अभ्यर्थी द्वारा घोषणा

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि इस नामांकन से सहमत हूँ और उक्त पद पर कार्य करने के लिए राजामन्द हूँ।

स्थान . . . . .

तारीख . . . . .

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

प्ररूप-42

(नियम 83 और 86 देखें)

जिला परिषद्/पंचायत समिति के अध्यक्ष उपाध्यक्ष के परिणामों का प्रकाशन हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 126 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं . . . . .  
(विहित प्राधिकारी) जिला . . . . . ब्लॉक के जिला परिषद्/पंचायत समिति के अध्यक्ष/  
उपाध्यक्ष के निर्वाचन परिणामों को प्रकाशित करता हूँ।

\* . . . . . जिला . . . . . एतद् द्वारा,

क्रम संख्या	पिता/पति के नाम सहित नाम और पता	पद का नाम अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष	निर्वाचित
1	2	3	4

स्थान . . . . .

तारीख . . . . .

विहित प्राधिकारी  
जिला . . . . .

प्ररूप-43

[नियम 94 (3) देखें]

मैं . . . . . इसके साथ निर्वाचन याचिका का याची, श्री/श्रीमती . . . . .  
उक्त याचिका में प्रत्यार्थी संख्या . . . . . का . . . . .



मे निर्वचन की प्रवृत्ति करते हुए सत्य निष्ठा प्रतिज्ञान करते हुए/अथ लेते हुए कहता हूँ कि—

(क) इसके साथ वाली निर्वचन याचिका के पैरा ..... में अष्ट आचरण\* ..... किए जाने के बारे में लिए गए कथन और इसके साथ उपाबद्ध पुनः सूची के पैरा ..... में वर्णित ऐसे अष्ट आचरण की विशिष्ट या मेरी जानकारी के अनुसार सत्य है;

(ख) उक्त याचिका के पैरा ..... में अष्ट आचरण\* ..... किए जाने के बारे में लिए गए कथन और उक्त याचिका के पैरा ..... में ऐसे अष्ट आचरण की तथा इसके साथ उपाबद्ध अनुसूची के पैरा ..... में की गई विशिष्टियाँ मेरी जानकारी के अनुसार सत्य है,

(ग)

(घ)

इत्यादि

अभिभारती के हस्ताक्षर।

आज ..... तारीख 199 ..... के मेरे समक्ष श्री/श्रीमती ..... द्वारा सत्यानिष्ठा प्रतिज्ञान किया गया/अथ ली गई।

कार्यकारी मैजिस्ट्रेट।

\*यहाँ निम्नलिखित अनुक्तियों में से एक अन्तःस्थापित करें जैसा संगत हो—

1. ग्राम सभा ..... के निर्वचन क्षेत्र ..... से सदस्य का पद
2. ग्राम सभा ..... से प्रधान का पद।
3. ग्राम सभा ..... से उप-प्रधान का पद।
- ..... के अध्यक्ष का पद . . . . .
4. पंचायत समिति ..... से निर्वचन क्षेत्र ..... से सदस्य का पद।
5. पंचायत समिति/ज़िला परिषद ..... के अध्यक्ष का पद।
6. पंचायत समिति/ज़िला परिषद ..... के उपाध्यक्ष का पद।

यहाँ पर अष्ट आचरण का नाम विनिर्दिष्ट करें।

आदेश द्वारा,

श्री 0 पी 0 मादव,  
कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of Government Notification No. PCH-HA (3) 6/94 dated the 16th December, 1994 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## RURAL DEVELOPMENT AND PANCHAYATI RAJ DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimla-171002, the 16th December, 1994*

No. PCH-HA (3) 6/94.—In exercise of the powers conferred by Section 183 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 (Act No. 4 of 1994), the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with the State Election Commission, proposes to make the following rules for the purposes of the aforesaid Act and the draft of the said rules is published for the general information of the public and as required under sub-section (3) of section 186 of said Act a notice is given for inviting public objections from the persons likely to be affected by these proposed rules and the said proposed rules shall be taken into consideration after thirty days of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

If any person likely to be affected by these draft rules has any objection or suggestion to make with regard to the said rules, he may send the same to the Director, Rural Development and Panchayati Raj, Himachal Pradesh, Nigam Vihar, Shimla-2, within the above stipulated period.

Objections or suggestion, if any, received within the above stipulated period shall be taken into consideration by the State Government, before the finalisation of the said rules, namely:—

### DRAFT RULES

#### CHAPTER-I

#### PRELIMINARY

1. *Short title.*—These rules may be called the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Election) Rules, 1994.

2. *Definitions.*—(1) In these rules, unless, there is anything repugnant in the subject or context,—

- (a) "Act" means the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 (Act No. 4 of 1994);
- (b) "Constituency" means a territorial constituency of a Gram Sabha, Panchayat Samiti or Zila Parishad, as the case may, for the representation of which a member is to be elected or has been elected; and in relation to a Pradhan or Up-Pradhan of a Gram Panchayat shall mean the whole of Gram Sabha area;
- (c) "District Election Officer" (Panchayat) means the officer appointed by the State Election Commission as the District Election Officer (Panchayats) for the conduct of election to the Panchayats;
- (d) "elector" means a person whose name is entered in the electoral roll prepared by the State Election Commission for the purposes of Panchayat election;
- (e) "electoral roll" means a list of voters of each constituency of a Panchayat;
- (f) "form" means a form appended to these rules;
- (g) "polling personnel" means the person or persons appointed to conduct or to assist in the conduct of election;

- (h) "Presiding Officer" means the person appointed by the District Election Officer (Panchayats) as Presiding Officer for the conduct of Election under the Act at a polling station ;
- (i) "Returning Officer" means an officer appointed for the conduct of election under these rules and also includes Assistant Returning Officer ;
- (j) "Registration Officer" means the Electoral Registration Officer and also includes Assistant Electoral Registration Officer appointed by the State Election Commission;
- (k) "section" means the section of the Act ; and
- (l) "State Election Commission" means the Commission constituted under section 160 read with article 243K of the Constitution of India.

(2) The words and expressions used in the Act and in these rules shall have the same meanings as are assigned to them in the Act.

## CHAPTER-II

### DELIMITATION AND RESERVATION OF CONSTITUENCIES OF PANCHAYATS

3. *Gram Sabha area to be divided into constituencies.*—(1) For the purpose of holding of election of members to a Gram Panchayat, the Sabha area shall be divided into constituencies.

(2) The number of constituencies under sub-rule (1) shall be determined in accordance with the provisions of section 8.

4. *Limits of constituencies.*—(1) As far as practicable each constituency shall have equal population and each constituency shall be geographically compact and contiguous in areas and shall have natural boundaries, such as roads, paths, lanes, streets, streams, canal, drains, jungles, house No. ridges or such other marks which can easily be distinguished.

(2) The constituency shall be delimited from the map of the Gram Sabha starting from North towards East and ending towards South to West direction.

(3) One member shall be elected from each constituency.

(4) The limits of each constituency shall be defined in all four directions as follows :—

- (i) Bounded on north by.....
- (ii) Bounded on the south by.....
- (iii) Bounded on the east by .....
- (iv) Bounded on the west by.....

5. *Proposal for delimitation of constituencies and its publication.*—The Deputy Commissioner, or any other officer, authorised by him in this behalf, shall cause to be published a proposal for delimitation of constituencies by dividing a Gram Sabha area into constituencies and shall also indicate the territorial limits of each such constituency and shall keep the proposal open for inspection in the office of the Gram Panchayat, Panchayat Samiti within the territorial jurisdiction of which such sabha area falls and by affixing a copy of the same at two conspicuous places within such sabha area for inviting public objections thereon, within 7 days.

6. *Disposal of objections and final order.*—The Deputy Commissioner, or any other officer authorised by him in this behalf, on receipt of objections, if any, under rule 5, shall inquire into

the same and shall consider them within a period of Seven days or such a shorter time as may be fixed by the Government delimitation of constituencies shall be made by him only after recording brief reasons for the acceptance or rejection of the objections.

7. *Name and number of constituency.*—Each constituency shall be known by the number given to that constituency serially and it shall also be given a name, if practicable.

8. *Delimitation of constituencies of a Panchayat Samiti.*—(1) The Deputy Commissioner or any other officer authorised by him in this behalf, shall divide the Panchayat Samiti area into as many single member territorial constituencies as the number of members is required to be elected under sub-section (3) of section 78.

(2) While delimiting the constituencies of a Panchayat Samiti, constituency of the Gram Panchayat shall be a unit. The constituencies shall be delimited from the map of the Panchayat Samiti area starting from North towards East and ending towards South to West, and every constituency of a Panchayat Samiti shall be assigned a serial number and the name of the constituency of Panchayat Samiti. The name of constituency of a Panchayat Samiti may be assigned on the name of a Gram Sabha having largest population in that constituency.

(3) The limits of each constituency shall be defined in all four directions as follows:—

- (i) Bounded on the North by.....
- (ii) Bounded on the South by.....
- (iii) Bounded on the East by.....
- (iv) Bounded on the West by.....

(4) The Deputy Commissioner or any other officer authorised by him in this behalf, shall cause to be published a proposal for delimitation of constituencies by dividing a samiti area into single member constituencies and shall also indicate the territorial limits of each such constituency and shall keep the proposal open for inspection in the office of the Panchayat Samiti and in each of offices of Gram Panchayats falling within the Panchayat Samiti area and by affixing a copy of such proposal at two conspicuous places in each Sabha area for inviting public objections thereof, within seven days.

(5) The Deputy Commissioner, or any other officer authorised by him in this behalf on receipt of objections, if any, under sub-rule (3), shall inquire into the same and shall consider them within a period of seven days or such shorter period as may be fixed by the Government and final order of delimitation of constituencies shall be issued by him only after recording in brief the reasons for the acceptance or rejection of such objection.

9. *Delimitation of constituencies of a Zila Parishad.*—(1) The Deputy Commissioner shall divide the Zila Parishad area into as many single member territorial constituencies, as the number of members are required to be elected under sub-section (2) of section 89.

(2) While delimiting the constituencies of Zila Parishad, Sabha area shall be a unit. The constituencies shall be delimited from the map of the Zila Parishad area starting from North towards East and ending towards South to West and every constituency shall be assigned serial number and the name. The name of constituency may be assigned on the name of a Gram Sabha having the largest population in that constituency.

(3) The limits of each constituency shall be defined in all four directions as follows:—

- (i) Bounded on the North by.....
- (ii) Bounded on the South by.....
- (iii) Bounded on the East by.....
- (iv) Bounded on the West by.....

(4) The Deputy Commissioner, shall cause to be published a proposal for de-limitation of constituencies by dividing a Zila Parishad area into single member constituencies and also indicate the territorial limits of each such constituency and shall keep the proposal open for inspection in the offices of the Zila Parishad, Panchayat Samiti and in each of the offices of Gram Panchayats falling within the Zila Parishad area and by affixing a copy of such proposal at two conspicuous places within each Sabha area for inviting public objections thereon, within seven days.

(5) The Deputy Commissioner on receipt of objections, if any, under sub-rule (4) shall inquire into the same and shall consider them within a period of seven days and final order of delimitation shall be issued by him only after recording in brief the reasons for the acceptance or rejection of such objections.

10. *Appeal.*—Any elector aggrieved by the orders of the Deputy Commissioner may file an appeal to the Divisional Commissioner within a period of 10 days and who, after giving an opportunity of being heard to the appellant, shall decide the same within a period of 15 days and communicate his orders thereon to the Deputy Commissioner. The order passed by the Divisional Commissioner shall be final.

11. *Final publication.*—(1) After all the objections, have been heard and finally disposed of or if no objection has been received, the delimitation made under rule 9 shall be finalized within a period of 30 days from the initial publication of the proposal for delimitation by affixing a copy of the same in the offices of the Deputy Commissioner, Zila Parishad, Panchayat Samiti and Gram Panchayat and at such other places as the Deputy Commissioner may decide and a copy of the same thereof be sent to the Government.

(2) The Government shall notify the delimitation of Constituency and reservation of Constituencies and their rotation before every election of the Zila Parishad, Panchayat Samiti and Gram Panchayat in the Official Gazette.

(3) The copies of these finalised delimitated and reserved constituency shall be available for inspection in the office of the Deputy Commissioner and the Zila Parishad, Panchayat Samiti and Gram Panchayat concerned. An elector can have a copy of delimitation and reservation order by making payment of Rs. 5/- to the Deputy Commissioner or the Zila Parishad, Panchayat Samiti and Gram Panchayat and the same shall be made available to him immediately.

### CHAPTER-III

### ELECTORAL ROLLS

12. *Electoral roll for every constituency.*—For each constituency of a Panchayat there shall be an electoral roll which shall be prepared in the manner specified in rules 13 to 24 by the District Election Officer (Panchayats) under the superintendence, direction and control of the State Election Commission:

Provided that nothing in this rule shall prevent the use of the relevant part of the current electoral rolls of an Assembly Constituency for the preparation of draft electoral rolls for the elections under these rules:

Provided further that the preparation or revision of electoral roll, as the case may be, shall be taken up as and when so directed by the State Election Commission.

13. *Preparation of electoral roll*—(1) When a direction is given under rule 12, the District Election Officer (Panchayats) shall cause to be prepared an electoral roll for each constituency of the Panchayat in accordance with these rules.

(2) The electoral roll shall be prepared in Hindi in Devnagari Script in such form as may be specified by the State Election Commission.

14. *Disqualification for registration in electoral roll*.—A person shall be disqualified for registration in an electoral roll, if he—

- (a) is not a citizen of India; or
- (b) is of unsound mind and stands so declared by a competent court; or
- (c) is for the time being disqualified for voting under the laws relating to corrupt practices and other offences in connection with panchayats/ municipality/Assembly/ Parliamentary elections; or
- (d) is not ordinarily resident of the constituency; or
- (e) is less than 18 years of age on the date as may be notified by the State Election Commission for the preparation or revision, as the case may be of the electoral rolls.

15. *Publication of electoral roll in draft*.—(1) As soon as the electoral roll of a constituency is ready, the District Election Officer (Panchayats) shall publish it in draft, together with a notice, in *Foran-Ian* and make available copies thereof for inspection at his office and in the offices of Gram Panchayat, Panchayat Samiti, Zila Parishad.

(2) The notice under sub-rule (1) shall also be given publicity through news-papers having largest circulation in the area, All India Radio, by beat of drum in the constituency and by affixing copies of such notice in the office of the District Election Officer (Panchayats) and at the office of Gram Panchayat, Panchayat Samiti, Zila Parishad and at other conspicuous places where the public has free access. The notice should contain the date by which objections or claims may be filed and the authority or authorities to whom they may be presented.

16. *Period for lodging claims and objections*.—Every claim for the inclusion of name in the electoral roll and every objection to an entry therein shall be lodged within a period of 10 days from the date of draft publication of the electoral roll in draft under rule 15, or within such period as may be fixed by the State Election Commission in this behalf.

17. *Appointment of Revising Authorities*.—The District Election Officer (Panchayats) may appoint one or more Revising Authorities for the purpose of hearing claims and objections relating to electoral roll of a constituency or constituencies.

18. *Manner of lodging of claims and objections*.—(1) A claim or objection shall be addressed to the Revising Authority specified in the notice referred to in rule 15 and shall be presented to him personally or sent by registered post to that authority. Every claim for inclusion of a name, objection in relation to the inclusion of the name or objection in relation to the particulars in an entry shall be in Form 2, 3, 4 respectively.

(2) A claim shall be signed by the person desiring his name to be included in the electoral roll and countersigned by another person whose name is already included in the electoral roll in which the claimant desires his name to be included and shall, unless sent by post, be presented by claimant himself or by a person authorised by him in writing in this behalf.

(3) No person shall present an objection to the inclusion of any name in the electoral roll unless his name is already included in that electoral roll.

(4) The Revising Authority shall maintain a register, of claims in Form-5, of objections, to the inclusion of names, in Form-6, and of objections to the particular in any entry in Form-7, and cause to be entered therein the time of their receipt, particulars of every claim of objection, as the case may be.

(5) Any claim or objection, which is not lodged within the prescribed period or in the manner herein specified, shall be rejected and the decision recorded in the register prepared in Form-5, 6 and 7, as the case may be.

19. *Notice of claims and objections.*—(1) Where a claim or objection is not rejected under sub-rule (5) of rule-18, the Revising Authority shall, after the period prescribed for the presentation of claims and objections has expired, exhibit on the notice board of the office of Gram Panchayat, Panchayat Samiti and Zila Parishad, a list of all claims or objections in Form-8, 9 and 10 as the case may be:

(2) Every claimant/objector to the inclusion of a name or to the correctness of certain particulars in an entry shall be given a notice of place, date and time of hearing of such claim or objection and shall further be asked to adduce such evidence as he may like to adduce in Form-11, 12 and 14 as the case may be.

(3) A person against whom objection has been received by the Revising Authority for the inclusion or deletion of his name in or from the electoral roll shall also be given a notice in Form-13 of the place, date and time fixed for hearing of objection, at his last known place of residence and be asked to adduce such evidence as he may like to adduce for his defence.

20. *Disposal of claims and objections.*—(1) On the date, time and at the place fixed under the provisions of rule-19, the Revising Authority shall hear and decide the claims and objections under the provisions of these rules and shall record his decision in the register in Form-5, 6 and 7, as the case may be.

(2) The copy of the order of the Revising Authority shall be given to the claimant or objector immediately on demand on payment of rupees two against cash receipt.

(3) Any person aggrieved by an order passed under the provisions of sub-rule (1) may, within seven days from the date of the order, file an appeal to the District Election Officer, who shall, as far as practicable be, within a week, decide the same, confirming such order, or setting it aside or passing such other order with respect to the claim and objection as he may deem fit.

(4) If it appears to the District Election Officer (Panchayats) that due to inadvertance and error during the preparation of electoral rolls, names of electors have been left out of the electoral roll the names of dead persons or of persons who ceased to be or are not ordinary resident in the constituency have been included in the electoral roll and that remedial action should be taken under this sub-rule, the District Election Officer (Panchayats) shall:-

- (a) prepare a list of the names and other particulars of such electors;
- (b) exhibit on the notice board of his office and offices of the Gram Panchayat, Panchayat Samiti and Zila Parishad, a copy of the list together with a notice as to the date(s) and place(s) at which the question of inclusion of the names in electoral roll or the deletion of the names from the electoral roll will be considered; and
- (c) after considering any verbal or written objection which may be preferred, decide whether all or any of the names should be included in or deleted from the electoral roll.

21. *Final publication of electoral rolls*:—(1) The Revising Authority as soon as he has disposed of all the claims or objections presented to him, shall forward the same along with the register of such claims or objections and the orders passed by him there on to the District Election Officer (Panchayats) who shall cause the electoral roll to be corrected in accordance with such orders or the orders passed on appeal by him under sub-rule (3) of rule 20, as the case may be, and shall publish the electoral roll so corrected, or if he deems fit, shall publish the electoral roll together with a list of additions/deletions and corrections prepared in accordance with the aforesaid orders or as a consequence of his decision under sub-rule (4) of rule 20, by making a complete copy thereof available for inspection and display a notice thereof in Form-15 in his office and also in the office of the Gram Panchayat, Panchayat Samiti and Zila Parishad.

(2) On such publication, the electoral roll, with or without amendments, shall be the electoral roll of the constituency and shall come into force from the date of publication under sub-rule (1).

22. *Special revision of electoral roll*.—Notwithstanding anything contained in sub-rule (2) of rule 21, the State Election Commission may, at any time, for reasons to be recorded, direct a special revision of the roll for any constituency in such a manner as it may think fit.

Provided that subject to other provisions of these rules, the electoral roll for the constituency as in force at the time of the issue of any such direction shall continue to be in force until the completion of the special revision so directed.

23. *Correction of entries in electoral rolls*.—If the District Election Officer (Panchayats) on an application, in Form-4 or Form-15 made to him, or on his own motion, is satisfied, after such inquiry as he thinks fit, that any entry in the electoral roll of the constituency—

(a) is erroneous or defective in any particular;

(b) should be deleted on the ground that the person concerned is dead or has ceased to be ordinarily resident or is otherwise not entitled to be registered in that electoral roll, shall amend or delete the entry:

Provided that before taking any action on any ground, under clause (a) or clause (b) that the person concerned has ceased to be ordinarily resident or that he is otherwise not entitled to be registered in the electoral roll, the District Election Officer (Panchayats) shall give the person concerned a reasonable opportunity of being heard in respect of the action proposed to be taken in relation to him:

Provided further that an application under this rule at any time after the publication of the election programme under rule-30 shall be made to the District Election Officer (Panchayats) not later than five days before the last date fixed for the filing of nomination papers.

24. *Inclusion of names in the electoral roll, finally published*.—(1) Any person, whose name is not included in the electoral roll shall make an application, in Form-2 (in duplicate), to the District Election Officer (Panchayats) for inclusion of his name in that electoral roll, and such application shall be accompanied by a fee of rupees two to be paid in cash against receipt.

(2) District Election Officer (Panchayats) shall immediately on receipt of application under sub-rule (1) direct that one copy thereof be posted in some conspicuous place in his office together with a notice inviting objections to such application within a period of four days from the date of such posting.

(3) The District Election Officer (Panchayats) shall as may be, after the expiry of the period specified in the notice under sub-rule (2), consider the objections, if any, received



by him and shall, if satisfied that the applicant is entitled to be registered in the electoral roll, direct such name to be included therein accordingly:

Provided that if the applicant whose name is ordered to be included is already registered in the electoral roll of any other constituency, such a name shall be deleted from that electoral roll.

(4) Where an application made under sub-rule (1), is rejected, an appeal shall be, within a period of ten days from the date of rejection of the application for the inclusion of names to the State Election Commission, whose decision shall be final.

(5) Every appeal under sub-rule (4) shall be accompanied by a fee of twenty rupees to be paid in cash against receipt.

**25. Custody and preservation of electoral roll and of connected papers.**—(1) After the electoral roll for a constituency has been finally published, the following papers shall be kept in the office of the District Election Officer (Panchayats) or at such other place as the State Election Commission may by order specify, until, the said electoral roll remains in force—

- (a) complete spare copies of the electoral roll;
- (b) papers relating to claims and objections and orders under rule 20;
- (c) applications and decisions thereon, under rules 23 and 24;
- (d) papers relating to appeals under rule 26 (4);
- (e) manuscript and other papers prepared by enumerating agencies and used for compiling the electoral roll.

(2) One complete copy of the electoral roll for each constituency, duly authenticated by the District Election Officer (Panchayats) shall also be kept at such place as the State Election Commission may specify for a period of six years unless otherwise directed, from the date of its final publication.

**26. Inspection of electoral roll and connected papers.**—Every person shall have the right to inspect the papers referred to in rule 25 and get attested copies thereof on payment of rupees five per page or part thereof, against cash receipt.

**27. Disposal of electoral roll and connected papers.**—The papers referred to in rule 25 shall, on the expiry of the period specified therein, be disposed of in such manner as the State Election Commission may direct.

## CHAPTER-IV

### RESERVATION OF SEATS IN PANCHAYATS

**28. Reservation of seats in Panchayats.**—(1) Before every election to a Panchayat the Deputy Commissioner or any other officer authorised by him in this behalf shall, in accordance with the provisions of section 8, 78 and 89 of the Act, reserve the constituencies for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Women in a panchayat area and determine their rotation.

(2) In every Panchayat the population of general category, Scheduled Castes, and Scheduled Tribes shall be determined on the basis of population and the percentage of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in relation to the total population shall be worked out for the purposes of making reservation.

(3) In every Panchayat, constituency/constituencies, shall be reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in proportion to their population in that Panchayat area.

The constituency having highest percentage of population of Scheduled Castes shall be reserved for the members of the Scheduled Castes and the constituency having the highest population of Scheduled Tribes shall be reserved for the Scheduled Tribes.

(4) If the number of constituencies to be reserved for the members of Scheduled Castes or Scheduled Tribes is more than one, then the constituency having the next highest percentage of Scheduled Castes and Scheduled Tribes shall be reserved for the members of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be, and so on:

Provided that if the total population of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in a Panchayat area is less than 5% of the total population, then no constituency shall be reserved.

(5) Out of the constituency reserved for members of Scheduled Castes and Scheduled Tribes, one-third of the constituency shall be reserved for women members belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be and the Constituency having highest population of woman belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, in a Panchayat area shall be reserved for such women.

(6) If the number of constituencies to be reserved for women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, is more than one then the constituency having the next highest percentage of women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, shall be reserved for such women, and so on.

(7) Out of the total constituencies excluding the constituencies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes (including women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes), one-third of the constituencies shall be reserved for women and the constituency having highest population of women shall be reserved for such women and if the number of constituencies to be reserved for women is more than one, then the constituency having the next highest percentage of women population shall be reserved for general women and so on.

(8) The Constituencies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to general category on the basis of percentage of population shall be rotated after every five years from the date of first election. At the time of next election, the constituency/constituencies, containing the next highest percentage of population shall be reserved for members of Scheduled Castes and Scheduled Tribes including women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to general category (and the constituency earlier reserved shall be kept open to the members of the general category and) so on for subsequent elections:

Provided that the reservation of any constituency for a particular category shall not be repeated unless all other constituencies are covered by rotation.

(9) The reservations made under this rule shall be finalised by the Deputy Commissioner and shall be given wide publicity by him by affixing a copy of order of such reservation on the notice board of his office and that of the offices and Zila Parishad, Panchayat Samitis and Gram Panchayats and he shall also send a copy of the same to the Government for publication of the order in the Official Gazette and this notification shall be the conclusive proof of reservations of constituencies.

29. *Report to State Election Commission.*—The Government shall cause to be delivered immediately to the State Election Commission a copy of the final delimitation and reservation order, made by the Deputy Commissioner or any other officer authorised by him in this behalf.

## CHAPTER-V

### CONDUCT OF ELECTIONS

**30. Appointment of Returning Officers and Assistant Returning Officers:—**(1) The District Election Officer (Panchayat) or any other Officer authorised by him in this behalf for this purpose, in writing, shall appoint one or more Returning Officers for the conduct of elections for Panchayats. The District Election Officer (Panchayat) or the Officer authorised by him for this purpose, shall also appoint one or more Assistant Returning Officers who shall assist the Returning Officers in the discharge of duties in connection with the election. The District Election Officer (Panchayat) or the Returning Officer may assign to the Assistant Returning Officer any functions of the Returning Officer and in discharge of these functions, the Assistant Returning Officer shall exercise the powers of the Returning Officer.

Provided that nothing in this rule shall prevent the appointment of the same person as Returning Officer/Assistant Returning Officer for more than one Panchayat:

Provided further that nothing in this rule shall prevent the Returning Officer/Assistant Returning Officer to act as Presiding Officer for the conduct of election.

**31. Appointment of Presiding Officers, Polling Officers and Polling personnel:—**(1) The Returning Officer shall appoint a Presiding Officer for each polling station and such polling officers to assist the Presiding Officer, as he deem necessary.

(2) District Election Officer (Panchayat) may also appoint such other personnel required for the conduct of election for Panchayats.

**32. Election Programme:—**(1) The State Election Commission, shall frame a programme for general elections, bye election, as the case may be, of the Panchayats hereinafter referred to as the "Election Programme".

(2) The election programme shall specify the date or dates on/by or/within which—

- (i) the nomination papers shall be presented;
- (ii) the nomination papers shall be scrutinised;
- (iii) a candidate may withdraw his candidature;
- (iv) the list of contesting candidates shall be affixed;
- (v) the list of polling stations shall be posted;
- (vi) the poll, if necessary, shall be held from.....A.M. to..... P.M. (the hours of poll shall not be less than 8 hours);
- (vii) the counting, in the event of poll shall be done (here time and place fixed) for the purpose shall also be specified; and
- (viii) the result of election shall be declared.

(3) The election programme shall be published ten days before the date of filing of nomination papers by posting a copy at the office of the District Election Officer Panchayats and the Panchayats and at such other conspicuous places on the said Panchayat area as may be determined by the District Election Officer (Panchayats).

(4) The period for filing of nomination papers shall be three days and the date of scrutiny shall be the next day from the last date of filing of nomination papers. The date of withdrawal shall be the third day from the date of scrutiny. The date for affixing the list of contesting candidates shall be the same as fixed for withdrawal of candidature. The list of polling stations shall be published well before the date of withdrawal. The gap between the date of withdrawal and the date of poll shall be ten days and the day of poll shall preferably be a Sunday or any gazetted holiday:

Provided that no nomination paper or withdrawal application shall be delivered on a day which is a public holiday.

(5) The State Election Commission or District Election Officer (Panchayats) if authorised by the State Election Commission may by an order amend, vary or modify the election programme at any time:

Provided that, unless the State Election Commission otherwise directs no such order shall be deemed to invalidate any proceedings taken before the date of such order.

**33. Notice of Election.**—The District Election Officer (Panchayats) shall on the date on which the Election Programme is issued under rule 32, shall affix a notice in Form -17 at his office and at the office of Panchayats, and such other places as the District Election Officer (Panchayats) or any officer authorised by him, may specify to—

- (a) invite nomination papers of candidates for election;
- (b) fix the date, time and place where and when the nomination paper shall be submitted;
- (c) determine the authority to whom nomination shall be submitted;
- (d) fix the date, time, and place for the scrutiny of nomination paper of candidates;
- (e) fix the date, time, place and authority for the receipt of notice of withdrawal;
- (f) fix the date time and place for the allotment of symbol; and
- (g) fix the date and time of poll, if necessary.

*Explanation.*—The date fixed under clauses (b), (d) (e) and (g) shall be the same as specified under rule 32 in this behalf.

**34. Notification of symbols.**—The State Election Commission, shall notify in the Official Gazette, the symbols for allotment in the election.

**35. Nomination of Candidates.**—(1) Any person may be proposed to be nominated as a candidate for election to fill a seat/office if he is not disqualified to be elected to fill that seat/office under the provisions of section 122 of the Act.

(2) Every nomination paper presented under sub-rule (1) shall be in Form-18.

(3) A nomination paper shall be supplied by the Returning Officer or any other person authorised by him in this behalf to any voter on demand.

**36. Presentation of nomination paper:**—On the date fixed for filing of nomination papers under rule 31, each candidate during the time and at a place, specified in this behalf shall either in person or through his proposer, deliver to the Returning Officer or any other person so authorised by him in this behalf the nomination paper duly filled-up and signed by the candidate and by a voter of the constituency as a proposer:

Provided that not more than four nominations papers shall be presented by or on behalf of any candidate or accepted for an election in the same constituency:

Provided further that any person who is subject to any disqualification as a voter under the Act shall not be eligible to sign any nomination paper as a proposer:

Provided further that every candidate filing his nomination paper shall take an oath of affirmation and allegiance to the Constitution of India in writing in Form-19 before the Returning Officer or any other officer authorised by the State Election Commission and shall attach the same with his nomination paper.

**Explanation.**—For the purpose of these rules a person who is unable to write his name shall be deemed to have signed an instrument or any other papers if he has placed his thumb-impression on such instrument or paper in the presence of the Returning Officer. Such an officer on being satisfied as to his identity shall attest the thumb impression.

**37. Security deposits.**—A candidate shall not be deemed to be nominated for election unless he has deposited or caused to be deposited as security with the Returning Officer in cash against receipt—

- (a) in case of a member of a Gram Panchayat from any constituency a sum of rupees one hundred and where a candidate is woman or a member of Scheduled Castes or Scheduled Tribes or Backward Classes a sum of fifty rupees;
- (b) in case of Pradhan or Up-Pradhan of a Gram Panchayat a sum of one hundred and fifty rupees and where a candidate is a woman or member of Scheduled Castes or Scheduled Tribes or Backward Classes a sum of seventy five rupees;
- (c) in case of a member of Panchayat Samiti a sum of one hundred fifty rupees and where a candidate is a woman or member of Scheduled Castes or Scheduled Tribes or Backward Classes a sum of seventy five rupees;
- (d) in case of a member of Zila Parishad a sum of two hundred rupees and where a candidate is a woman or a member of Scheduled Castes or Scheduled Tribes or Backward classes a sum of one hundred rupees;

Provided that where the candidature of a candidate has been proposed by more than one nomination paper for election to any single seat office not more than one security deposit shall be required under this rule.

**38. Notice of nominations.**—The Returning Officer shall on receiving the nomination paper under sub-rule (2) of rule 35, enter on the nomination papers its serial number and shall sign thereon a certificate stating the date on which and the hour at which, the nomination paper has been delivered to him and shall cause to be affixed in some conspicuous place in his office and at the office of the Panchayat concerned, a notice of the nomination in Form-20 containing description similar to those contained in the nomination paper both of the candidate and his proposer.

**39. Scrutiny of nomination papers.**—(1) On the date fixed for the scrutiny of nomination papers under rule 31, the candidate and one other person duly authorised in writing by each candidate, but no other person, may attend and the Returning Officer shall give them all reasonable facilities for examining the nomination paper of all the candidate, which have been delivered within the time and in the manner laid down in rule 35.

(2) The Returning Officer shall examine the nomination papers, and decide all objections, which may be made to any nomination, and may, either on such objection or on his own motion after such summary inquiry, if any, as he thinks necessary, reject any nomination on any of the following grounds, namely:—

- (a) that on the date fixed for the scrutiny of nomination the candidate either is not qualified or is disqualified for being chosen to fill in the seat under the provisions of these rules or the Act or any other law for the time being in force; or
- (b) that there has been any failure to comply with any of the provisions of rule 35 or rule 36; or
- (c) that the signature of the candidate or the proposer on the nomination paper is not genuine.

(3) Nothing contained in clause (b) or clause (c) of sub-rule (2) shall be deemed to authorise the rejection of the nomination of any candidate on the ground of any irregularity in respect of

a non ination paper, if the candidate has been duly nominated by means of another nomination paper in respect of which no irregularity has been committed.

(4) The Returning Officer shall not reject any nomination paper on the ground of any defect, which is not of a substantial character.

(5) The Returning Officer shall hold the scrutiny on the date and time appointed in this behalf under clause (d) of rule 31 and shall not allow any adjournment of the proceedings except when such proceedings are interrupted or obstructed by riot, open violence or by causes beyond his control;

Provided that in case an objection is raised by the Returning Officer or is made by the candidate or the person duly authorised in writing by the candidate, the candidate concerned may be allowed time to rebut it not later than the next day but one following the date for scrutiny; and the Returning Officer shall record his decision on the date to which the proceedings have been adjourned.

(6) The Returning Officer shall record on each nomination paper his decision accepting or rejecting the same and, if the nomination paper is rejected, shall record, in writing, a brief statement of reasons for such rejection.

(7) For the purpose of this rule an entry in the electoral roll for the time being in force of a constituency shall be conclusive evidence of the fact that the person referred to in that entry is an voter for that constituency.

(8) Immediately after all the nomination papers have been scrutinised and decisions accepting or rejecting the same have been recorded, the Returning Officer shall prepare in Form-21 a list of validly nominated candidates, that is to say, candidates whose nominations have been found valid and affix it on the notice board at the offices of the Returning Officer and of the Panchayats.

**40. Withdrawal of candidature.**—(1) Any candidate may withdraw his candidature by notice in writing in Form-22 subscribed by him and delivered to the Returning Officer or the Authority determined in this behalf under clause (e) of rule 33, before 3 O'clock of the afternoon on the date specified under clause (e) of rule 31, and no person who has thus withdrawn his candidature shall be allowed to cancel notice of withdrawal.

(2) The notice may be given either by the candidate in person or by this proposer or election agent duly authorised in this behalf in writing by the candidate.

(3) Upon receiving such a notice of withdrawal of candidature, the Returning Officer or the specified authority shall cause a notice, in Form-23, to this effect to be affixed in some conspicuous place in his office and at the office of the Panchayat concerned.

**41. List of contesting candidates.**—(1) On completion of the scrutiny of nomination papers and after the expiry of the period within which candidature may be withdrawn under rule 40, the Returning Officer shall forthwith prepare a list of contesting candidates in Hindi in Form-24 and cause it to be affixed at some conspicuous place in his office and at the office of the Panchayat concerned.

(2) The said list shall contain in Hindi in Devnagari script the names in alphabetical order and the addresses of the contesting candidates as given in the nomination papers.

42. *Allotment of symbols.*—(1) After the list of contesting candidates is prepared and if the number of candidates is more than one, the Returning Officer shall allot to each contesting candidate, according to the serial number, in the list of contesting candidates, the approved symbols in accordance with the serial number of the symbol specified in the notification under rule 34:

Provided that there shall be no choice of symbol for candidate.

(2) In every case where a symbol has been allotted to a candidate under sub-rule (1) such candidate shall forthwith be informed of the symbol so allotted and be supplied with a specimen thereof by the Returning Officer. In that event the list of contesting candidates shall also contain symbols allotted to each candidate.

43. *Appointment of election agent.*—If a candidate desires to appoint an election agent, such appointment shall be made in Form-25 either at the time of delivering the nomination paper or at any time before election.

44. *Appointment of polling agent.*—(1) At an election in which poll is to take place, any contesting candidate, or his election agent, may appoint a person who is not disqualified to be a candidate or member to Panchayats under the Act to act as polling agent of such candidate at each polling station. Such appointment shall be made by a letter in writing in duplicate in Form-26 signed by the candidate or his election agent, as the case may be.

(2) The candidate or his election agent, as the case may be, shall deliver the duplicate copy of the letter of appointment to the polling officer who shall, on the date fixed for the poll present it, and sign the declaration contained therein, before the Presiding Officer. The Presiding Officer shall retain the duplicate copy presented to him in his custody. No polling agent shall be allowed to perform any duty at the polling station unless he has complied with the provisions of this sub-rule.

45. *Appointment of counting agent.*—(1) Each contesting candidate or his election agent may appoint a person who is not disqualified to be a candidate or a voter under the Act to act as counting agent by a letter in writing in duplicate in Form 27 signed by the candidate or his election agent, as the case may be.

(2) The candidate or his election agent shall also deliver the duplicate copy of the letter of appointment to the counting agent who shall on the date fixed for counting of votes, present it to, and sign the declaration contained therein before, the Returning Officer or such other officer authorised by him under rule 75 and such officer shall retain the duplicate copy presented to him in his custody. No counting agent shall be allowed to perform any duty at the place fixed for the counting of votes, unless he has complied with the provisions of this sub-rule.

46. *Revocation of the appointment or death of election, polling and counting agents.*—The appointment of the election agent, polling agent and counting agent, as the case may be, may be revoked by the candidate at any time before the commencement of or during the poll by a declaration in writing signed by him and copy of the same shall be submitted by the candidate to concerned Returning Officer. In case of death of the above agents new agents may be appointed by the candidate under intimation to the Returning Officer.

47. *Non-attendance of agent.*—Where any act or thing is required or authorised by these rules to be done in the presence of agents, the non-attendance of any such agent or agents at the time and place appointed for the purpose shall not, if the act or thing is otherwise duly done, invalidate the act or thing done.

48. *Death of a candidate before poll.*—If a candidate whose nomination has been found valid on scrutiny and who has not withdrawn his candidature, dies and a report of his death is received before the commencement of the poll and the number of remaining contesting candidates is more than one, the election shall not be countermanded but in case there remains only one candidate in the field, the election shall take place *de-novo* as per the directions of the State Election Commission:

Provided that no fresh nomination shall be necessary for a candidate who was a contesting candidate at the time of countermanding of the election.

49. *Uncontested Elections.*—(1) If for any seat, after the date and time fixed for withdrawal of nomination paper there remains only one candidate whose nomination paper is found to be valid, the Returning Officer shall forthwith declare in Form-27 the candidate duly elected to fill the seat and shall inform the State Election Commission through District Election Officer (Panchayats) of the same.

(2) If no nomination paper has been filed for any seat or if no candidate has been duly nominated for any seat, the Returning Officer shall report that fact to the District Election Officer (Panchayats) who in turn will send the consolidated list of such vacancies to the State Election Commission for further action to fill the seats in accordance with the provisions of the Act and these rules.

If the number of contesting candidates in any constituency is more than one, a poll shall be taken on the date specified under rule 33.

## CHAPTER-VI

### POLL AND VOTING FOR ELECTION

50. *Manner of voting at election.*—At every election, where a poll is taken, votes shall be cast by secret ballot in the manner hereinafter provided and no votes shall be received by proxy.

51. *Ballot Box.*—Every ballot box shall subject to general or special orders of the State Election Commission be of such design that ballot papers can be inserted therein but cannot be withdrawn therefrom without the box being unlocked and the seals being broken.

52. *Ballot papers.*—(1) Every ballot paper at an election shall be of such design/colour as the State Election Commission may specify.

(2) The required number of ballot papers for a polling booth shall be supplied to the Presiding Officer against proper receipt and an account of such ballot papers so issued shall be kept by the District Election Officer (Panchayats) or by an officer authorised by him.

(3) The Presiding Officer shall keep an account of the ballot papers supplied to him for use at the polling booth separately for each election in Form-29.

53. *Notice at polling stations.*—(1) Outside and inside each polling station there shall be displayed prominently—

- (a) a notice specifying the polling area, the voters of which are entitled to vote at the polling station; and
- (b) a notice giving the name of each candidate in devanagari script in the same order in which the names of such candidates appear in the list of contesting candidates published under rule 41.



(2) The District Election Officer (Panchayats) shall also provide at each polling station sufficient number of copies of the electoral rolls in respect of the polling area, the voters of which are entitled to vote at such polling station as well as such other equipments and accessories as may be required for taking the poll at such polling station.

54. *Arrangement of polling stations.*—Each polling station shall be furnished with one or more polling compartment hereinafter to as compartment screened from observation in which voters can one after another, cast their votes and no other voter shall be allowed to enter such compartment, unless the voter inside the compartment for the purpose of recording his vote comes out.

55. *Admission of voters to polling station.*—The Presiding Officer shall regulate the number of voters to be admitted at any one time inside the polling station and shall exclude therefrom all persons other than :—

- (a) Polling Officer;
- (b) Public servants on duty in connection with the election;
- (c) persons authorised by the State Election Commission, District Election Officer (Panchayats) or the Returning Officer, as the case may be;
- (d) candidates, the election agents and subject to the provisions of these rules one polling agent of each candidate;
- (e) a child in arms accompanying a voter;
- (f) a person accompanying a blind or infirm voter who cannot move without help; and
- (g) such other person as the Returning Officer or the Presiding Officer may employ for the purpose of identifying the voter.

57. *Ballot boxes to be locked and sealed before the commencement of poll.*—(1) The Presiding Officer at each polling station shall immediately before the commencement of the poll, allow inspection of each ballot box, to be used at the poll, by the candidates, their election agents and their polling agents, who are present at such station, and demonstrate to them and to all other persons present, that it is empty.

(2) The presiding officer shall, after complying with the provisions of sub-rule (1), secure and seal the box in such manner that the slit in the box for insertion of ballot papers therein remains open and shall also allow the candidates or their election or polling agents, who may be present to affix their own seals in the space in the box meant therefor if they so desire.

(3) The seals to be used for ballot box shall be affixed in such manner that it shall not be possible to open the box again without breaking such seal or any thread on which the seals have been affixed.

57. *Identification of voters.*—(1) The presiding officer may employ at the polling station such persons as he thinks fit to help in the identification of the voters or to assist him otherwise in taking a poll:

Provided that identity cards when issued by the Election Commission of India or by the State Election Commission or any other officer authorised by it to the voters shall be valid proof of identification during the polling for Panchayat Elections.

(2) As each voter enter the polling station, the Presiding Officer or the Polling Officer authorised by him in this behalf shall check the voter's name and other particulars with the relevant entry in the electoral roll and then call out the serial number, name and other particulars of the voter.

(3) In deciding the right of a person to obtain a ballot paper, the presiding officer of the polling station as the case may be shall over look minor clerical or printing errors in any entry in the electoral roll, if he is satisfied that such person is the same to whom such entry relates.

**58. Challenging of identity.**—(1) Any candidate or election agent or polling agent may challenge the identity of a person claiming to be a particular voter by first depositing a sum of two rupees in each with the Presiding Officer for such challenge.

(2) On such deposit being made, the Presiding Officer shall—

- (a) warn the person challenged of the penalty for impersonation;
- (b) read the relevant entry in the electoral roll in and ask him whether he is the person referred to in that entry;
- (c) enter his name and address in the list of challenged votes in Form 30; and
- (d) require him to affix his signature in the said list.

(3) The Presiding Officer shall thereafter hold a summary inquiry into the challenge and may for that purpose:—

- (a) require the challenger to adduce evidence in proof of the challenge and the person challenged to adduce evidence in proof of his identity;
- (b) put to the person challenged any questions necessary for the purpose of establishing his identity and require him to answer them on oath; and
- (c) administer an oath to the person challenged and other person offering to give evidence.

(4) If, after the inquiry, the Presiding Officer considers that the challenge has not been established, he shall allow the person challenged to vote; and if he considers that the challenge has been established, he shall debar the person challenged from voting.

(5) If the Presiding Officer is of the opinion that the challenge is frivolous or has not been made in good faith he shall direct that the deposit made under sub-rule(1) be forfeited to the State Government and in any other case, he shall return it to the challenger at the conclusion of the inquiry.

**59. Issue of ballot paper.**—(1) No ballot paper shall be issued to any voter before the hour fixed for the commencement of the poll.

(2) No ballot paper shall be issued to any voter after the hour fixed for the closing of the poll except to those voters who are present at the polling station at the time of the closing of the poll. Such voters shall be allowed to cast their votes even after the time for the poll is over.

(3) Every ballot paper shall, before issue to a voter, be marked with such distinguishing mark as the District Election Officer (Panchayats) may direct.

(4) In a polling station where polling for more than one office bearers is to be taken, each voter shall be provided with ballot papers meant for such different offices simultaneously.

(5) At the time of issuing a ballot paper to a voter the polling officer shall under line the entry relating to a voter in the copy of the electoral roll set part for the purpose to indicate that he has been issued a ballot paper and in case of women voter he will also tick on the left hand side against her name. He shall not record the serial number thereof on the electoral roll.

(6) No person in the polling station shall note down the serial number of the ballot paper issued to a particular voter.

**60. Voting Procedure.**—(1) At each polling station two ballot boxes shall be used at a time, one for casting votes for the election of members, Pradhan and Up-Pradhan of Gram Panchayat and the other for the election of the members of Panchayat Samiti and Zila Parishad.

(2) The Polling Officer shall first issue the ballot paper separately for election of the members, Pradhan and Up-Pradhan of Gram Panchayat and after having cast the votes in ballot box No. 1 and thereafter he shall issue the ballot papers for the election of the members of Panchayat Samiti and Zila Parishad separately for which ballot box No. 2 shall be used.

(3) On receiving the ballot papers, the voter shall forthwith proceed to the compartment and make the ballot paper by putting the seal provided for the purpose on or before the name and symbol of the candidate to whom elector wants to vote, printed on the ballot paper. He shall insert it in the relevant sealed ballot box kept before the Polling Officer.

(4) Every voter shall without undue delay quit the polling Station as soon as he has cast his vote.

**61. Casting of vote by blind or infirm voters.**—(1) If the Presiding Officer is satisfied that owing to blindness or other physical infirmity an elector is unable to recognise the symbol on the ballot paper or to make a mark thereon without assistance, the presiding officer shall permit the elector to take with him a companion of not less than eighteen years of age to the voting compartment for recording the vote on the ballot paper on his behalf and in accordance with his wishes, and if necessary, for folding the ballot paper so as to conceal the vote and inserting it into the ballot box:

Provided that no person shall be permitted to act as the companion of more than one elector at any polling station on the same day:

Provided further that before any person is permitted to act as the companion of an elector on the day of poll under this rule, the person shall be required to declare, in writing, that he will keep secret the vote recorded by him on behalf of the elector and that he has not already acted as the companion of any other elector at any polling station on the same day.

(2) The Presiding Officer shall keep a brief record of all such cases.

**62. Spoilt and returned ballot paper.**—(1) An elector who has inadvertently dealt with his ballot paper in such manner that it cannot be conveniently used as a ballot paper may, on returning it to the Presiding Officer and on satisfying himself of the inadvertence be given another ballot paper and the ballot paper returned and the counterfoil of such ballot paper shall be marked "spoilt-cancelled" by the Presiding Officer.

(2) If an elector after obtaining a ballot paper decides not to use it, he shall return it to the Presiding Officer and the ballot paper so returned and the counterfoil of such ballot paper shall be marked as "Returned-cancelled" by the presiding officer.

(3) All ballot papers cancelled under sub-rule (1) or sub-rule (2) shall be kept in a separate packet.

**63. Tended votes.**—(1) If a person representing himself to be a particular voter named in the electoral roll applies for a ballot paper after another person has already voted as such

voter, the applicant shall, after duly answering such questions as the Presiding Officer may ask be entitled to receive a ballot paper hereinafter referred to as a tendered ballot paper in the same manner as any other voter.

(2) A tendered ballot paper shall instead of being put into the ballot box, be handed over by such person to the Presiding Officer. The Presiding Officer shall then place the ballot paper in a separate packet set apart for the purpose. At the end of the poll the packet containing all such tendered ballot papers shall be sealed. Such votes shall not be counted at the time of counting of votes.

(3) The name of the village, the number of the constituency the name of the voter, his serial number in the electoral roll and the number of the polling station to which the electoral roll relates shall be entered in a list in Form 31 which shall bear the heading "List of tendered vote". The person tendering such ballot paper shall sign his name or affix his thumb impression against entry relating to him in that list.

(4) Form 31 shall be prepared separately concerning the election of member, Pradhan, up-Pradhan and member of Panchayat Samiti and member of Zila Parishad.

64. *Closing of poll.*—(1) The Presiding Officer shall close a polling station at the hour, fixed in that behalf under rule 32 and shall not thereafter admit any voter into the polling station;

Provided that all voters present at the polling station before it is closed shall be allowed to cast their votes.

(2) If any question arises whether a voter was present at the polling station before it was closed, it shall be decided by the Presiding Officer and his decision shall be final.

65. *Sealing of ballot boxes after poll.*—(1) As soon as practicable after the closing of the poll, the Presiding Officer shall, in the presence of candidates or their election or polling agents close the slit of the ballot box and where the ballot box does not contain any mechanical device for closing the slot, he shall seal up the slit and also allow any candidate, election agent or polling agent present to affix his seal, if they so desire.

(2) The ballot box shall thereafter be sealed and secured.

(3) Where it becomes necessary to use a second ballot box by reason of the first box getting full, the first box shall be closed, sealed and secured as provided under sub rules (1) and (2) before another ballot box is put into use.

66. *Account of ballot papers.*—(1) The Presiding Officer shall at the close of the poll prepare a ballot paper account in Form-29 and enclose it in a separate cover with the words "Ballot Paper Account" superscribed thereon.

(2) The account of ballot papers shall be prepared separately for the election of Member, Pradhan, Up-Pradhan, member of Panchayat Samiti and member of Zila Parishad, as the case may be.

67. *Sealing of other packet.*—The Presiding Officer shall then prepare and seal the following packets.

- (a) the marked copy of the electoral roll;
- (b) other copy of electoral roll;
- (c) counterfoil of the used and un-used ballot paper;
- (d) the cancelled ballot papers;
- (e) the cover containing the tendered ballot papers and the list of tendered ballot papers;

- (f) the list of challenged votes; and
- (g) any other papers directed by the Returning Officer to be kept in a sealed packet.

*Explanation.*—Separate packets shall be prepared regarding election of Member, Pradhan, Up-Pradhan, member of Panchayat Samiti and member of Zila Parishad.

(2) Each packet referred to under sub-rule (1) shall be sealed with the seals of the Presiding Officer and of candidates, election agents or polling agents present who may desire to affix their seals thereon.

**68. Transmission of ballot boxes, Packets etc. to the Returning Officer.**—(1) The Presiding Officer shall deliver or cause to be delivered to the Returning Officer at such place as the Returning Officer, or such other officer authorised by him in this behalf, may direct:—

- (a) the ballot boxes;
- (b) the ballot papers account;
- (c) the sealed packets referred to in rule 67; and
- (d) all other papers/material used at the poll.

(2) The Returning Officer or any other officer authorised by him in this behalf under the over all directions of the District Election Officer (Panchayats) shall make adequate arrangements for the safe transport of ballot boxes pertaining to the Gram Panchayat to the Gram Panchayat Headquarters and ballot boxes pertaining to Panchayat Samiti and Zila Parishad to Panchayat Samiti Headquarters as per election programme. The building in which the ballot boxes are kept shall be adequately guarded by armed police/Homeguard forces.

**69. Adjournment of poll in emergency.**—(1) If at an election the proceedings at any polling station for the poll are interrupted or obstructed by any riot or open violence, or if at an election it is not possible to take the poll at any polling station on account of any natural calamity, or any other sufficient cause, the Returning Officer or the Presiding Officer for such polling station shall announce an adjournment of the poll to a date to be fixed later and where the poll is so adjourned by the Presiding Officer, he shall forthwith inform the Returning Officer concerned.

(2) Whenever a poll is adjourned under sub-rule (1) the Returning Officer shall immediately report the circumstances to the State Election Commission through the District Election Officer who shall, as soon as may be, fix the day on which, the poll shall be held and fix the polling station at which and the hours during which, the poll shall be taken.

(3) In every such case as aforesaid, the District Election Officer (Panchayats) shall publish the date, place and hours of the poll fixed under sub-rule (2) in the manner laid down in rule 32 and the provisions of the rules governing the original poll shall *mutatis mutandis* apply to the fresh poll taken under this rule.

**70. Procedure of Adjournment of poll.**—(1) If the poll at any polling station is adjourned under rules 69 the provisions of rule 64 to 67 (both inclusive) shall as far as practicable, apply as if the poll was closed at the hour fixed in that behalf under rule 64.

(2) The Returning Officer shall provide to the Presiding Officer of the Polling Station, at which such adjourned poll is held, ballot papers, copies of electoral rolls and all other election material required for the purpose.

(3) The provisions of rules 50 to 69 (both inclusive) shall apply in relation to the conduct of an adjourned poll as they apply in relation to the poll before it was so adjourned.

71. *Fresh poll in case of destruction, etc. of ballot boxes.*—(1) If at any election:—

- (a) any ballot box used at a polling station is unlawfully taken out of the custody of the Presiding Officer or Returning Officer or is accidentally or intentionally destroyed or lost or is damaged or tampered with to such an extent, that the result of the poll at that polling station cannot be ascertained; or
- (b) any such error or irregularity in procedure as is likely to vitiate the poll is committed at a polling station, the Returning Officer shall forthwith report the matter to the State (Panchayats) Election Commission through the District Election Officer.

(2) On receipt of report under sub-rule (1) the State Election Commission shall, after taking all material circumstances into account, either:—

- (a) declare the poll at the polling station to be void, and appoint a day, and fix the hours for taking a fresh poll at that polling station and notify the day so appointed and the hours so fixed in such manner as it may deem fit; or
- (b) if satisfied that the result of a fresh poll at that polling station will not, in any way affect the result of the election or that the error or irregularity in procedure is not material, issue such directions to the Returning Officer as it may deem proper.

(3) The provisions of the Act and these rules or orders made there under shall apply to every such fresh poll as they apply to the original poll.

## CHAPTER-VII

### COUNTING OF VOTES

72. *Supervision of counting of votes.*—At every election where a poll is taken, votes shall be counted under the supervision and direction either of the Returning Officer or such other officer as may be authorised by him in this behalf. Each contesting candidate, his election agent and his counting agents shall have a right to be present at the time of such counting.

73. *Admission to the place fixed for counting.*—(1) The Returning Officer or such other officer authorised by him in this behalf, shall exclude from the place fixed for counting of votes all persons except:—

- (a) such persons as he may appoint to assist him in the counting;
- (b) person authorised by the State Election Commission or the District Election Officer (Panchayats);
- (c) public servants on duty in connection with the election; and
- (d) candidates, their election agents and counting agents.

(2) No person who has been employed by or in behalf of, or has been otherwise working for a candidate in or about the election shall be appointed under clause (a) of sub-rule (1).

(3) The Returning Officer or such other officers authorised by him in this behalf, shall decide which counting agent or agents shall watch the counting at any particular counting table or group of counting tables.

(4) Any person, who during the counting of votes misconducts himself or fails to obey the lawful directions of the Returning Officer or such other officers authorised by him in this behalf may be removed from the place where the votes are being counted, by the Returning Officer, or by any police officer on duty or by any person authorised in this behalf by the Returning Officer.

74. *Scrutiny and opening of ballot boxes.*—(1) The Returning Officer or such other Officers authorised by him in this behalf may have the ballot boxes used at more than one poll-

ing station for the election of same office opened and votes polled therein counted simultaneously.

(2) Before any ballot boxes opened at a counting table, the counting agents present at the table shall be allowed to inspect the paper seal or such other seals as might have been affixed thereon and to satisfy themselves that it is intact.

(3) The Returning Officer or such other Officer authorised by him, shall satisfy himself that none of the ballot boxes has in fact been tampered with.

(4) If the Returning Officer or such other Officer authorised by him, is satisfied that any ballot box has in fact been tampered with, he shall not count the ballot papers contained in that box and shall follow the procedure laid down in rule 71 in respect of that polling Station.

**75. Procedure for counting of votes.**—The Returning Officer or any officer authorised by him, on the date, time and place fixed under rule 32, shall start the counting of votes in the following manner, namely :—

- (i) the counting of votes for the office/seats of Gram Panchayat shall take place at the headquarters of Gram Panchayat and for the members of Panchayat Samiti and Zila Parishad at the Block headquarters as per election programme;
- (ii) the Returning Officer or such other Officer as may be authorised by him in this behalf shall take out the ballot box constituency wise according to serial number and allow opportunity to candidates or their election agents to inspect the ballot box(es) and the seals to satisfy themselves that they are intact;
- (iii) After each ballot box is opened, the candidates or the election agents, who may be present, shall be allowed to inspect the ballot box and satisfy themselves that it bears the proper labels inside the ballot box;
- (iv) all the ballot papers in each box shall be taken out and the empty box be shown to the candidates or the election agents for their satisfaction that no ballot paper has been left inside the box;
- (v) the ballot papers taken out of each box shall be mixed up with other ballot papers taken out of other ballot boxes concerning the same office and after that shall be sorted out separately for each seat/office. The ballot paper for the members of Gram Panchayat shall be retained on the same tables and ballot papers for the office of Pradhan and Up-Pradhan shall be passed on without counting them to the Returning officer for their Counting at later stage. After the counting the result of members of Gram Panchayat shall be declared on Form 33 after preparing the result sheet on Form 32 after the declaration of result of all the members of the Gram Panchayat. The counting for the offices of Up-Pradhan/Pradhan shall be taken and result declared on Form 35 after preparing result-sheet on Form 34.
- (vi) the ballot papers taken out of boxes after mixing up with other ballot boxes concerning the election for each office shall be sorted out separately for members Panchayat Samiti and Zila Parishad at Block level. The ballot papers for the seat of members of Panchayat Samiti shall be retained on the same table and the ballot papers for the seat of members Zila Parishad shall be passed on the another tables without counting them after tallying with the Ballot Paper account. Counting for the seat of member Panchayat Samiti shall be taken-up first and the result of the members Panchayat Samiti shall be declared on Form 37 after preparing result sheet on Form 36. After this counting for the member Zila Parishad shall be taken up and result of counting of votes of members of Zila Parishad shall be prepared on Form 38 Part-I. The ballot paper account alongwith Form 38 Part-I and ballot paper in the sealed envelop shall be sent to the District Election Officer (Panchayats) who after compiling the Form 38 Part-I received from each block, prepare the result sheet in Form 38 part-II and then declare the result on form 39.

**76. Scrutiny and rejection of ballot papers.**—(1) A ballot paper contained in a ballot box shall be rejected if :—

- (a) it bears any mark or writing by which the voter can be identified;
- (b) it is a spurious ballot paper;
- (c) it has been so damaged or mutilated that its identity as a genuine ballot paper can not be established;
- (d) it bears a serial number, or is of a design, different from the serial numbers, or as the case may be, of design of the ballot paper, authorised for use at the particular polling station;
- (e) it does not bear any mark which it should have borne under the provisions of sub-rule (3) of rule 59.
- (f) it has not been marked by the Presiding Officer;
- (g) it has been marked in the columns of more than one candidates; or
- (h) it has been marked by an equipment and in the manner other than the equipment and the manner prescribed for that purpose;

Provided that where Returning Officer or such other officer authorised by him, on being satisfied that any such defect as is mentioned in clause (d) or clause (e) has in respect of all or any ballot papers used at a polling station been caused by the mistake or failure on the part of the Presiding Officer or Polling Officer concerned, has directed that the defect should be overlooked, a ballot paper shall not be rejected only on the ground of such defect under clause (d) or clause (e):

Provided further that if the mark put by a voter has spread over two columns of the ballot paper then, the vote shall be counted in favour of the candidate in whose column the major portion of the mark falls.

(2) Before rejecting any ballot paper under sub-rule (1) the Returning Officer or such other officers authorised by him shall allow each counting agent present a reasonable opportunity to inspect the ballot paper but shall not allow him to handle it or any other ballot paper.

(3) The Returning Officer or such other Officers authorised by him, shall record on every ballot paper which he rejects the letter 'R' and the grounds of rejection in abbreviated form whether in his own hand or by means of a rubber stamp.

(4) All ballot papers rejected under this rule shall be bundled together.

**77. Counting to be continuous.**—The Returning Officer or such other officer authorised by him, shall, as far as practicable, proceed continuously with the counting of votes and shall, during any intervals when the counting has to be suspended, keep the ballot papers, packets and other papers relating to the election sealed with his own seal and the seals of such candidates or election agent or the counting agents, as may be desirous of affixing their seals and shall cause adequate precautions to be taken for their safe custody during such intervals.

**78. Re-commencing of counting after fresh poll.**—(1) If a fresh poll is held under rule 71, the Returning Officer or any other officers authorised by him in this behalf shall after completion of that poll, commence the counting of votes on the date and at the time and place which have been fixed by him in that behalf and of which notice has been previously given to the candidates and their election agents.

(2) The provisions of rules 76 and 77 shall apply so far as may be to such further counting.

**79. Recount of votes.**—(1) After the completion of the counting, the Returning Officer or any other Officer authorised by him shall prepare the result sheet and declare the result in the manner set out in rule 75 as prescribed.



(2) After the result has been declared a candidate or, in his absence, his election agent or his counting agent may apply in writing to the Returning Officer or any other officer authorised by him in this behalf for a recount of all or any of the ballot papers already counted stating the grounds on which he demands such recount.

(3) On an application for recount being made to him the Returning Officer or any other officer authorised by him in this behalf shall decide the matters and may allow the application in whole or in part or may reject it if it appears to him to be frivolous or unreasonable.

(4) Every decision of the Returning Officer or any other Officer authorised by him, under sub-rule (3) shall be in writing and contain the reasons therefor;

(5) If the Returning Officer or any other officer authorised by him in this behalf, decides under sub-rule (3) allow an application either in whole or in part, he shall—

- (a) count the ballot papers again in accordance with his decision;
- (b) amend the result sheet to the extent necessary after such recount; and
- (c) announce the amendment so made by him.

(6) After the total number of votes polled by each candidate has been announced under sub-rule (1) or sub-rule (5) the Returning Officer, or such other officer authorised by him, shall complete and sign the result sheet and no application for a recount shall be entertained thereafter :

Provided that no step under this sub-rule shall be taken on the completion of the counting until the candidates and election agents present at the completion thereof have been given a reasonable opportunity to exercise the right conferred by sub-rule (2).

**80. Equality of Votes.**—If, after the counting of votes is completed and equality of votes is found to exist between any candidates and an addition of one vote will entitle any of these candidates to be declared elected, the Returning Officer shall forthwith decide between those candidates by lot and proceed as if the candidate on whom the lot falls has received an additional vote.

## CHAPTER-VIII

### ELECTION PAPERS

**81. Return or forfeiture of candidates deposits.**—(1) The deposit made under rule 37 shall either be returned to the persons making it or his legal representative or be forfeited to the State Government in accordance with the provisions of this rule.

(2) Except in cases herein after mentioned in this rule, deposit shall be returned as soon as practicable after the result of the election is declared.

(3) If the candidate is not shown in the list of contesting candidates or if he dies before the commencement of the poll, the deposit shall be returned as soon as practicable after the publication of the list or after his death, as the case may be.

(4) Subject to the provisions of sub-rule (3) the deposit shall be forfeited, if, at an election where a poll has been taken, the candidate is not elected and the number of valid votes polled by him does not exceed one-sixth of the total number of valid votes polled by all the candidates.

**82. Custody of papers relating to election.**—The papers relating to election of member of Gram Panchayat, Pradhan, Up-Pradhan and member of Panchayat Samiti shall be kept

in the office of Block Development and Panchayat Officer under safe custody and election papers relating to the election of members of Zila Parishad shall be kept in the Office of District Election Officer (Panchayat) in the safe custody.

**83. Production and inspection of election papers.**—While in the custody of the District Election Officer:—

- (a) the packets of unused ballot papers;
- (b) the packets of used ballot papers whether valid, tendered or rejected; and
- (c) the packets of marked copies of the voters' lists;

shall not be opened and their contents shall not be inspected by or produced before, any person or authority except under the order of a competent Court.

**84. Disposal of Election Papers.**—The packets referred to in rule 81 shall be retained for a period of ~~one year~~ <sup>one month</sup> after the election and destroyed subject to any direction to the contrary given by the State Government or by the State Election Commission or by a Competent Court or pending legal proceedings.

## CHAPTER-IX

### ELECTION OF CHAIRMAN AND VICE-CHAIRMAN OF PANCHAYAT SAMITI

**85. Meeting for election.**—(1) After the declaration of results of the elected members of the Panchayat Samiti, the Deputy Commissioner concerned or any other officer authorised by him in this behalf except Block Development and Panchayat Officer shall fix a date of meeting under his presidentship (hereinafter referred to as Presiding Officer) for the purposes of oath or the affirmation of allegiance under section 127 of the Act and for the election of Chairman and Vice-Chairman of Panchayat Samiti as soon as possible, but not later than one week of the declaration of results as per section 79 of the Act.

(2) The Presiding Officer shall issue a notice to all the members entitled to take part in the proceedings in Form-40.

(3) A copy of such notice shall be exhibited on the notice board of the Panchayat Samiti Office.

(4) The Notice shall be displayed at least five days before the date of meeting at their permanent address and shall contain the date, time, place and purpose of the meeting.

(5) Quorum for such meeting shall be two-third of the total elected members.

(6) Every candidate for the office of Chairman or Vice-Chairman, as the case may be shall be nominated in writing and the nomination paper in form 41 shall be signed by two or the members one as proposer and another as a seconder. No member shall be allowed to propose or second more than one candidate for one office. The nomination paper shall be delivered to the Presiding Officer within one hour after the oath or affirmation of allegiance under section 127 of the Act is administered or made. Any nomination paper subscribed and delivered in contravention of these rules shall be invalid and declared as such by the the Presiding Officer.

(7) Scrutiny of nomination papers shall be taken up by the Presiding Officer after the expiry of one hour allotted for the delivery of nomination papers in the presence of members. An objection to any nomination paper shall be recorded by the Presiding Officer who after proper consideration shall accept or reject each nomination. In case of rejection of any objection he shall record the reason for the same.

(8) The Presiding Officer of the meeting shall read out in the meeting:

(a) the names of the candidate whose nomination papers have been declared invalid and the reasons thereof; and

(b) the names of the candidate duly nominated.

(9) (i) If there is only one candidate for election he shall be declared to have been duly elected.

(ii) If no nomination paper has been filed for any office or if no candidate has been duly nominated for any office or if all candidates who have filed the nomination paper withdraw their nomination papers, a report of this fact shall be sent to the State Election Commission for further course of action for filling the office according to the provisions of the Act.

(10) If the number of candidate is more than one, the election shall be held by secret ballot.

(11) The Presiding Officer shall assign serial number to each candidate with reference to their names written alphabetically in Hindi in Devanagari script and announce to the members serial numbers assigned to each candidate.

(12) The Presiding Officer shall cause the ballot paper to be prepared in the following form:—

### BALLOT PAPER

.....Panchayat Samiti.....Name of candidates  
for election of.....

- 1.
  - 2.
  - 3.
  - 4.
- and so on

Dated.....

.....  
*Signature of the Presiding  
Officer of the meeting with  
his official seal.*

(13) The ballot paper shall be signed by the Presiding Officer of the meeting and one paper handed over to each member for each election who shall put a cross (X) against the candidate for whom he wishes to vote. If a member is unable due to illiteracy, blindness or other physical infirmity to record his vote, the Presiding Officer of the meeting shall record the vote on ballot paper in accordance with the wishes of the such member. The ballot paper shall not be signed by the member nor be marked in any other way that could reveal his identity. If the paper is so signed or marked or mutilated, the vote shall be void.

(14) The ballot paper shall be inserted in the box provided for the purpose.

(15) (i) Immediately after the voting is over, the Presiding Officer shall in the presence of the members present open the box containing the ballot papers, count them and record the number thereof in a statement.

(ii) A ballot paper shall be invalid:—

(a) if it bears the signature of the member or contains any word, or any visible representation by which he can be identified; or

- (b) if marks are placed thereon against more than one candidate; or
- (c) if the mark is so placed thereon as to make it doubtful for which one or the two or more candidates the vote was intended to be given; or
- (d) if no mark is placed thereon; or
- (e) if it does not bear the signature of the Presiding Officer.

(16) At the end of the poll the Presiding Officer shall declare the candidate who secures the largest number of votes to be duly elected.

(17) In case of equality of votes, the election shall be decided by lot to be drawn by the Presiding Officer.

(18) The Presiding Officer shall keep order in the meeting and ensure that the election is fairly conducted.

(19) Immediately after the conclusion of the meeting the Presiding Officer shall—

- (a) prepare a record of the proceedings of the meeting and sign it. Any member in the meeting shall be permitted to affix his signature to such record, if he so desires; and
- (b) publish on the notice board of the Panchayat Samiti a notice in form-42 signed by him as a prescribed authority as per provisions of section 126 of the Act stating the names of persons elected and send a copy of such notice to the District Election Officer.

(20) (a) The Presiding Officer shall then make up into separate packets the counted and rejected ballot papers relating to each election, seal each packet and note thereon description of its contents, the election to which it relates and the date thereof. The packets so sealed shall not be opened and their contents shall not be inspected or produced except under the orders of the competent court.

(b) The ballot paper shall remain in safe custody of the District Election Officer for one year and shall thereafter be destroyed unless otherwise directed by a competent court or pending legal proceedings.

## CHAPTER-X

### ELECTION OF CHAIRMAN AND VICE-CHAIRMAN OF ZILA PARISHAD

86. *Meeting for election.*—(1) After the declaration of result of the elected members of the Zila Parishad, the Deputy Commissioner concerned shall fix a date of meeting for the purpose of oath or the affirmation of allegiance under section 127 of the Act and for the election of Chairman and Vice-Chairman of Zila Parishad under his presidentship (hereinafter referred to as the Presiding Officer) as soon as possible but, not later than one week of such declaration as per section 90 of the Act.

(2) The Deputy Commissioner shall issue a notice to all the elected members in form-40.

(3) A copy of such notice shall be exhibited on the notice board of the Zila Parishad office and office of the Deputy Commissioner.

(4) The quorum of such meeting shall be 2/3 of the total elected members.

(5) The notice shall be despatched at least five days before the date of meeting at their permanent addresses and shall contain the date, time, place and purpose of the meeting.

(6) Every candidate for the Chairman and Vice-Chairman as the case may be nomination paper in form 41 shall be signed by two of the elected members one a proposer and another as a seconder. No member shall be allowed to propose or second more than one candidates. The nomination paper shall be delivered to the Presiding Officer within hour after the oath or affirmation of allegiance under section 127 of the Act is administered or made. Any nomination paper subscribed and delivered in contravention of these rules shall be invalid and declared as such by the Presiding Officer.

(7) Scrutiny of nomination paper shall be taken up by the Presiding Officer after the expiry of one hour allotted for the delivery of nomination papers in the presence of members. An objection to any nomination shall be recorded by the Presiding Officer who after proper consideration shall accept or reject each nomination. In case of rejection of any objection he shall record the reasons for rejection in brief.

(8) The Presiding Officer of the meeting shall read out in the meeting:—

- (a) the names of the candidates whose nomination papers have been declared invalid and the reasons thereof; and
- (b) the names of the candidate duly nominated.

(9) (I) If there is only one candidate for election he shall be declared to have been duly elected.

(II) If no nomination has been filed for any seat or if no candidate has been duly nominated for any seat or if all nominated candidates withdraw their nomination papers a report of this fact shall be sent to the State Election Commission for further courts of action for filling the seat according to the provisions of the Act.

(10) If the number of candidates is more than one, the election shall be held by secret ballot.

(11) The Presiding Officer shall assign serial number to each candidate with reference to their names written alphabetically in Hindi in Devnagri script and then announce to the members serial numbers assigned to each candidate.

(12) The Presiding Officer shall cause the ballot paper to be prepared in the following form:—

### BALLOT PAPER

.....Zila Parishad.....Name of Candidates for  
election of.....

- 1.
- 2.
- 3.
- etc.

.....  
*Signature of the Presiding Officer  
of the meeting with his official  
seal.*

(13) The ballot papers shall be signed by the Presiding Officer and one paper each shall be handed over to each elected member for each election who shall put a cross (X) against the candidate for whom he wishes to vote. If a member is unable due to illiteracy, blindness or

other physical infirmity to record his vote, the Presiding Officer of the meeting shall record the vote on ballot paper in accordance with the wishes of such member. The ballot paper shall not be signed by the member nor be marked in any other way that could reveal his identity. If the paper is so signed or marked or mutilated, the vote shall be void.

(14) The ballot paper shall be inserted in the box provided for the purpose.

(15) (i) Immediately after the voting is over, the presiding officer shall in the presence of the members present, open the box containing the ballot papers, count them and record the number thereof in a statement.

(ii) A ballot paper shall be invalid:—

- (a) if it bears the signature of the member or contains word, or any visible representation by which he can be identified; or
- (b) if marks are placed thereon against more than one candidates; or
- (c) if the mark is so placed thereon as to make it doubtful for which one or the two or more candidate the vote was intended to be given; or
- (d) if no mark is placed thereon; or
- (e) if it does not bear the signature of the Presiding Officer.

(16) At the end of the poll the Presiding Officer shall declare the candidate who secures the largest number of votes to be duly elected.

(17) In case of equality of votes, the election shall be decided by lot to be drawn by the Presiding Officer

(18) The Presiding Officer of the meeting shall keep order in the meeting and see that the election is fairly conducted.

(19) Immediately after the conclusion of the meeting, the Presiding Officer shall:—

- (a) prepare a record of the proceedings of the meeting and sign it, any member in the meeting shall be permitted to fix his signature on such record, if he so desires; and
- (b) publish on the notice board of the Panchayat a notice in form 42 signed by him as a prescribed authority as per provisions of section 126 of the Act stating the names of persons elected and send a copy of such notice to the District Election Officer.

(20) (a) The Presiding Officer shall make up into separate packets the counted and rejected ballot papers relating to each election seal such packets and note thereon a description of its contents, the election to which it relates and the date thereof. The packets so sealed shall not be opened and their contents shall not be inspected or produced except under the orders of the competent court.

(b) The packets shall remain in safe custody of the District Election Officer for one year and shall thereafter be destroyed unless otherwise directed by a competent court or pending legal proceedings.

## CHAPTER-XI

### RESERVATION FOR CHAIRPERSONS

*Reservation of offices of Pradhan Gram Panchayats:—*(1) Before every election to a Gram Panchayat of the State Government or any other officer authorised by it in this behalf shall in accordance with the provisions of section 125 of the Act, determine the number

of the offices of Pradhans of Gram Panchayats to be reserved for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Women in a block.

(2) For the purpose of reservation of the offices of the Pradhans the population of general category, Scheduled Castes, Scheduled Tribes and women shall be worked out Gram Sabha-wise.

(3) In every block the offices of the Pradhans of the Gram Panchayats shall be reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in proportion to their population in the State. The Gram Sabha having highest population of Scheduled Castes shall be reserved for the members of the Scheduled Castes and the Gram Sabha having the highest population of Scheduled Tribes shall be reserved for the Scheduled Tribes.

(4) If the number of offices to be reserved for the members of Scheduled Castes or Scheduled Tribes is more than one, then the Gram Sabha having the next highest population of Scheduled Castes and Scheduled Tribes shall be reserved for the members of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be, and so on:

Provided that if the total population of Scheduled Castes or Scheduled Tribes in a Block is less than 5% of the total population, then no office shall be reserved.

(5) Out of the offices reserved for members of Scheduled Castes and Scheduled Tribes, one-third of the offices shall be reserved for women members belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be, and the Gram Sabha having highest population of women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, in a block shall be reserved for such women.

(6) If the number of offices to be reserved for women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, is more than one then the Gram Sabha having the next highest population of women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, shall be reserved for such women, and so on.

(7) Out of the total office excluding the offices reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes (including women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes), one-third of the offices shall be reserved for women, and the Gram Sabha having the highest women population shall be reserved for general women and so on.

(8) The offices reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to general category on the basis of population shall be rotated after every five years from the date of first election. At the time of next election, the Gram Sabha having the next highest percentage of population shall be reserved for members of Scheduled Castes and Scheduled Tribes including women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to general category (and the office earlier reserved shall be kept open to the members of the general category and) so on for subsequent election:

Provided that the reservation of any office for a particular category shall not be repeated unless all other offices in the block are covered by rotation.

(9) The reservations made under this rule shall be finalised by the State Government or by any officer authorised by it, in this behalf, and shall be given wide publicity by affixing a copy of order of reservation on the notice board of his office and that of the Gram Panchayat Samiti shall also send a copy of the same to the Government for publication of the order in the Official Gazette and this notification shall be the conclusive proof of reservations of offices of Pradhan in the block.

88. *Reservation of offices of Chairmen in Panchayat Samitis:—*(1) Before every election to Panchayat Samitis, the State Government or any other authorised by it in this behalf shall, in accordance with the provisions of section 125 of the Act, determine the number of the offices of Chairmen of Panchayat Samitis to be reserved for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and women in the district.

(2) For the purpose of reservation of the offices of the Chairmen of Panchayat Samitis, the population of general category, Scheduled Castes, Scheduled Tribes and women shall be worked out Panchayat Samiti-wise.

(3) In every district the offices of the Chairman of the Panchayat Samiti shall be reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in proportion to their population in the State. The Panchayat Samiti having the highest population of Scheduled Castes shall be reserved for the members of the Scheduled Castes and the Panchayat Samiti having the highest population of Scheduled Tribes shall be reserved for the Scheduled Tribes.

(4) If the number of offices to be reserved for the members of Scheduled Castes or Scheduled Tribes is more than one, then the Panchayat Samiti having the next highest population of Scheduled Castes and Scheduled Tribes shall be reserved for the members of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be, and so on.

Provided that if the total population of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in a district is less than 5% of the total population, then no office shall be reserved.

(5) Out of the offices reserved for member of Scheduled Castes and Scheduled Tribes, one third of the offices shall be reserved for women members belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be, and the Panchayat Samiti having highest population of women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, in the district shall be reserved for such women.

(6) If the number of offices to be reserved for women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, is more than one then the Panchayat Samiti having the next highest population of women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, shall be reserved for such women, and so on.

(7) Out of the total offices excluding the offices reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes (including women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) one third of the offices shall be reserved for women and the Panchayat Samiti having the highest women population shall be reserved for general women, and so on.

(8) The offices reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to Scheduled Caste and Scheduled Tribes and women belonging to general category on the basis of percentage of population shall be rotated after every five years from the date of first election. At the time next election, the Panchayat Samiti having the next highest population shall be reserved for member of Scheduled Castes and Scheduled Tribes including women belonging to general category (and the office earlier reserved shall be kept open to the members of the general category and) so on for subsequent election:

Provided that the reservation of any office for a particular category shall not be repeated unless all other offices in the district are covered by rotation.

(9) The reservation made under this rule shall be finalised by the State Government or by any other officer authorised by it in this behalf and shall be given wide publicity by affixing a copy of order of such reservation on the notice board of his office and that



of the Gram Panchayat, Panchayat Samiti and Zila Parishad and shall also send a copy of the same to the Government for publication of the order in the Official Gazette and this notification shall be the conclusive proof of reservations of offices of Chairmen in the District

89. *Reservation of Offices of Chairmen in Zila Parishads.*—(1) Before every election to a Zila Parishad, the State Government or any other officer authorised by it in this behalf shall, in accordance with the provisions of section 125 of the Act, determine the number of offices of Chairman of Zila Parishad, to be reserved for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Women in the State.

(2) For the purpose of reservation of the offices of the Chairmen of Zila Parishad the population of general category, Scheduled Castes, Scheduled Tribes and women shall be worked out Zila Parishad wise.

(3) In the State the Offices of the Chairman of Zila Parishads shall be reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in proportion their population in the State. The Zila Parishad having highest population of Scheduled Castes shall be reserved for the members of the Scheduled Castes and the Zila Parishad having the highest population of Scheduled Tribes shall be reserved for the Scheduled Tribes.

(4) If the number of offices to be reserved for the members of Scheduled Castes or Scheduled Tribes is more than one, then the Zila Parishad having the next highest population of Scheduled Castes and Scheduled Tribes shall be reserved for the members of Scheduled Castes, Scheduled Tribes as the case may be, and as on.

(5) Out of the office reserved for members of Scheduled Castes and Scheduled Tribes one third of the offices shall be reserved for women members belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be, and the Zila Parishad having highest population of women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, in the State shall be reserved for such women.

(6) If the number of offices to be reserved for women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, is more than one then the Zila Parishad having the next highest population of women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, shall be reserved for such women, and so on.

(7) Out of the total officers excluding the offices reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes (including women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes), one third of the offices shall be reserved for women and the Zila Parishad having the next highest women population shall be reserved for general women and so on.

(8) The offices reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to general category on the basis of percentage of population shall be related after every five years from the date of first election. At the time to next election, the Zila Parishad having the next highest percentage of population shall be reserved for member of Scheduled Castes and Scheduled Tribes including women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to general category (and the office earlier reserved shall be kept open to the members of the general category) and so on for subsequent election.

Provided that the reservation of any office for a particular category shall not be repeated unless all other offices in the State are covered by rotation.

(9) The reservation made under this rule shall be finalised by the State Government or by any other officer authorised by it in this behalf and shall be given wide publicity by affixing a copy of order of such reservation on the notice board of his office and that of the Gram Panchayat, Panchayat Samiti and Zila Parishad and shall also send a copy of the same to the Government for publication of the order in the Official Gazette and this notification shall be the conclusive proof of reservation of offices of Chairman in the District.

90. *Report to State Election Commission.*—The Government shall cause to be delivered immediately after it is issued a copy of the final delimitation and reservation and reservation order made under these rules to the State Election Commission.

91. *Assistance from other Department.*—The State Election Commission may take assistance of any Government Officers/Official of any Department for the smooth and peaceful conduction of election.

92. *Limits of expenses.*—The State Election Commission may fix the limits of expense incurred by each candidates for election to Panchayat and may ask for the candidates to submit account of election expenses in such form as may be prescribed by the State election Commission.

## CHAPTER-XII

### ELECTION DISPUTES AND APPEALS

93. *Election Disputes.*—Disputes relating to elections to Panchayats shall be disposed of in accordance with the provisions of Chapter-XI of the Act.

94. *Presentation of Petition.*—(1) The election petition under section 163 of the Act shall be presented to the authorised Officer under whose territorial Jurisdiction the Gram Panchayats, Panchayat Samiti or Zila Parishad, as the case may be, is situated.

(2) The election petition shall enclose with the petition copies of the petition and of its enclosures equal to the number of respondents.

(3) The petition referred to in the proviso to sub-section (1) of section 164 of the Act shall be in Form 43 and shall be shown in before a Magistrate.

95. *Security deposit to be made with the Petition.*—At the time of presentation of an election petition the petitioner shall deposit a sum of Rs.30/- as security money in the Government Treasury or Sub-Treasury under the appropriate head of account in the name of Authorised Officer to whom the petition is presented or caused to be presented.

96. *Withdrawal of Petition.*—(1) An election petition may be withdrawn by the petitioner only after the permission of the Authorised Officer to whom the petition is presented or transferred as the case may be.

(2) When an application for withdrawal is made, a notice, thereof fixing a date for the hearing of the application shall be given to all other parties to the petition.

(3) No application for withdrawal shall be granted if, in the opinion of the Authorised Officer to whom the petition is presented or to whom such petition is transferred, as the case may be, such an application has been induced by any bargain or consideration which right not to be allowed.

(4) If the application is granted the Authorised Officer to whom the petition is presented or to whom such petition is transferred as the case may be, shall pass an order with regard to security deposit in accordance with the provisions laid down under Section 177 of the Act:

Provided that where the application of withdrawal is granted by the Authorised Officer a copy of the order shall be sent to the Director.

**97. Place and procedure of Enquiry.**—(1) The place of the enquiry shall be the headquarters of the Authorised Officer concerned to whom the petition is made or transferred :

Provided that the Authorised Officer to whom the petition is made or transferred as the case may be, may on being satisfied that special circumstances exist rendering it desirable that the enquiry should be held elsewhere, fix some other convenient place for this purpose.

(2) The public shall have free access to the place where enquiry into the election petition may be held.

(3) Notice of the time and place of enquiry shall be given to the parties not less than seven days before the first date of hearing.

**98. Communication of orders of petition.**—The Authorised Officer to whom the election petition is made or transferred, as the case may be, shall after conclusion of the election petition, send a copy of the order to the appellate authority and the Director.

## APPEALS

**99. Procedure in presentation of Appeal.**—(1) Any person aggrieved by an order made by the Authorised Officer under Sections 174 and 175 of the Act may within a period of thirty days make an appeal to the authorities referred to in section 181 of the Act:

Provided that the appellate authority may entertain the appeal after the expiry of the said period of thirty days, if it is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from filing the appeal in time.

(2) In computing the period of limitation for filing an appeal under the Act, the period spent in obtaining a copy of the order shall be excluded.

(3) Every appeal preferred under Sub-rule (1) shall be in the form of the memorandum by the appellant or this duly authorised agent and shall be accompanied by a Treasury Challan evidencing the deposit of a sum of Rs.200/ as fee in the Government Treasury or Sub-Treasury under the appropriate head of account in the name of appellate authority to whom the appeal is presented, or caused to be presented, the memorandum shall set forth **consisting the grounds of objections to the order appealed from and shall be accompanied by a copy of such order.**

(4) On receipt of an appeal under sub-rule (1) the appellate authority may after calling for record from the Authorised Officer against whose decision the appeal has been preferred and giving an opportunity to the parties of being heard and after making such further enquiry, if any, as may be necessary, pass such orders as it thinks fit and the order of the appellate authority shall be final.

(5) A copy of the order passed in appeal shall be sent to the Director.

100. *Abatement of appeal.*—If, before the decision of the appeal if the appellant or respondent dies, the appeal shall abate, the appellate authority shall cause notice of such event sent to the Divisional Commissioner and the Director of Panchayati Raj, Himachal Pradesh.

101. *Repeal and Savings.*—(1) The Himachal Pradesh Gram Panchayat and Panchayat Samiti (Election), Rules, 1991 Himachal Pradesh, Zila Parishad (Co-option of Members) Rules, 1973 and Himachal Pradesh, Panchayat Samiti (Co-option of members Rule, 1973 are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal anything done or action taken under the rules so repealed (including the orders issued or directions given) shall always be deemed to have been taken or done under the corresponding provisions of these rules.

### FORM-1

(See rule 15)

#### NOTICE OF PUBLICATION OF ELECTORAL ROLL

To

The Electors of Constituency No. ....  
of Gram sabha/Panchayat Samiti/Zila Parishad of .....  
District, Himachal Pradesh.

Notice is hereby given that the electoral roll has been prepared in accordance with the Himachal Pradesh Panchayati Raj Election Rules, 1994 and a copy thereof is available for inspection at my office and the offices of Gram Panchayats/Panchayat Samitis/Zila Parishads ..... during office hours.

If there is any claim for the inclusion of a name in the electoral roll or any objection to the inclusion of a name or any objection to particulars in any entry, it should be lodged on or before ..... (date) in Forms 2, 3 and 4 as may be appropriate.

Each such claim or objection should be addressed to the .....  
(full address) Revising Authority and should either be presented in person or through agent or sent by registered post so as to reach him not later than the aforesaid date.

Place.....

District Election Officer,

Date.....

(Panchayats).

### FORM-2

[See rule 18 (1) and 24]

#### CLAIM APPLICATION FOR INCLUSION OF NAME

To

The Revising Authority for the Panchayat Election, Himachal Pradesh.

Sir,

I request that my name be included in the electoral roll for the .....  
Constituency relating to ..... Gram  
Panchayat/Panchayat Samiti/Zila Parishad.

My Name (in full).....  
 My Father's/Mother's/Husband's Name.....  
 Particulars of my place of residence are.....  
 House No.....  
 Street/Mohalla/Village.....  
 Post Office.....  
 Tehsil & District.....

I hereby declare that to the best of my knowledge and belief that:—

- (i) I am a citizen of India.
- (ii) My age on.....i.e. the date notified by the State Election Commission under clause (e) of rule 14 was..... years..... months.
- (iii) I am an ordinary resident of the address given above.
- (iv) I have not applied for the inclusion of my name in the electoral roll for any other Constituency.
- (v) My name has not been included in the electoral for any constituency of the above mentioned Gram Panchayat/Panchayat Samiti/Zila Parishad.

OR

That my name has been included in the electoral roll for the..... Constituency under the address mentioned below and, I request that the same may be excluded from the electoral roll.

Place:.....  
 Date:.....  
 Signature/thumb impression of claimant.....  
 (Full Postal Address).....

I am an elector included in the electoral roll of the same part in which the claimant has applied for inclusion viz. Part No.....relating to..... my serial number therein to ..... I support his claim and countersign it.

.....  
 Signature of the elector  
 Name in full.....  
 and address.....

\*Strike off the inappropriate words.

Note:—Any person who makes a statement or declaration which is false and which he either knows or believes to be false or does not believe to be true is punishable in accordance with the law in force.

## FORM-3

(See rule 18)

## OBJECTION TO INCLUSION OF NAME

To

The Revising Authority,

.....Constituency.

Sir,

I object the inclusion of the name of .....  
 at serial No. .... in the electoral roll for .....  
 ..... constituency relating to .....  
 Gram Panchayat/Panchayat Samiti/Zila Parishad for the following reason (s) :-

.....  
 .....  
 .....

I hereby declare that the facts mentioned above are true to the best of my knowledge and belief that my name has been included in the electoral roll for this constituency as follows :

Name in full.....

Father's/Husband's /Mother's name.....

Serial No.....

No. and name of the constituency.....relating to  
 .....Gram Panchayat/Panchayat Samiti/  
 Zila Parishad.

Signature/thumb impression of objector

(Full postal address).....

Dated:.....

I am an elector included in the same electoral roll in which the name objected to appears, viz. number and name of the constituency.....relating.....  
 ..... Gram Panchayat/Panchayat Samiti/Zila Parishad. My Serial Number therein is..... I support this objection and countersign it.

Signature/thumb impression of the elector.  
 (Full postal address)

.....  
 .....

FORM-4

(See rules 18 and 23)

OBJECTION TO PARTICULARS IN ANY ENTRY

To

The Revising Authority for Panchayat Election .....  
.....constituency.

I submit that the entry relating to myself which appears at serial No. ....  
in the electoral roll for ..... Constituency  
relating to ..... Panchayat as .....  
is incorrect. It should be corrected to read as follows;

.....  
.....  
.....

Place: .....

Date: .....

.....  
Signature (thumb impression) of the  
elector.

(Full Postal Address).....

FORM 5

(See rule 18 (4), and 20 (1))

REGISTER OF CLAIMS FOR INCLUSION OF NAMES

..... Gram Panchayat/Panchayat Samiti/ Zila Parishad .....  
..... Constituency.

Sl. No.	Name, father's name and address	Date of presentation of claim	Date of decision with note in the presence of parties
---------	---------------------------------	-------------------------------	---

1	2	3	4
---	---	---	---

Decision Admitted	Rejected	Signature of revising authority	Signature of official by whom effect was given to the decision of the Revising Authority and date.
----------------------	----------	------------------------------------	---

5

6

7

8

## FORM-6

[See rule 18 (4) &amp; 20(1)]

## REGISTER OF OBJECTION TO INCLUSION OF NAMES

.....Gram Panchayat/Panchayat Samiti/Zila Parishad.....  
.....Constituency.

Person objected to		Name, father's/ husband's name and addresses of the objector	Sl. No. of ob- jector in the electoral roll	Date of pre- sentation of objection
Sl.No.	Under name of			
	with Sl. No. in the elec- toral roll.			

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

Date of decision with note as to presence of parties	Decision		Signature of Revising Autho- rity	Signature of official by whom effect was given to the decision of the Revising Authority and date
	Admitted	Rejected		

7	8	9	10	11
---	---	---	----	----

## FORM-7

[See rule 18 (4) &amp; 20 (1)]

## REGISTER OF OBJECTIONS TO THE PARTICULARS IN AN ENTRY

.....Gram Panchayat/Panchayat Samiti/Zila Parishad.....  
.....Constituency.

Sl. No.	Name of the objector	Date of presentation of objection	Particulars as existed in the electoral roll	Correct parti- culars as requested by the objector
---------	----------------------	--------------------------------------	---	--

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

Decision		Signature of the Revising Authority	Signature of official by whom effect was given to the decision of the Revising Authority and date
Admitted	Rejected		

6	7	8	9
---	---	---	---



**FORM-8**

[See rule 19 (1)]

**LIST OF CLAIMS**

.....Gram Panchayat/Panchayat Samiti/Zila Parishad.....  
.....Constituency.....

Date of receipt	Serial No.	Name of claimant	Name of father/husband/mother	Address	Date, time and place of hearing
1	2	3	4	5	6

.....  
*Signature of Revising Authority.*

**FORM-9**

[See rule 19 (1)]

**LIST OF OBJECTIONS TO INCLUSION OF NAMES**

.....Gram Panchayat/Panchayat Samiti/Zila Parishad.....  
.....Constituency.....

Date of receipt	Sl. No.	Full Name of objector	Particulars of name objected to	Objection in brief	Date, time and place of hearing
1	2	3	Sl. No. of entry in electoral roll	Name in Full	6
1	2	3	4	5	7

.....  
*Signature of Revising Authority.*

## FORM-10

[See rule 19 (1)]

## LIST OF OBJECTIONS OF PARTICULARS IN ENTRIES IN ELECTORAL ROLL

Date of receipt	Sl. No.	Name in full of elector objecting	Part No. and Sl. No. of entry of elector roll	Nature of objection	Date, time and place of hearing
1	2	3	4	5	6

.....  
Signature of Revising Authority.

## FORM 11

[See rule 19 (2)]

## NOTICE OF HEARING OF CLAIM

To

Full name and address of claimant.....

Reference/Objection No.....

Your claim for the inclusion of your name in the electoral roll will be heard at.....  
(place) at.....O'clock on the.....day of.....19...You are directed to be present personally or through your authorised agent at the hearing  
with such evidence as you may like to adduce.

Place.....

Date.....

.....  
Signature of Revising Authority.  
..... (Constituency).

FORM—12

[See rule 19 (2)]

NOTICE OF HEARING OF OBJECTION

To

Full name and address of objector.....

.....Reference/Objection No.....

Your objection to the inclusion of the name of.....

.....will be heard at.....

O'clock on the.....day of.....19 ..

You are directed to be present personally or through your authorised agent at the hearing with such evidence as you may like to adduce.

Place.....

Date.....

Revising Authority.

FORM—13

[See rule 19 (2)]

NOTICE OF HEARING OF AN OBJECTION TO PARTICULARS IN AN ENTRY IN THE ELECTOR ROLL

To

Full name and address of person objected to.....

Reference : Objection No.....

Your objection to certain particulars in the entry relating to you will be heard at.....

(place) at.....O'clock the.....day of.....  
19 ..

You are directed to be present personally or through your authorised agent at the hearing with such evidence as you may like to adduce.

Place.....

Date.....

Revising Authority.

Constituency.

## FORM-14

[See rule 19 (3)]

## NOTICE OF HEARING OF OBJECTION

To

Full name and address of person objected to.....

Reference: -Objection No.....

The objection to the inclusion/deletion of your name at the serial No.....  
 in the electoral roll for.....Constituency relating to.....  
 Gram Panchayat/Panchayat Samiti/Zila Parishad filed by (Full name and address of objector)  
 .....will be heard at.....(place at).....  
 O'clock on the.....day of.....19 ..

You are directed to be present personally or through your authorised agent at the hearing  
 with such evidence as you may like to adduce.

The grounds of objection (in brief) are :

(a).....

(b).....

(c).....

Place.....

Date.....

Revising Authority.

.....Constituency.

## FORM-15

[See rule 21 (1)]

## NOTICE OF FINAL PUBLICATION OF ELECTOR ROLL

It is hereby notified for public information that the list of amendments to the draft electoral  
 roll for Constituency No.....(Constituency) or Gram Panchayat/  
 Panchayat Samiti/Zila Parishad has been prepared in accordance with the Himachal Pradesh  
 Panchayati Raj Election Rules, 1994 and a copy of the said electoral roll together with the said  
 list of amendments has been published finally.

Place.....

Date.....

Deputy Commissioner.

FORM-16

(See rule 23)

APPLICATION FOR DELECTION OF ENTRY IN ELECTORAL ROLL

To

The District Election Officer Panchayat).

District.....(H. P.).

Sir,

I submit that the entry at Serial No.....  
in the electoral roll for.....constituency relating to Shri/Shrimati.....  
son/daughter of.....requires to be deleted as the said person is not  
entitled to be registered in the electoral roll for the following reasons.....

I hereby declare that the facts mentioned above are true to the best of my knowledge and belief.

I declare that I am an elector of this constituency being enrolled at serial No.....

Place.....

Date.....

Signature/thumb impression of applicant.

(Full postal address) .....

\*Strike off the inappropriate words.

*Note.*—Any person who makes a statement or declaration which is false which he either knows or believes to be false or does not believe to be true is punishable in accordance with the law in force.

FORM-17

(See rule 33).

NOTICE OF ELECTION PROGRAMME

Notice is hereby given that:—

- (1) an election is to be held for electing a Pradhan/Up Pradhan from a Gram Sabha/ one member from each constituency of the Gram Sabha/ one member from each constituency of the Panchayat Samiti/ one member from each constituency of the Zila Parishad shown in the Table below ;
- (2) nomination papers may be delivered by a candidate or his proposer to the officer



- (6) the symbols to the contesting candidates shall be allotted by the officer specified in column 7 or column 8 or column 9, as the case may be, of the Table above immediately after the expiry of the time fixed for the withdrawal of candidature and list of contesting candidates shall be affixed outside his office;
- (7) in the event of election being contested, the poll shall be taken between the hours .....and .....on the date and place given in the Table below;
- (8) on completion of poll, counting shall take place at place, date and time given in the Table below and the result shall be declared after counting; namely:—

TABLE

Name of Zila Parishad	No. and name of Zila Parishad constituency	Name of Panchayat Samiti	No. and name of Panchayat Samiti constituency
1	2	3	4

Name of Gram Sabha	No. and name of Gram Sabha constituency	Date of poll	Place of counting
5	6	7	8

Date and time of counting	Place and date for declaration of result of Pradhan, Up Pradhan and member Gram Panchayat and name of authorised Officer	Place and date for declaration of result of member of Panchayat Samiti and name of authorised Officer
9	10	11

Place and date for declaration of result of members of Zila Parishad and name of authorised officer.

Deputy Commissioner.

Place .....

\*Strike off which is not applicable.

Note.—In case of single election or bye-elections column (s) of tables above which are not applicable need not be filled in.

## FORM 18

(See rule 35)

## NOMINATION PAPER

\*Election of member from.....(Constituency) of.....  
.....Gram Sabha.

\*Election of Pradhan from.....Gram Sabha

\*Election of Up-Pradhan from.....Gram Sabha

\*Election of member to Panchayat Samiti.....from  
.....constituency.

\*Election of member to Zila Parishad.....from  
.....constituency.

I, nominate as a candidate for above election—

Candidate's name.....

Father's or Husband's name.....

Postal address.....

His name is entered at serial No..... in the electoral roll for.....  
.....constituency of.....Gram Sabha/Panchayat  
Samiti/Zila Parishad.

My name is entered at Serial No..... in the electoral roll  
for.....constituency of.....Gram Sabha/  
Panchayat Samiti/Zila Parishad.

Date.....

Signature of Proposer.

I.....the above mentioned candidate, assent to this nomination  
and hereby declare that :—

- (a) I have completed.....years of age,
- (b) I declare that I have not encroached upon any land belonging to or taken on lease or requisitioned by, or on behalf of, the State Government, Municipality, Gram Panchayat, Panchayat Samiti, Zila Parishad or a Co-operative Society and also do not suffer from any other disqualifications under the Act.
- (c) I further declare that I am a member of the .....  
Case/Tribe which is a Scheduled Caste/Tribe.

Place.....

Signature of Candidate.

(To be filled by the Returning Officer)

Serial No. of nomination paper.....



This nomination paper was delivered to me at.....  
(Place) at ..... (hour) on .....  
(date) by the .....\*candidate/proposer.

Date..... Returning Officer.

(Decision of the Returning Officer accepting or rejecting the nomination paper).

I have examined this nomination paper in accordance with law and decide as follows:

Date..... Returning Officer.

The nomination paper of the above candidate has neither been rejected nor he has withdrawn his candidature and therefore.....  
(Name of symbol) is hereby allotted.

Date..... Returning Officer.

### RECEIPT FOR NOMINATION PAPER AND NOTICE OF SCRUTINY AND WITHDRAWAL

(To be handed over to the person presenting this nomination paper)

Serial No. of nomination paper.....

The nomination paper of..... a candidate for election of or \*member/ Pradhan/Up Pradhan of Gram Panchayat, member of Panchayat Samiti/member of Zila Parishad from..... constituency of..... Gram Sabha..... constituency of Panchayat Samiti..... constituency of..... Zila Parishad delivered to me at my office at..... (hour) on .....(date) by the \*candidate/proposer. All nomination papers will be taken up for scrutiny at..... (hours on..... (date) at ..... (place).

The Candidature may be withdrawn up to .....(hours).  
.....(date). The symbol may be allotted immediately after the expiry of time fixed for withdrawal.

Date..... Returning Officer.

\*Score out the words not applicable.

FORM-19

(See rule 36)

### FORM OF OATH OR AFFIRMATION TO BE MADE BY A CANDIDATE FOR ELECTION TO THE GRAM PANCHAYAT AND PANCHAYAT SMITI AND ZILA PARISHAD OF A STATE

"I, A. B., having been nominated as a candidate to fill a seat in the Gram Panchayat...../Panchayat Samiti...../Zila Parishad.....do swear in the name of God solemnly affirm that I will bear true faith and allegiance to the Constitution of India as by law established and that I will uphold the sovereignty and integrity of India."

## FORM 20

(See rule 38)

## NOTICE OF NOMINATION

Election to the Gram Panchayat/Panchayat Samiti/ Zila Parishad .....  
from the.....Constituency.

Notice is hereby given that the following nominations in respect of the above election have been received upto 3 P.M. today.....

Sl. No. of nomination paper	Names of candidate	Name of father/husband	Age of candidate	Address
1	2	3	4	5

Seat/office for which candidate is nominated	Particulars of caste/tribe of candidate belonging to Scheduled Caste/Tribe	Sl. No. of candidate in the electoral roll	Name of proposer	Serial No. of Proposer in the electoral roll
6	7	8	9	10

Place.....

Date.....

Returning Officer.

\*Strike off the inappropriate alternative.

## FORM-21

[See rule 39 (8)]

## LIST OF VALIDLY NOMINATED CANDIDATES

Election to the Gram Panchayat/Panchayat Samiti/ Zila Parishad .....  
from .....Constituency.

Sl. No.	Name of candidate	Name of *father/husband	Address of candidate	Seat/office for which candidate is nominated
1	2	3	4	5

Place.....

Date.....

Returning Officer.

\*Strike off the inappropriate alternative.

PANCHAYAT ELECTION

FORM-22

[See sub-rule 40]

## NOTICE OF WITHDRAWAL OF CANDIDATURE

Election to.....

\*Constituency No..... of Zila Parishad.....

\*Constituency No..... of Panchayat Samiti.....

\*Pradhan/Up Pradhan of Gram Panchayat.....

To

The Returning Officer,

I.....son/daughter/wife of.....

a candidate validly nominated at the above election do hereby give notice that I withdraw my candidature.

Place.....

Date..... Signature of validly nominated candidate.

This notice was delivered to me at my office at.....(hour) on

.....(date) by.....(name)

the candidate/candidate's proposer/candidate's election agent.

Date.....

Returning Officer.

\*Strike out which is not applicable.

## RECEIPT FOR NOTICE OF WITHDRAWAL

(To be handed over to the person delivering the notice)

The notice of withdrawal of candidature by Shri/Sushri.....  
 a validly nominated candidate at the election to the.....was delivered  
 to me by the candidate/candidate's proposer/candidate's election agent (\*) at my office at, ...  
 .....(hour) on .....(date).

date.....

Returning Officer

Strike out which is not applicable.

FORM 23

[See rule 40 (3)]

## NOTICE OF WITHDRAWAL OF CANDIDATURE

lection to the Gram Panchayat/Panchayat Samiti/Zila Parishad.....  
 .....from.....Constituency.

Notice is hereby given that the following candidate/candidates at the above election with-  
 draw his candidature/their candidatures today:—

Name of candidate	Address of candidate	Seat/office for which candidate who has been withdrawn	Remarks
1	2	3	4
1.			
2.			
3.			
etc.			

Date.....

Place.....

Returning Officer.

FORM-24

[See rule 41 (1)]

Election to the Gram Panchayat/Panchayat Samiti/Zila Parishad.....from.....  
 Constituency.

Sl. No.	Name of Candidate	Address of Candidate	Symbol allotted
---------	-------------------	----------------------	-----------------

Date.....  
Place.....

Signature.....  
Returning Officer..

PANCHAYAT ELECTION

FORM-25

(See rule 43)

### FORM OF APPOINTMENT OF ELECTION AGENT

I, .....  
a candidate for election of—

\*Member, from Constituency.....Gram Panchayat.....(Block.....)

\*Pradhan/Up Pradhan Gram Panchayat.....Block.....)

\*Member of Panchayat Samiti from Constituency No.....of Panchayat Samiti

\*Member of Zila Parishad from constituency No.....to be held on.....

.....hereby appoint Shri/Sushri.....as my  
(Name of the agent)

election agent from this date at the above election.

Place.....  
Date.....

Signature of Candidate.

I accept the above appointment.

Place.....  
Date.....

Signature of Election Agent.

Approved.

Place.....  
Date.....

Signature of Returning Officer.

\*Strike out which is not applicable.

PANCHAYAT ELECTION

FORM-26

(See rule 44)

### APPOINTMENT OF POLLING AGENT

Election to—

\*Member from Constituency.....of Gram Panchayat.....

\*Pradhan, Gram Panchayat

\*Up Pradhan, Gram Panchayat

\*Member of Panchayat Samiti from Constituency No.

\*Member of Zila Parishad, from Constituency No. of Panchayat Samiti

I, a candidate/the election agent of Shri/Sushri who is a candidate at the above election do hereby appoint (Name and address) as a Polling Agent to attend Polling Station No.

Place

Date

Signature of Candidate/Election Agent

I agree to act as such Polling Agent.

Place

Date

Signature of Polling Agent

### DECLARATION OF POLLING AGENT TO BE SIGNED BEFORE THE PRESIDING OFFICER

I hereby declare that at the above election I will not do anything forbidden by the Himachal Pradesh Panchayat Raj Act, 1994 or Rules made thereunder.

Signature of Polling Agent

Signed before me.

Place

Date

Signature of Presiding Officer

\*Strike out which is not applicable.

PANCHAYAT ELECTION

FORM-27

[See rule 45]

### APPOINTMENT OF COUNTING AGENT

Election to

\*Member of Constituency Gram Panchayat

\*Pradhan, Gram Panchayat

\*Up Pradhan, Gram Panchayat

\*Member of Panchayat Samiti from Constituency No. of Panchayat Samiti

\*Member of Zila Parishad, from Constituency No.

I, ..... a candidate/the election agent of  
Shel/Sunari ..... who is a candidate at the above  
election do hereby appoint ..... (Name and address),  
as a Counting Agent to attend Polling Station No ..... at

Place, .....

Date, .....

Signature of Candidate/Election Agent,

I agree to act as such Counting Agent

Place, .....

Date, .....

Signature of Counting Agent,

### DECLARATION OF COUNTING AGENT TO BE SIGNED BEFORE THE RETURNING OFFICER

I hereby declare that at the above election I will not do anything forbidden by the Himachal Pradesh Panchayat Raj Act, 1994 or Rules made thereunder.

Signed before me,

Signature of Counting Agent

Place, .....

Date, .....

Signature of Returning Officer authorised  
by Returning Officer,

\*Strike out which is not applicable.

Form-28

(See rule-40)

### DECLARATION OF RESULT IN \*UNCONTESTED/CONTESTED ELECTION

\*Election of member from ..... constituency of ..... Gram Sabha

\*Election of Pradhan from ..... Gram Sabha.

\*Election of Up-Pradhan from ..... Gram Sabha.

\*Election of member of Panchayat Samiti ..... from ..... constituency.

\*Election of member of Zila Parishad from ..... constituency.

In pursuance of the provisions contained in rule 42 of the Himachal Pradesh Panchayat Raj (Election) Rules, 1994, I declare that:

..... (Name)

..... (Address).

has been duly elected to fill a seat in the\*\* .....

Place, .....

Date, .....

(Signature)  
Returning Officer.

\*Strike off which is inapplicable.  
\*Here insert one of the following alternative as may be appropriate:-

(1) Office of member from ..... constituency of Gram Sabha

(2) Office of Pradhan of ..... Gram Sabha.

(3) Office of Up-Pradhan of ..... Gram Sabha

(4) Office of member of ..... Panchayat Samiti from ..... constituency.

(5) Office of member of ..... Zila Parishad from ..... constituency.

## PANCHAYAT ELECTION

FORM-29

[See rule 52 (3) and (66)]

## BALLOT PAPER ACCOUNT

71

Election to :-

Member of Gram Panchayat.....Constituency No.....  
 Pradhan/Up Pradhan Gram Panchayat.....  
 Member of Panchayat Samiti from Constituency No.....  
 Member of Zila Parishad from Constituency No.....  
 Polling Station No.....

	Serial Nos. (1)	Total No. (2)
1. Number of ballot paper received by the Presiding Officer at the polling Station	.....	.....
(2) Number of unused ballot papers	.....	.....
(3) Number of ballot papers used (1-2=3)	.....	.....
4. Number of ballot papers used but not inserted in the ballot box	.....	.....
(a) Number of ballot papers cancelled	.....	.....
(b) Number of tendered ballot papers	.....	.....
(c) Number of ballot papers cancelled for error in printing/writing.	.....	.....
(a+b+c)	.....	.....
5. Number of ballot papers in ballot boxes (3-4=5)	.....	.....

Place.....  
 Date.....

Signature of Polling Officer.

FORM-30

(See rule 58)

## LIST OF CHALLENGED VOTES

Particulars of Challenge votes during the election to.....

\*Member of Gram Panchayat.....Constituency No.....  
 \*Pradhan Gram Panchayat.....



\*Up Pradhan Gram Panchayat.....  
 \*Member, Panchayat Samiti from Constituency No..... of Panchayat Samiti  
 \*Member of Zila Parishad, from Constituency No..... Polling Station No.....  
 Place.....

Sl. No. Challenger	Name of voter	Sl. No. in voter list	Name of Gram to which voters' list pertains	Present address of the person challenged	Signature or thumb impression of the person challenged
1	2	3	4	5	6
					7

Name of identifier if any	Order of Presiding Officer	Signature of challenger on receiving refund of deposit
8	9	10

Place.....  
 Date.....

Signature of Presiding Officer.....

\*Strike out which is not applicable.  
 \*\*In case of dearth of space, back page may be used.

PANCHAYAT ELECTION

FORM-31

(See rule 63)

### LIST OF TENDERED VOTES

Election to—

Member of Gram Panchayat.....Constituency No.....  
 Pradhan/Up Pradhan, Gram Panchayat.....  
 Member of Panchayat Samiti from Constituency No..... of Panchayat Samiti  
 Member of Zila Parishad.....from Constituency No.....  
 Polling Station No.....

Sl. No.	Name of voter	Sl. No. in voters list Constituency No.	Name of Gram to which voter's list pertains	Sl. No. of tendered ballot paper	Sl. No. of the ballot paper issued to the person who has already voted	Signature or thumb impression of the voter
1	2	3	4	5	6	7

Place

Date

Signature of Presiding Officer

\*In case of dearth of space, back page may be used.

*Note.* In the case of panch, the particulars of tendered votes in respect of all the wards be reported in the same sheet Constituency No. may be mentioned in column No. 3 after the serial No. or in voters list

Form-32

PANCHAYAT ELECTION

(See rule 15)

RESULT SHEET OF COUNTING FOR ELECTION OF MEMBER

Gram Panchayat ..... From Constituency No. ....  
Polling Station No. .... Place .....

Sl. No.	Name of candidates	No. of valid votes cast in favour of the candidate's
1	2	3

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.
- 6.
- 7.
- 8.

- (a) Total No. of valid votes
- (b) Total No. of rejected votes
- (c) Total No. of votes polled (a + b)
- (d) Total No. of tendered votes
- (e) Remarks

Place of counting

Date

Returning Officer (Gram Panchayat)/Officer authorised by Returning Officer (Gram Panchayat)

\*In case of dearth of space, back page may be used.

Form-11

(See rule 75)

FORM OF RETURN OF ELECTION OF  
GRAM PANCHAYAT

Election for member from Constituency No. ....

Sl. No.	Name of candidate	No. of valid votes cast in favour of the candidate
1	2	3

Total No. of valid votes .....  
Total No. of invalid votes .....  
Total No. of votes polled .....  
I declare that

(Name), .....

Address, .....

.....

has been duly elected as Member.

Signature of Returning Officer/  
Officer authorised by Returning Officer  
(Panchayat).

Dated the ..... day of ..... 199

\*In case of dearth of space, back page may be used.

FORM-11

PANCHAYAT ELECTION

(See rule 75)

RESULT SHEET OF COUNTING OF VOTES FOR PRADHAN/UP PRADHAN

Gram Panchayat ..... No. of polling Stations included .....

Sl. No.	Name of Candidates	Valid votes cast in favour of the candidate
---------	--------------------	---

- A. Total No. of valid votes.....  
 B. Total No. of rejected votes.....  
 C. Total No. of votes polled (A+B).....  
 D. Total No. of tendered votes.....

Place of counting.....

Date.....

Returning Officer

Officer authorised by Returning Officer.

\*In case of dearth of space, back page may be used.

## FORM-35

(See rule 75)

FORM OF RETURN OF ELECTION FOR PRADHAN/UP PRADHAN  
 GRAM PANCHAYAT.....

Election or Pradhan/Up Pradhan.....

S. No. 1	Name of candidate 2	No. of valid votes and favour of the candidates 3
-------------	------------------------	--

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.
- 6.
- 7.
- 8.

- (A) Total No. of valid votes.....  
 (B) Total No. of invalid votes.....  
 (C) Total No. of polled votes (A+B).....  
 (D) Total No. of tendered votes.....

I declare that—

(Name).....

Address.....

has been duly elected.

.....  
 Signature of Returning Officer (Panchayat)!  
 Officer authorised by Returning Officer.

Dated the.....day of.....19 ..

\*In case of dearth of space, back page may be used.

PANCHAYAT ELECTION

FORM-36

(See rule 75)

RESULT SHEET OF COUNTING OF VOTES IN THE ELECTION OF PANCHAYAT SAMITI

S. No.	Name of the Candidates	No. of valid votes cast in favour of the candidates
--------	------------------------	---

1.  
2.  
3.  
4.  
5.  
6.  
7.  
8.  
\*

- (A) Total No. of valid votes.....  
(B) Total No. of rejected votes.....  
(C) Total No. of votes polled (A+B).....  
(D) Total No. of tendered voted.....

Place.....  
Date.....

Returning Officer/  
Officer authorised by the Returning Officer.

\*In case of dearth of space, back page may be used.

FORM-37

(See rule 75)

FORM OF RETURN OF ELECTION OF MEMBER OF PANCHAYAT SAMITI

Election of Member of Panchayat Samiti from Constituency No.....  
of Panchayat Samiti.....

Sl. No.	Name of candidate	No. of valid votes cast in favour of the candidate
---------	-------------------	--

1

2

3

(Name ).....  
Address.....

Returning Officer,

\*In case of dearth of space, back page may be used.

### PANCHAYAT ELECTION

RESULT SHEET OF COUNTING OF VOTES OF MEMBER OF ZILA  
PARISHAD..... Constituency No.....

## No. of Polling Stations of Zila Parishad constituency No.....situated in Block.....

Sl. No.	Name of the candidates	No. of valid votes cast in favour of the candidates.
---------	------------------------	--

Place of counting.....

Date.....

Returning Officer  
Officer authorised by Returning Officer  
(Parishad)

\*In ase of dearth of space, back page may be used.

FORM-38 (PART-II)

(See rule 75)

DISTRICT LEVEL COUNTING

RESULT SHEET OF COUNTING OF VOTES OF MEMBER OF ZILA PARISHAD....

Constituency No.....

Sl. No.	Name of candidates	No. of votes secured by candidate in Polling stations situated in various Blocks			Total
1	2	Block.... 3	Block.... 4	Block.... 5	6

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.
- 6.

\*

- (a) Total No. of valid votes.....
- (b) Total No. of rejected votes.....
- (c) Total No. of votes polled (a+b).....
- (d) Total No. of tender votes.....

Place of counting.....  
Date.....

Returning Officer  
Officer authorised by Returning Officer.

\*In case of dearth of space, back page may be used.

FORM-39

(See rule 75)

FORM OF RETURN ELECTION OF MEMBER OF ZILA PARISHAD

Election of Member of Zila Parishad.....from Constituency No.....

Sl. No.	Name of candidate	Number of valid votes cast in favour of the candidate
1	2	3

Total No. of valid votes.....  
 Total No. of invalid votes.....  
 Total No. of polled votes.....

I declare that—

(Name).....  
 Address.....  
 .....

has been duly elected.

.....  
 Returning Officer. (x)

Dated the.....day of.....199 .

\*In case of dearth of space, back page may be used.

FORM-40

(See rules 85 and 86)

### ELECTION OF CHAIRMAN/VICE-CHAIRMAN OF PANCHAYAT SAMITI/ ZILA PARISHAD

To

Office-bearers  
 of Panchayat Samiti/Zila Parishad.

In pursuance of sub rule (2) of rules 83/84 of the Himachal Pradesh Panchayat Election Rules, 1994, I,.....(prescribed authority), do hereby give notice that a meeting of the Panchayat Samiti/Zila Parishad shall be held on.....(date) at .....(hours) at the.....(place) for oath or affirmation of allegiance and to elect Chairman/Vice-Chairman of Panchayat Samiti/Zila Parishad under section 79/90 of the Act.

Place.....  
 Date.....

.....  
 Prescribed Authority.

\*Strike out which is not applicable

FORM-41

(See rules 85 and 86)

### FORM OF NOMINATION PAPER FOR ELECTION FOR THE OFFICE OF CHAIRMAN/ VICE-CHAIRMAN OF.....PANCHAYAT SAMITI AND.....ZILA PARISHAD

Name of Panchayat Samiti/Zila Parishad.....  
 Name in full of candidate.....  
 Sl. No. of the voter list with particulars thereof.....



Father's name/Husband's name  
Full Address

.....  
.....  
.....  
.....

Name in full of proposer  
Name in full of seconder

.....  
*Signature of Proposer.*

Place.....  
Date.....

### DECLARATION OF CANDIDATE

I hereby declare that I agree to the nomination and I am willing to serve.

Place.....  
Date.....

.....  
*Signature of Candidate.*

FORM-42

(See rules 85 and 86)

### PUBLICATION OF RESULT OF CHAIRMAN/VICE-CHAIRMAN OF PANCHAYAT SAMITI/ZILA PARISHAD

In exercise of the powers conferred by section 126 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 (No.4 of 1994), I .....(prescribed authority).....  
.....District, hereby publish the election result of Chairman/Vice-Chairman of  
Panchayat Samiti/Zila Parishad Block.....  
District.....

Sl. No.	Name with name of Father/Husband and address	Name of the office viz. Chair an/Vice-Chairman	Elected
1	2	3	4

Place.....

.....  
*Prescribed Authority.*

Date.....

*District.....*

## FORM 43

]See rule 91 (3)]

I,.....the petitioner in the accompanying election petition calling in question the election of Shri/Shrimati..... from .....responder. No.....in the said petition make solemn affirmation/oath and say:—

- (a) that the statements made in paragraphs..... of the accompanying election petition about the commission of corrupt practice of ..... and the particulars of such corrupt practice mentioned in paragraphs ..... of the Schedule annexed thereto are true to my knowledge;
- (b) that the statement made in paragraphs ..... of the said petition about the commission of the corrupt practice of\*\* ..... and the particulars of such corrupt practice given in paragraphs ..... of the said petition and in paragraphs ..... of the Schedule annexed thereto are true to my knowledge;

(c)

(d)

etc.

Signature of Deponent.

Solemnly affirmed/sworn by Shri/Shrimati..... at this.....day of .....199 ..

Before me,

Executive Magistrate.

\*Here insert one of the following alternatives as may be appropriate:—

- (1) Office of Member from..... constituency of.....Gram Sabha.
- (2) Office of Pradhan of.....Gram Sabha.
- (3) Office of Up-Pradhan of.....Gram Sabha.
- (4) Office of Member of.....Panchayat Samiti from.....constituency.
- (5) Office of Chairman of.....Panchayat Samiti/Zila Parishad.
- (6) Office of Vice-Chairman.....Panchayat Samiti/Zila Parishad.

\*\*Here specify the name of the corrupt practice.

II

By order,  
O. P. YADAV,  
Agricultural Production Commissioner-cum-Secretary.